खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 12 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-12

मेगा अग्रवाल ट्रेड फेयर का हुआ शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बल्लारी रोड स्थित पैलेस ग्राउंड के दी ग्रांड कैंसल के सभागार में शनिवार को दो दिवसीय मेगा अग्रवाल ट्रेड फेयर की शुरुआत हुई। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी के साथ मुख्य अतिथि प्रिंसीपल चीफ जीएसटी सेल्स टैक्स कमिश्नर प्रमोद कुमार अग्रवाल और विशेष अतिथि पद्मश्री डॉ. एच. नागेंद्र गुरुजी ने महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

तत्पश्चात समाज के सचिव सतीश गोयल ने ट्रेंड फेयर में टाइटल स्पॉन्सर गुरु पुनवानी संजय कुमार बैद के साथ कोरे वर्ल्ड, गोयल ग्रुप, बाबा, स्टील्स सप्लायर्स, टीएफसी, इंडिया गोल्ड, श्याम लावान, चेतन तायल, महेश तायल, एबी आर लॉजेस्टिक, मंगलम पाइप, वीआरकेपी, प्राइड ग्रुप, प्राइम गोल्ड केया होम्स सहित कई उद्योगपति, जो इस ट्रेड फेयर के सहयोगी बने, का आभार जताया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बसल ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रमोद अग्रवाल व पद्मश्री डॉ. एच नागेंद्र गुरुजी का सम्मान किया गया। सभी सहयोगियों का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर बिपीन राम अग्रवाल, चंद्र प्रकाश रामसिसरिया, अशोक हिंसारिया, मदन अग्रवाल, गौरीशंकर गुप्ता, आईपीपी रतन लाल सिंघल, जयप्रकाश गुप्ता आदि लोग मौजूद थे। मेगा ट्रेड फेयर में हार्डवेयर, मार्बल ग्रेनाइट, सेनेटरी वेयर, क्लोथ, जेवलर्स, प्रॉपर्टी डीलर्स, फर्नीचर और खाने पीने के स्टॉल पर भी ग्राहकों ने जमकर खरीदी कर लुप्त उठाया। युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया के साथ नरेश गुप्ता, विक्रम अग्रवाल, गणेश मित्तल, राघव गोयल, कुणाल गोयल, जयप्रकाश अग्रवाल सहित पूरी टीम ने कंधे से कंधा मिलाकर शानदार आयोजन में चार चांद लगा दिए। डीवीपी ग्रुप ने संगीत की प्रस्तुति से उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। बच्चों ने अनेक गेम्स खेल कर आनंद लिया। सुबह से बड़ी संख्या में सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित हुए। प्रदर्शनी में 250 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। ग्राहकों की अधिक भिड़ को देखते हुए रविवार को प्रदर्शनी का आयोजन सुबह 9 से रात 9 बजे तक होगा।

अंतरयात्रा कार्यक्रम का आयोजन

साँस और नाम के बीच के जीवन को ही कहते हैं जिन्दगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ सेंटर फॉर एक्सीलेंस के तत्वावधान में अंतरयात्रा कार्यक्रम का आयोजन सीएमएस बिजनेस स्कूल, शेषाद्री रोड, गांधी नगर में किया गया। वेन्यू स्पान्सर, जैन यूनिवर्सिटी के विशाल चेनरा थे। कार्यक्रम का उद्देश्य, महिलाओं को सामाजिक चिंता और रोजमर्रा के तनाव को दूर करने के लिए उपचार और जादुई मंत्रों से जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत, नवकार महामंत्र के जाप और दीप प्रज्वलन से हुई। चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने सभा का स्वागत करते हुए कहा कि हम सभी इस दुनिया में आते हैं और यहाँ अपनी पहचान बनाते हैं, और फिर यहाँ से खाली हाथ ही जाते हैं, तो फिर इतना तनाव क्यों लें? जीवन तो आराम और सुख से जीना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब हम दुनिया में आते है तो, सांस लेकर आते हैं बिना नाम के और जाते हैं, नाम छोड़ के बिना सास के। साँस और नाम के बीच के जीवन को जिन्दगी कहते है और इससे हमें बहुत अच्छी तरह से, खुशी से, आनंद से जीना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि आज हम सभी कैटरपिलर की तरह हैं, और इस प्रभावी कार्यशाला के साथ हम सब तितलियों की तरह खिलेंगे। मुख्य सचिव निधि पा-लरेचा ने कहा कि आजकल की व्यस्त जीवनशैली में हमें अपने आत्मसंतुलन को बनाए रखना जरूरी है। मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है। सह-संयोजिका अंगिका बाफना ने प्रसिद्ध वेलनेस कोच और मुख्य वक्ता, डॉ. शीला बजाज का परिचय दिया। स्पीकर डॉ. शीला बजाज ने अपनी बातों से प्रतिभागियों को आत्मसंबंधी, देखभाल और मिड-एज क्राइसिस पर जोड़ते हुए बताया कि जब आप खुद को प्राथमिकता देते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। कार्यशाला के मुख्य बिंदु, परिवर्तन एक धीमी प्रक्रिया है, अपने आप से सच बोलना, अपने अंदर के बच्चे को आवाज देना है और जीवित रखना है, समय के साथ खुद को अपग्रेड करना, मानसिक स्वास्थ्य वास्तविक है, अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों का संतुलन बनाए रखना है, व्यक्तिगत पसंद, शौक को प्राथमिकता देना चाहिए, था। आध्यात्मिक और दिव्य ऊर्जा का महत्व भी बताया और नकारात्मकता को त्यागना है। डॉ. शीला बजाज द्वारा साझा की गई जानकारी और उपचार सभी प्रतिभागियों के लिए महत्व-पूर्ण और सराहनीय थी। कार्यक्रम सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समाप्त हुआ। 200 प्रतिभागियों ने पीले रंग में सजे इस कार्यक्रम का आनंद लिया। जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लुनिया और महिला विंग के कन्वीनर प्रवीण सोफादिया ने शुभकामनाएँ प्रेषित की। पूर्व अध्यक्षा और श्रमण आरोग्यम की संयोजिका सुनीता गांधी और हा-उसहोल्ड बिजनेस मॉडल की संयोजिका बिंदु रायसोनी भी उप-स्थित थी। कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव साक्षी नाहर, समिति के सदस्य अर्पिता लदानी, अस्मिता चौहान, नीतू गुलेचा, सोमना सिसोदिया, तरुणा मेहता, वनिता बच्छावत ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन में मदद की। संयोजिका चंद्रा जैन ने आभार व्यक्त किया।

पार्टी में यौन उत्पीड़न करने के आरोपी व्यक्ति को 10 साल सश्रम कारावास की सजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
छठे अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने लाइट हाउस हिल रोड, हंपनकट्टा निवासी ब्रायन रिचर्ड अम्माना (34) नामक व्यक्ति को एक पार्टी के दौरान एक लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 10 साल के कठोर कारावास (आरआई) की सजा सुनाई और 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया। पीड़िता भारतीय नौसेना की कर्मचारी जॉयलाइन ग्लेनेल पिंटो की दोस्त थी। 5 फरवरी, 2021 को पुत्तूर के कोडिप्पाडी गांव के अंतर्गत कोडिकाडु में आकाश के एस के निवास पर जॉयलाइन के लिए विदाई पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसे अंडमान द्वीप समूह में स्थानांतरित कर दिया गया था। पीड़िता अपने दोस्त निकेत शेट्टी के साथ मेंगलूरु से आकर पार्टी में शामिल हुई थी। ब्रायन अम्माना, जिसने कार्यक्रम के लिए खानपान की व्यवस्था की थी और खुद को जॉयलाइन का दोस्त बताया था, ने कथित तौर पर पीड़िता के पेय में नशीला पदार्थ मिला दिया। पार्टी के बाद, जॉयलाइन और एक अन्य दोस्त रेबेका ने पीड़िता को एक कमरा दिखाया, जहां वह रात भर रुक सकती थी। पीड़िता, जॉयलाइन और रेबेका ने बिस्तर पर जाने से पहले थोड़ी देर बात की। रात करीब 2 बजे, पीड़िता ने

जॉयलाइन और रेबेका को कमरे से गायब पाया। वह फिर से सो गई, लेकिन सुबह 5 बजे फिर से जाग गई, उसने पाया कि ब्रायन ने बीच के घंटों में उसका यौन उत्पीड़न किया था। ब्रायन अम्माना के खिलाफ पुत्तूर महिला पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। जांच तत्कालीन इंस्पेक्टर तिम्माप्पा नाइका ने की, जिन्होंने बाद में आरोप पत्र दायर किया। न्यायमूर्ति कांताराजू एसवी, जिन्होंने मुकदमे की अध्यक्षता की, ने ब्रायन को दोषी पाया और जुर्माना के साथ 10 साल की सजा सुनाई। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को उचित मुआवजा प्रदान करने का भी निर्देश दिया। गवाहों की गवाही आंशिक रूप से सरकारी वकील बी. शेखर शेट्टी द्वारा संभाली गई, जबकि शेष सरकारी वकील चौधरी मोतीलाल द्वारा पूरी की गई।

राम जन्मभूमि की पहली वर्षगांठ मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी किल्लारी रोड ट्रेंडर्स एसोसिएशन द्वारा रामलला की प्रतिष्ठा समारोह को शानदार रूप से मनाया गया। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष गणपत माली ने बताया सबसे पहले पूरे किल्लारी रोड में शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें लगभग 250 सदस्यों ने भाग लिया। उसके बाद दोपहर 12 बजे हवन और पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था अध्यक्ष सज्जन राज कोठारी, सचिव पूनम मेहता की अगुवाई में पूरा किल्लारी रोड परिवार उपस्थित था। तत्पश्चात् 3 हजार लोगों के लिए अन्नदान का

आयोजन भी किया गया। शाम को संध्या वेला में शानदार दीप-ोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 10 हजार दीपक जलाए गए। संस्था की ओर से शांतिलाल सोलंकी, प्रवीण दास, ललित सीरवी, ललित राजपुरोहित, धर्मिचन्द, गौरव अग्रवाल, संदीप त्रिवेदी, जयंतीलाल खंडेलवाल के साथ पूरी टीम ने सहयोग किया।

लोक सेवा आयोग में होंगी निष्पक्ष भर्तियां: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आश्वासन दिया है कि कर्नाटक लोक सेवा आयोग में स्वतंत्र परीक्षा नियंत्रक के पद सृजित करके निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि केपीएससी को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए जन-केंद्रित प्रबंधन प्रणाली अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुशासन के लिए सरकारी कर्मचारियों को गुणवत्ता-पूर्ण सेवा प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोग लोकतंत्र के स्तंभ हैं जो योग्यता और निष्प-क्षता को कायम रखते हैं और कार्यपालिका में अभूतपूर्व योगदान देते हैं। 1892 में तत्कालीन दीवान के. शेषाद्रि अय्यर द्वारा मैसूरु सिविल सेवा परीक्षाओं की शुरुआत के साथ कर्नाटक का सार्वजनिक सेवा में एक समृद्ध इतिहास है। इसके माध्यम से, कर्नाटक ने प्रतिष्ठित प्रशासकों की भर्ती की प्रक्रियाओं के लिए एक ठोस नींव रखी है और उसी विरासत को जारी रखा है। कर्नाटक लोक सेवा आयोग की

स्थापना 1951 में एक संवैधानिक निकाय के रूप में की गई थी और इसने कई विकास देखे हैं। कर्नाटक लोक सेवा आयोग ने 2021 में सीधी भर्ती नियम पेश किए, जिसमें व्यक्तित्व परीक्षण के मूल्य पर मानकीकृत प्रक्रियाओं पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र लीक को रोकने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और जनता के विश्वास को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बेरोजगारी को नियंत्रित करने के लिए निष्पक्ष और त्वरित भर्ती प्रक्रियाओं की आवश्यकता है और राज्यों को यूपीएससी की तरह समय पर परिणाम घोषित करने के मॉडल का पालन करना चाहिए। लोक सेवा आयोगों के खिलाफ लंबित मामलों को निपटाना, दक्षता में सुधार करना, जनता का विश्वास हासिल करना महत्वपूर्ण है। केपीएससी को मजबूत करने के लिए अधिक संसाधन, कार्मिक और बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भर्ती प्रक्रियाएँ पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से संचालित की जाएंगी। महिलाओं, युवाओं और उपेक्षित वर्गों सहित सभी समुदायों को अवसर प्रदान करना हमारी सरकार का लक्ष्य है। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल थावरचंद गहलोत, यूपीएससी चेयरपर्सन प्रीति सूदन समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय कुश्ती महासंघ के संयुक्त सचिव, जया कर्नाटक पीपुल्स फोरम और कर्नाटक राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष गुना रंजन शेट्टी ने प्रभु श्री रामचन्द्र की जन्मभूमि अयोध्या में भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर जे. श्रीनिवास, प्रसाद शेट्टी, रामदास श्रीनिवास अंगड़ाकोडी और समर्थ आदि लोग भी मौजूद थे।

माइक ड्रॉप कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद एवं तेरापंथ किशोर मण्डल के निर्देशन में तेरापंथ किशोर मण्डल एचबीएसटी हनुमंतनगर द्वारा माइक ड्रॉप कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में तेरापंथ सभा भवन हनुमंतनगर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी द्वारा नमस्कार महामन्त्र के मंत्रोचार से किया गया। विजय गीत का संगान महाश्रमण सुर संगम के सदस्यों द्वारा किया गया। तेयुप उपाध्यक्ष राहुल मेहता ने पधारे हुए सभी प्रतिभागियों एवं श्रावक समाज का स्वागत किया। क्षेत्रीय प्रभारी दीक्षित सोलंकी ने किशोर मण्डल का उत्साहवर्धन करते हुए किशोरों की सराहना की एवं माइक ड्रॉप

कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। साध्वी श्री दीक्षाप्रभा जी ने किशोर मण्डल को प्रेरणा देते हुए संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक कविता, शायरी, भाषण, जैन श्लोक आदि विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर जिया एवं जान्वी, विक्रम पुगलिया, सुमित्रा बरडिया, दीक्षा जैन, प्रगति आर. जैन को पुरस्कृत किया गया। कुल 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष गौतम दक, परिषद परामर्शक प्रकाश बोल्या, पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, पूर्व अध्यक्ष पवन बोथरा, परिषद उपाध्यक्ष द्वितीय देवेंद्र आंचलिया, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, संगठन मंत्री संदीप बाबेल, सज्जनराज कटारिया, महावीर कटारिया, दीक्षित बाफना, दिनेश धोका, राजीव हीरावत, स्वरूप चोपड़ा, राकेश खटेड, आकाश मेहता, मुकेश बोल्या सहित श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। मंच का कुशल संचालन परिषद मंत्री संदीप चौधरी ने किया। किशोर मण्डल संयोजक जिनेश धोका, सहसंयोजक नींव चौधरी एवं सम्पूर्ण किशोर मण्डल की टीम का सहयोग रहा।

विभिन्न आश्रमों में मानव सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित मानवीय सेवा कार्य के तहत बेंगलूरु के चार आश्रमों में सेवा दी गई। साथ ही एक ब्राह्मण परिवार को दो महीने की राशन सामग्री व जरूरत का सामान दिया गया। इस सेवा कार्य में समाज की बहनों का विशेष सहयोग रहा। राजराजेश्वरी नगर स्थित बुद्धि स्पेशल स्कूल, जिसमें 42 मंद बुद्धि बच्चे हैं, बनशंकरी स्थित नवचेतन ट्रस्ट, जिसमें 72 बच्चे, महिला एवं पुरुष हैं, नेलमंगला स्थित पंचवटी गर्ल्स होम, जिसमें 47 लड़कियां और 12 नवजात शिशु हैं और महालक्ष्मी लेआउट स्थित शास्त्री स्कूल फॉर डेफ एंड डम्प में सेवा प्रदान की गई। इस सेवा कार्य में अध्यक्षा श्वेता बियाणी, सुशील बागड़ी, कान्ता काबरा, बिमला चांडक, गायत्री मालपानी, सुनीता लाहोटी, पुष्पा जाजू, सूमित्रा चांडक, सरिता तोषनीवाल उपस्थित रही।

ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

माओवादी आंदोलन का पूरी तरह किया जाएगा सफाया: सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 12 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-12

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण

राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है : मोदी

File Photo

रामलला का मंदिर हमारी संस्कृति और आध्यात्म की महान धरोहर है

हम बंटे तो खामियाजा हमारे धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा: योगी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष के बाद बना राम मंदिर हमारी संस्कृति और आध्यात्म की महान धरोहर है। प्रधानमंत्री ने यह विश्वास जताया कि अयोध्या का दिव्य और भव्य राम मंदिर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा। प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर अयोध्या में शुरू हुए तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिष्ठा द्वादशी के साथ हुई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और राम लला की पूजा अर्चना के साथ वर्षगांठ उत्सव प्रारंभ हुआ।

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव पर प्रधानमंत्री ने गत वर्ष अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दिए अपने भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। इसमें प्रधानमंत्री ने कहा था, 22 जनवरी 2024 कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि यह एक नए कालचक्र का उद्गम है। सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए। सर्वे भवन्तु सुखिन: यह संकल्प हम सदियों से दोहराते आ रहे हैं। उसी संकल्प को राम मंदिर के रूप में साक्षात आकार मिला है। यह मंदिर मात्र एक देव मंदिर नहीं है यह भारत की दृष्टि, दर्शन और दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। यह भव्य राम मंदिर भारत के उत्कर्ष, उदय, अभ्युदय, विकसित भारत का साक्षी बनेगा। यह मंदिर सिखाता है कि अगर लक्ष्य सत्य प्रमाणिक हो, सामूहिकता, संगठित शक्ति से जन्मा हो तब उस लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव नहीं है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हो राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेता हुआ राष्ट्र ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है।

इस मौके पर अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, हमें एक बात का हमेशा ध्यान रखना होगा कि आज से पहले वह कौन सी परिस्थितियां थीं, जब समाज बंटा था।

▶10 पर

क्षेत्रीय दलों को 216 करोड़ रुपए का चंदा मिला

बीआरएस को मिले सबसे अधिक 154 करोड़ रुपए

नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत सात दलों ने चंदे का ब्यौरा छुपाया

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 216 करोड़ रुपए से अधिक का चंदा मिला है। सर्वाधिक चंदा पाने वालों में तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) शीर्ष पर रही। बीआरएस को मात्र 47 दानकर्ताओं से 154.03 करोड़ रुपए मिले। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को पांच दाताओं से 16 करोड़ तथा तेदेपा को 11.92 करोड़ रुपए मिले।

57 क्षेत्रीय दलों में से केवल 18 दलों ने निर्धारित समय के भीतर निर्वाचन आयोग को अपनी चंदा रिपोर्ट प्रस्तुत की। 17 अन्य दलों ने अपने विवरण देने में दो से लेकर 164 दिन तक की देरी की। बीजू जनता दल और जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस समेत सात दलों ने चंदे के बारे कोई ब्यौरा नहीं दिया है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), जननायक जनता पार्टी (जजपा), तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने चंदे में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। झामुमो के चंदे में 3,685 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है, जिसके बाद जजपा में 1,997 प्रतिशत और तेदेपा में 1,795 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

समाजवादी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल जैसे दलों ने चंदे में तीव्र गिरावट दर्ज की है, जो क्रमशः 99.1 प्रतिशत और 89.1 प्रतिशत घटी।

28 क्षेत्रीय दलों की ओर से घोषित कुल 2,119 चंदों पर आधारित है, जिसमें कुल राशि 216,765 करोड़ रुपए थी।

आंध्र प्रदेश सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

हिंदुओं का धर्मांतरण कराने वाले चर्च पर चलेगा बुलडोजर

अमरावती, 11 जनवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने गुंटूर जिले में स्थित कैल्वरी टेम्पल चर्च को गिराने के आदेश जारी किया है। यह चर्च पेडकाकनी मंडल के नम्बुरु गांव में स्थित है। इस चर्च को अवैध रूप से संचालन किया जा रहा था। एक जांच के बाद इसका खुलासा हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, केवल उन संरचनाओं को ध्वस्त किया जाएगा जो बिना कानूनी अनुमति के चल रही हैं।

नवंबर 2024 में इस चर्च के खिलाफ प्रधानमंत्री कार्यालय को एक शिकायत दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि इसका संचालन पंचायती राज, राजस्व, पुलिस और ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जैसे सरकारी विभागों से कानूनी अनुमति के बिना किया जा रहा है। इसमें ये भी कहा गया था कि पादरी डॉक्टर सतीश कुमार ने टैक्स का भुगतान किए बिना दान के जरिए लोगों को लूटा।

शिकायत के बाद जांच में पाया गया कि यह चर्च अवैध रूप से संचालित हो रहा था और गरीबों को किराने का सामान देकर तथा फर्जी दावे करके हिंदुओं को ईसाई धर्म में परिवर्तित कर रहा था। अक्टूबर में बताया गया था कि हैदराबाद के पादरी डॉक्टर सतीश कुमार के नेतृत्व में कैल्वरी चर्च ने हर महीने लगभग 3,000 हिंदुओं को ईसाई धर्म में धर्मांतरित किया है। पादरी सतीश कुमार ने विशेष रूप से दावा किया कि उन्होंने अब तक 3.5 लाख से अधिक हिंदुओं को ईसाई धर्म में परिवर्तित किया है। सतीश कुमार ने अगले 10 वर्षों में पूरे भारत में 40 ऐसे चर्च स्थापित करने की योजना बताई थी।

बाद में काकीनाडा के जिला कलेक्टर के आदेश पर राजस्व अधिकारियों ने कैल्वरी टेम्पल चर्च को जब्त कर लिया। चर्च पर भूमि कब्जाने, संदिग्ध समझौतों के ज़रिए नए चर्च बनाने, कानून का उल्लंघन सहित कई आरोप हैं। कैल्वरी टेंपल चर्च एशिया के सबसे बड़े चर्चों में से एक है, जिसके सदस्यों की संख्या 4 लाख से अधिक है।

▶10 पर

पूर्वी लद्दाख में बुनियादी ढांचे के निर्माण प्रस्तावों को मंजूरी

चीन की हरकतों का माकूल और सकारात्मक जवाब

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की वन्यजीव समिति ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास सैन्य उपयोग के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के कई प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इसके तहत गोला-बारूद भंडारण, संचार नेटवर्क और अन्य रणनीतिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की बैठक के दौरान इस रणनीतिक बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों पर बातचीत भी की गई। वहीं, रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह नया बुनियादी ढांचा चांगथांग उच्च ऊंचाई वाले ठंडे रेगिस्तान वन्यजीव अभयारण्य और काराकोरम नुब्रा श्योक वन्यजीव अभयारण्य में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य गोला-बारूद को तेजी से पहुंचाना और सैनिकों की तैनाती को आसान और तेज बनाना है। यह सैन्य तैयारियों और संचालन को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है।

▶10 पर

एनसीबी के ड्रग तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में बोले गृह मंत्री

2047 तक देश को नशामुक्त करने का लक्ष्य: अमित शाह

10 वर्षों में तीन लाख किलो ड्रग्स जब्त की गई

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 10 सालों में ड्रग्स के खिलाफ अपनी लड़ाई को काफी मजबूत किया है और इस दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह दावा किया कि वर्ष 2047 तक देश को नशा मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2004 से 2014 के बीच लगभग 3 लाख 63 हजार किलो ड्रग्स जब्त किए गए थे, जबकि पिछले 10 वर्षों में यह आंकड़ा बढ़कर 24 लाख किलो तक पहुंच गया है, जो कि सात गुना अधिक है।

देश में ड्रग्स तस्करी की बढ़ती समस्या और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके पड़ने वाले प्रभावों से निपटने के लिए सरकार और सक्रिय हो गई है। आज नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर दिल्ली में क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की। इस दौरान विशेष रूप से उत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इससे निपटने पर फोकस रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। 2047 तक देश को नशा मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

अमित शाह ने कहा कि यह उपलब्धि देश के पारिस्थितिकी तंत्र, जनता और अदालतों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया का परिणाम है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर हम ड्रग्स की कीमत की बात करें, तो 2004-2014 में जब्त किए गए ड्रग्स का मूल्य लगभग 8,150 करोड़ रुपए था, जो 2014-2024 में बढ़कर 56,851 करोड़ रुपए हो गया है, यानी यह आठ गुना बढ़ा है।

▶10 पर

केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने राजद नेता पर किया करारा प्रहार

जंगलराज प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी हैं लालू यादव

पटना/बेगूसराय, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने लालू परिवार पर हमला करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव की राजद कोई पार्टी नहीं बल्कि यह जंगलराज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, जिसके लालू यादव सीएमडी हैं। लालू के बेटे तेजस्वी यादव उस कंपनी के एमडी हैं। जैसे रतन टाटा अपनी कंपनी के सीएमडी थे। उन्होंने किसी को एमडी नियुक्त कर रखा था। वैसे ही लालू प्रसाद ने तेजस्वी यादव को एमडी को नियुक्त कर रखा है।

भारत के सनातनी एक हो जाएं, अगर बंटोगे तो कटोगे

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,620/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,000/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 20°

शीशमहल घोटाले के बाद आई शराब घोटाले पर सीएजी रिपोर्ट

शराब नीति घोटाले से सरकार को लगा 2026 करोड़ का चूना

शातिर केजरीवाल और उनके मंत्रियों ने नियमों का उल्लंघन किया

व्यापारियों और नेताओं का सिंडिकेट बना कर हड़प लिए करोड़ों रुपए

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल के शीशमहल घोटाले के बाद दिल्ली शराब नीति घोटाले पर महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट आ गई है। कैग की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि अरविंद केजरीवाल सरकार की इस शराब नीति के कारण दिल्ली सरकार को 2026 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ। यह शराब नीति नवंबर 2021 में लागू की गई थी और इसका उद्देश्य शराब की बिक्री के माध्यम से राजस्व बढ़ाना और व्यवस्था में सुधार लाना था। रिपोर्ट में इसे भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और कमीशनखोरी से भरा बताया गया है। इस चक्कर में मनीष सिसोदिया, अरविंद केजरीवाल समेत कई बड़े नेताओं को जेल की हवा भी खानी पड़ी थी, क्योंकि शराब घोटाले से जमा किए पैसों की मनी लॉन्ड्रिंग का भी मामला सामने आ गया था।

सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब की दुकानों के लाइसेंस जारी करने में नियमों का उल्लंघन किया गया। कई ऐसी कंपनियों को लाइसेंस दिए गए, जो घाटे में थीं या जिनके खिलाफ शिकायतें थीं। नियम तोड़ने वालों को सज़ा देने की बजाय उन्हें छूट दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि शराब नीति के कई अहम फैसले बिना कैबिनेट और उपराज्यपाल की मंजूरी के लिए गए। यही नहीं, दिल्ली शराब नीति घोटाले के दौरान एक्सपर्ट पैनल की सिफारिशों को नजरअंदाज कर मनमाने तरीके से फैसले लिए गए। लाइसेंसधारकों और थोक विक्रेताओं के बीच अनुचित समझौते हुए। सरकार ने कोविड-19 के नाम पर 144 करोड़ रुपए की लाइसेंस फीस माफ कर दी, जबकि ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं थी। सीएजी ने अपने विश्लेषण में बताया कि शराब नीति के तहत कई मोर्चों पर नुकसान हुआ। इसमें लाइसेंस वापस लिए गए, लेकिन उन्हें दोबारा टेंडर नहीं किया गया, जिससे 890 करोड़ का नुकसान हुआ। जोनल लाइसेंसधारकों को दी गई छूट से 941 करोड़ का घाटा हुआ। कोविड-19 के नाम पर 144 करोड़ की माफी ने राजस्व को और कमजोर किया। सुरक्षा जमा राशि सही से वसूलने में 27 करोड़ का नुकसान हुआ। शराब नीति के तहत शराब की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए टेस्टिंग लैब और अन्य बुनियादी ढांचे की योजना बनाई गई थी, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

गीता प्रेस के प्रतिनिधिमंडल से मिले अडाणी

महाकुंभ में धार्मिक पुस्तकें बांटेंगे उद्योगपति

गोरखपुर/अहमदाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में धार्मिक पुस्तकें बांटेंगे उद्योगपति गौतम अडाणी। गीता प्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने उद्योगपति गौतम अडाणी से मुलाकात की। उन्होंने उद्योगपति को गीता प्रेस में छपी आरती संग्रह सहित विभिन्न पुस्तकें भेंट कीं।

महाकुंभ 2025 का शुभारंभ 13 जनवरी 2025 को होने वाला है। देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडाणी ने महाकुंभ को भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का महायज्ञ बताया। शुक्रवार को उन्होंने गीता प्रेस के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि इस महायज्ञ में प्रतिष्ठित संस्थान गीता प्रेस के सहयोग से आरती संग्रह की एक करोड़ प्रतियां कुम्भ में आए श्रद्धालुओं की सेवा में निःशुल्क अर्पित किया जाएगा।

गौतम अडाणी की कंपनी ने गीता प्रेस में एक करोड़ धार्मिक पुस्तकें छापने का आर्डर दिया था, जिन्हें महाकुंभ में वितरित किया जाना है। शुक्रवार को गीता प्रेस का प्रतिनिधिमंडल ने गौतम अडाणी से मुलाकात की। उन्होंने उद्योगपति को गीता प्रेस में छपी आरती संग्रह सहित विभिन्न पुस्तकें भेंट की। अडाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यह हमारे लिए अपार संतुष्टि का विषय है कि इस महायज्ञ में प्रतिष्ठित संस्थान गीता प्रेस के सहयोग से हम आरती संग्रह की एक करोड़ प्रतियां कुंभ में आए श्रद्धालुओं की सेवा में निःशुल्क अर्पित कर रहे हैं। आज सनातन साहित्य के माध्यम से 100 वर्षों से राष्ट्र की सेवा कर रहे गीता प्रेस के सम्मानित पदाधिकारियों से मिलकर प्रेरणा प्राप्त हुई और गीता प्रेस के उत्कृष्ट सेवा कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करने का सौभाग्य मिला। निःस्वार्थ सेवाभाव और धर्म एवं संस्कृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना राष्ट्रप्रेम का ही एक रूप है, जिसके लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं।

अडाणी ने कहा, महाकुंभ भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का महायज्ञ है। यह हमारे लिए अपार संतुष्टि का विषय है कि इस महायज्ञ में प्रतिष्ठित संस्थान गीता प्रेस के सहयोग से हम आरती संग्रह की एक करोड़ प्रतियां कुम्भ में आए श्रद्धालुओं की सेवा में निःशुल्क अर्पित कर रहे हैं। आज सनातन साहित्य के माध्यम से 100 वर्षों से राष्ट्र की सेवा कर रहे गीता प्रेस के सम्मानित पदाधिकारियों से मिलकर प्रेरणा प्राप्त हुई और गीता प्रेस के उत्कृष्ट सेवा कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करने का सौभाग्य मिला। निःस्वार्थ सेवाभाव और धर्म एवं संस्कृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना राष्ट्रप्रेम का ही एक रूप है, जिसके लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं। सेवा साधना है, सेवा प्रार्थना है और सेवा ही परमात्मा है।

महाकुंभ पर गौतम अडाणी ने कहा, कुंभ सेवा की वो तपोभूमि है जहां हर हाथ स्वतः ही परमार्थ में जुट जाता है। यह मेरा सौभाग्य है कि महाकुंभ में हम इस्कॉन के साथ मिलकर श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद सेवा आरम्भ कर रहे हैं, जिसमें मां अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से लाखों लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस संदर्भ में आज इस्कॉन के गुरु प्रसाद स्वामी जी से मिल कर सेवा के प्रति समर्पण की शक्ति को गहराई से अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ। सच्चे अर्थों में सेवा ही राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है। सेवा साधना है, सेवा प्रार्थना है और सेवा ही परमात्मा है।

जम्मू कश्मीर में बारिश की कमी ने 50 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

जम्मू, 11 जनवरी (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में पिछले पांच वर्षों से लगातार अभूतपूर्व रूप से कम बारिश हुई है और 2024 पिछले 50 वर्षों में सबसे सूखा वर्ष रहा है जो अपने आप में एक रिकार्ड है।

स्वतंत्र मौसम विशेषज्ञ फैजान आरिफ केंग द्वारा साझा किए गए विवरण के अनुसार, 2024 में पांच दशकों में सबसे कम वर्षा हुई और यह 1974 में दर्ज की गई 802.5 मिमी की पिछली न्यूनतम वर्षा के करीब पहुंच गई, जो पिछले 50 वर्षों में सबसे सूखा वर्ष था।

वे बताते हैं कि 2024 में सामान्य वार्षिक औसत 1232.3 मिमी के मुकाबले वर्षा का स्तर गिरकर केवल 870.9 मिमी रह गया – जो 29% की महत्वपूर्ण कमी है। फैजान के अनुसार, 2024 केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य से कम वर्षा का लगातार पांचवां वर्ष था। 2023 में 1146.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 7% की कमी को दर्शाता है, जबकि 2022 में 1040.4 मिमी बारिश हुई, जो 16% की कमी को दर्शाता है।

उनके द्वारा मुहैया करवाया गया डाटा कहता है कि वर्ष 2021 में 892.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 28% की कमी को दर्शाता है, और 2020 में 20% की कमी के साथ 982.2 मिमी वर्षा हुई। केंग के बकौल, क्षेत्र में वर्षा का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। 2024 के लिए मासिक डेटा साझा करते हुए केंग बताते हैं कि जनवरी में 91% की भारी कमी दर्ज की गई, जबकि फरवरी और मार्च में क्रमशः 17% और 16% की कमी देखी गई। हालांकि अप्रैल में 48% अधिशेष के साथ कुछ राहत मिली, लेकिन यह एकमात्र महीना था जिसमें अधिक वर्षा देखी गई।

केंग कहते हैं कि मई से घाटा फिर से शुरू हो गया, मई में 67%, जून में 38%, जुलाई में 36% और अगस्त में 2% की कमी रही। केंग का कहना था कि वर्ष के अंत में स्थिति और खराब हो गई, सितंबर में 41%, अक्टूबर में 74%, नवंबर में 69% और दिसंबर में 58% की कमी आई। इस तरह की कमी का असर कृषि, जलविद्युत और पीने के उद्देश्यों के लिए पानी की कम उपलब्धता के रूप में पहले से ही दिखाई दे रहा है, जिससे नीति निर्माताओं और निवासियों के लिए चिंता बढ़ गई है।

दरअसल पिछले कुछ वर्षों में घटती बारिश ने जम्मू और कश्मीर में लंबे समय तक सूखे के प्रभावों को कम करने के लिए जलवायु अनुकूलन उपायों और व्यापक जल प्रबंधन रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है।

सभी जानते हैं कि कश्मीर की जीवन रेखा झेलम नदी इस मौसम में अपने सबसे कम जल स्तर में से एक को देख रही है, जिससे क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के बारे में चिंता बढ़ गई है।

संगम बिंदु पर झेलम वर्तमान में –0.75 फीट के चिंताजनक स्तर पर बह रही है, जबकि राम मुंशी बाग में जल स्तर 3.73 फीट और अशाम में 1.08 फीट है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर दो हिंदू बहनों को गाड़ी से रौंद डाला

गोरखपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर में दिल दहला देने वाली घटना घटी। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दो हिंदू चचेरी बहनों ने छेड़छाड़ का विरोध किया तो सलमान और गुलजार ने गुस्से में आकर दोनों को गाड़ी से रौंद डाला। एक बहन संजना की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरी बहन रिंकी की स्थिति गंभीर है। आरोपी दोनों लड़कियों को लव जिहाद का शिकार बनाना चाहते थे। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसे देखने के बाद पुलिस ने सलमान और गुलजार को गिरफ्तार कर लिया है।

गोरखपुर के चौरीचौरा क्षेत्र के भटगावां पंचायत भवन के सामने परीक्षा देने जा रही दो चचेरी बहनों को मैजिक से कुचला गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने मैजिक चालक को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह फरार हो गया। हिंदू युवती की हत्या से नाराज ग्रामीणों ने शव रखकर गोरखपुर–कुशीनगर हाईवे को दो घंटे जाम कर दिया। इस दौरान परिजनों के साथ ही ग्रामीणों ने मांग की कि आरोपियों का एनकाउंटर कर उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाए। इनको प्रशासन और सरकार का डर नहीं है। दूसरी बच्ची को बचा लो। नहीं तो वे इसे भी मार देंगे। युवती के चाचा ने अपनी शिकायत में बताया कि रास्ते में छेड़छाड़ का विरोध करने पर कैथवलियां गांव के गुलजार और सलमान ने मैजिक से दोनों छात्राओं को कुचलवा दिया, जिसमें बीए तृतीय वर्ष की छात्रा संजना की मौत हो गई है, जबकि उसकी चचेरी बहन घायल हो गई है। इस घटना को उस वक्त अंजाम दिया गया जब वह कॉलेज में परीक्षा देने के लिए अपनी चचेरी बहन के साथ जा रही थी। पुलिस शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर गुलजार अली उर्फ रहमान और दूसरे आरोपी सलमान को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ कर रही है। दो बहनों को मैजिक से रौंदने वाले सलमान और गुलजार को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की जा रही है।

मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को लगाई फटकार

मंदिर के धन से नहीं बना सकते शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

चेन्नई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग को मंदिर के अधिशेष कोष से शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने पर रोक लगा दी है। यह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स अरुलमिघु नंदीश्वरम थिरुकोइल की भूमि पर बनाया जा रहा था। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि मंदिरों को मुकदमेबाजी से दूर रखा जाना चाहिए और मंदिरों के धन का अपव्यय नहीं होना चाहिए।

मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश केआर श्रीराम और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति की पीठ ने मंदिर के धन से शॉपिंग कॉमप्लेक्स बनाने पर रोक लगा दी। बेंच ने कहा कि यदि वाणिज्यिक परिसरों को अनुमति दी जाती है तो इससे निवेश पर लाभ, लाइसेंसधारियों/किराएदारों की बेदखली, बकाया किराए की वसूली और अतिक्रमण को रोकने जैसी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एचआर एंड सीई अधिनियम के अनुसार, मंदिर के अधिशेष धन का उपयोग केवल धारा 66 (1) या अधिनियम की धारा 36 ए या धारा 36 बी के तहत निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण किसी भी श्रेणी में नहीं आता है। इसलिए निर्णय को रद्द कर दिया जाना चाहिए।

दरअसल, पी भास्कर ने याचिका दाखिल कर बंदोबस्ती विभाग के निर्णय को चुनौती दी थी। भास्कर ने दावा किया था कि बंदोबस्ती को केवल अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ही विनियोजित किया जा सकता है। इस पर बंदोबस्ती विभाग ने दलील दी कि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए मंदिर से संबंधित अधिशेष निधि का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, विशेष सरकारी वकील ने दलील दी कि अधिनियम की धारा 36 के पहले प्रावधान के अनुसार, ट्रस्टी निर्दिष्ट उद्देश्य को प्राथमिकता देंगे, लेकिन अधिशेष निधि का उपयोग किसी भी उद्देश्य के लिए कर सकते हैं, जिसे वे उचित समझते हैं, जिसमें शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी शामिल है।

अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि मंदिर के फंड का उपयोग करके शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण संस्था के धार्मिक सिद्धांतों के प्रचार को इंगित नहीं करता है। इन कानूनी प्रावधानों का उद्देश्य धार्मिक सिद्धांतों का प्रचार है। अतिरिक्त भूमि कि इस्तेमाल को लेकर कोर्ट ने सुझाव दिया कि पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए विभाग इस पर देशी पेड़ लगाने पर विचार कर सकता है। उसे बताया गया कि संपत्ति में निर्माण का एक हिस्सा पहले ही बनाया जा चुका है और वह बर्बाद हो सकता है, इसलिए न्यायालय ने फैसला सुनाया कि शेष निर्माण इस तरह से किया जा सकता है कि इसका उपयोग गरीबों को भोजन देने में किया जा सके। न्यायालय ने यह भी कहा कि भवन का उपयोग गरीब और जरूरतमंद हिंदुओं के बीच विवाह आयोजित करने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि हर मामले में अधिशेष धन का उपयोग विवाह हॉल के निर्माण के लिए नहीं किया जा सकता है।

बेट द्वारिका में अतिक्रमण पर चली बुलडोजर की कार्रवाई

धर्म स्थलों पर अतिक्रमण नहीं होने देंगे: हर्ष संघवी

बेट द्वारिका, 11 जनवरी (एजेंसियां) गुजरात के देवभूमि द्वारका और बेट द्वारका में राज्य सरकार ने एक बार फिर से बुलडोजर की कार्रवाई की है। तटीय इलाकों में सैकड़ों एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करके एक छोर से दूसरे छोर तक मकान और अन्य मजहबी एवं व्यावसायिक ढांचे बना दिए गए हैं। अब इन ढांचों को हटाया गया है। यह कार्रवाई कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच की जा रही है।

ध्वस्तीकरण अभियान में करीब 40 से 50 अवैध आवासीय एवं व्यावसायिक संरचनाओं को ध्वस्त किया गया है। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने बुलडोजर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा, बेट द्वारिका देश भर के करोड़ों लोगों की आस्था की भूमि है। लिहाजा, कृष्ण भूमि में किसी भी अवैध अतिक्रमण को नहीं होने देंगे। हमारी आस्था और संस्कृति की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। गुजरात में भूपेन्द्र भाई पटेल सरकार ने अवैध अतिक्रमण के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाया है। इस कार्रवाई के बाद बेट द्वारका में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं और कड़ी सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को भी तैनात कर दिया गया है। हालांकि, इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि मंदिर में किसी तरह की अव्यवस्था न हो। वही, भगवान की पूजा–अर्चना नियमित रूप से जारी रहेगी।

ऑपरेशन के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिसकर्मियों समेत कुल एक हजार जवान शामिल थे। प्रशासन और पुलिस विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारियों ने इसकी सभी तैयारियां पहले ही कर ली थीं। ऑपरेशन के दौरान ड्रोन कैमरों से नजर रखी जा रही है। अभी यह ज्ञात नहीं है कि इस प्रक्रिया में कितना समय लगेगा, लेकिन निर्माण कार्यों की संख्या को देखते हुए इसमें कुछ समय लग सकता है।

उल्लेखनीय है कि बेट द्वारका भारत के सबसे पश्चिमी छोर है। देवभूमि द्वारका से 2 किलोमीटर दूर इस छोटे से द्वीप पर भगवान कृष्ण का मंदिर है, जो हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। हर साल यहां लाखों लोग भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए आते हैं। पहले यहां समुद्र के रास्ते ही जाया जा सकता था, लेकिन अब यहां पुल बन गया है। गुजरात का समुद्र तट लगभग 1600 किलोमीटर लंबा है। इसके कई फायदे हैं, लेकिन साथ ही सुरक्षा के लिहाज से यह एक संवेदनशील इलाका भी है। गुजरात में भूपेंद्र पटेल की सरकार आने के बाद तटीय इलाकों में सुरक्षा को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया और इसके साथ ही इन इलाकों में सालों से सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण को भी चिन्हित किया जाने लगा।

साल 2022 में इन अतिक्रमण को हटाने की शुरुआत द्वारका से ही हुई और सैकड़ों एकड़ सरकारी जमीन पर बुलडोजर चलाया गया और ढांचों को ध्वस्त किया गया था। यह कार्रवाई संभवतः गुजरात के इतिहास की सबसे बड़ी विध्वंस कार्रवाई थी। उसके बाद भी सरकार ने सोमनाथ, पोरबंदर आदि तटीय क्षेत्रों में यह कार्रवाई जारी रखी। हाल ही में सोमनाथ में भी बड़े पैमाने पर ऐसी कार्रवाई की गई। अब बुलडोजर फिर से द्वारका पहुंच गया है। साल 2022 के ध्वस्तीकरण के बाद प्रशासन को बेट द्वारका इलाके में और अतिक्रमण की जानकारी मिली। उसके बाद अतिक्रमण करने वालों की पहचान की गई। सरकारी सूत्र कह रहे हैं कि जहां भी अतिक्रमण होगा, वहां इस तरह की बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कार्रवाई से अनशन पर बैठे पादरी भड़के

कोच्चि, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के अंगमाली–एर्नाकुलम महाधर्मप्रांत के बिशप हाउस के बाहर शनिवार को उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई जब पुलिस ने कई पादरियों को वहां से हटा दिया। दरअसल, ये पादरी एक अपोस्टोलिक प्रशासक द्वारा जारी कुछ दस्तावेजों की वापसी की मांग को लेकर अनिश्चिकालीन अनशन कर रहे थे।

पादरियों और विश्वासियों ने पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। उनका कहना था कि पुलिस ने शनिवार की तड़के इन पादरियों को जबरदस्ती बिशप हाउस से बाहर निकाल दिया। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्य में कुछ पादरियों को पुलिस कार्रवाई में चोटें आती दिखीं। इसके बाद, कई विश्वासियों और पुरोहितों ने सेंट मेरी बेसिलिका में जमा होना शुरू किया, जहां इन पादरियों को स्थानांतरित किया गया था। पुलिस भी वहां बड़ी संख्या में मौजूद थी। इसके अलावा, विश्वासियों ने महाधर्मप्रांत मुख्यालय के बाहर पुलिस के साथ तीखी बहस की। उन्होंने एर्नाकुलम के एसीपी सी जयकुमार पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जयकुमार कह रहे थे कि सरकार अंगमाली–एर्नाकुलम महाधर्मप्रांत के खिलाफ है। हालांकि, अधिकारी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि यह सब खबर बनाने के लिए किया जा रहा है। हम उनसे बातचीत करके समस्या सुलझाने के लिए तैयार हैं।

इससे पहले शुक्रवार को महाधर्मप्रांत मुख्यालय में उस समय अराजक दृश्य देखने को मिले, जब कुछ पादरियों ने महाधर्मप्रांत के नए क्यूरिया की बर्खास्तगी की मांग की थी। क्यूरिया एक निकाय होता है जो चर्च को अच्छे तरीके से चलाने में मदद करता है। ये विरोधी पादरी अथिरूपथा समरक्षणा समिति से हैं। इनकी मांग है कि अपोस्टोलिक प्रशासक बॉस्को पुथुर द्वारा जारी दस्तावेजों को वापस लिया जाए, जो उनकी मान्यता के अनुसार कैनन और नागरिक कानूनों का उल्लंघन करते हैं।

महाकुंभ में 17 दिन का कल्पवास रखेंगी स्टीव जॉब्स की पत्नी कमला

प्रयागराज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। टेक्नोलॉजी की दिग्गज कंपनी एप्पल के सह–संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी और दुनिया की सबसे धनी महिलाओं में से एक लॉरेन पॉवेल 13 जनवरी से शुरू हो रहे प्रयागराज महाकुंभ 2025 में भाग लेंगी। इस दौरान वह संन्यासी की भांति 17 दिनों का कल्पवास भी करेंगी। लॉरेन पॉवेल अपने गुरु निरंजनी अखाड़े के स्वामी कैलाशानंद के शिविर में ठहरेंगी और पवित्र संगम में स्नान करेंगी। वह 29 जनवरी तक भारत में रहेंगी।

एमर्सन कलेक्टिव की संस्थापक और अध्यक्ष लॉरेन पॉवेल को अपना गोत्र भी दिया है और उनका नाम कमला रखा है। दूसरी बार भारत आ रहीं लॉरेन पॉवेल हिंदू और बौद्ध धर्म में विशेष दिलचस्पी रखती हैं। स्टीव जॉब्स की देहांत के बाद वह एप्पल की मालकिन हैं। स्टीव जॉब्स सन 1974 में भारत आए थे और नीम करोली बाबा की शिक्षाओं से प्रेरित हुए थे। इसके 2 साल बाद उन्होंने स्टीव वोज्नियाक के साथ मिलकर एप्पल की नींव रखी थी।

महाराष्ट्र में इंडी गठबंधन तार–तार

स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी शिवसेना यूबीटी

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बताया कि उनकी पार्टी विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव अकेले लड़ेगी। राउत ने कहा कि इंडी गठबंधन और महाविकास अघाड़ी गठबंधन केवल लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए था। उन्होंने बताया कि गठबंधन में अलग–अलग पार्टियों के कई कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिलता है। यह संगठनात्मक विकास में बाधा डालता है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, गठबंधन में अलग–अलग पार्टियों के कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिलता और इससे संगठनात्मक विकास बाधित होता है। हम अपनी ताकत के दम पर मुंबई, ठाणे, नागपुर और अन्य नगर निगमों, जिला परिषदों और पंचायतों में चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी को संकेत दिए कि उन्हें अकेले चुनाव लड़ना चाहिए।

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार पर निशाना साधते हुए संजय राउत ने कहा कि जो लोग आम सहमति और समझौते पर भरोसा नहीं करते उन्हें गठबंधन में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद इंडी गठबंधन ने एक भी बैठक नहीं की। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, इंडी गठबंधन के लिए हम एक संयोजक तक नियुक्त नहीं कर पाए। यह अच्छा नहीं है। गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते बैठक बुलाने की जिम्मेदारी कांग्रेस की थी। उन्होंने कहा, यह कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वे इंडी गठबंधन को बचाए। कांग्रेस एक महान पार्टी है। यह सच है कि इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था। लोकसभा चुनाव के बाद एक बैठक नहीं हुई।

लुधियाना के आपा विधायक की गोली लगने से संदिग्ध मौत

लुधियाना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आपा) के लुधियाना पश्चिम से विधायक गुरप्रीत गोगी की शुक्रवार रात गोली लगने से संदेहास्पद मौत हो गई। परिवार का कहना है कि पिस्तौल साफ करते समय यह हादसा हुआ। घटना के समय गोगी अपने कमरे में अकेले थे। परिवार ने बताया कि यह एक दुर्घटना थी।

गुरप्रीत गोगी को तुरंत दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि घटना रात करीब 11:30 बजे की है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और मौत के सही कारण का पता पोस्टमॉर्टम के बाद चलेगा। गुरप्रीत गोगी ने 2022 में आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ते हुए लुधियाना पश्चिम सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने कांग्रेस नेता भरत भूषण आशु को हराया था। घटना से कुछ घंटे पहले गोगी ने फेसबुक पर पोस्ट किया था कि उन्होंने पर्यावरणविद् संत बाबा बालबीर सिंह के साथ बैठक की थी और लोहड़ी के कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया था।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण

मंदिर के लिए किसी ने सत्ता खोई तो किसी ने जुटाए थे कारसेवक

अयोध्या, 11 जनवरी (एजेंसियां)।
अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालत में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू होना, ये सब इतिहास के अध्याय हैं।

अयोध्या में पिछले साल 22 जनवरी को राम मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा हुई। इस ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ वे चेहरे भी जुटे थे, जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन में अपना अमूल्य योगदान दिया था।

राम मंदिर के पक्ष देश में माहौल बनाने के लिए भाजपा के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने 1990 में सोमनाथ से अयोध्या के लिए रथ यात्रा निकाली थी। इसी यात्रा से अयोध्या आंदोलन को धार मिली थी। देश के कई शहरों और गांवों से लोग अयोध्या में कार सेवा करने के लिए पहुंच रहे थे। अयोध्या समेत देश के कई हिस्सों में 'राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे' का नारा गूंज रहा था। आडवाणी अयोध्या आंदोलन से भाजपा के सबसे बड़े हिंदुत्व का चेहरा बन गए थे। विध्वंस के दौरान आडवाणी अयोध्या में मौजूद थे। विवादस्पद ढांचा विध्वंस मामले में आरोपी बनाए गए, लेकिन अदालत ने बाद में बरी कर दिया। वर्तमान में आडवाणी अपनी उम्र के कारण सक्रिय राजनीति से दूर हैं।

राम मंदिर आंदोलन से जुड़ा एक अहम नाम मुरली मनोहर जोशी है। पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के बाद मंदिर आंदोलन में जोशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 6 दिसंबर 1992 को जब विवादित ढांचा गिराया गया तो जोशी भी अयोध्या में थे। जोशी ने अपने बेबाक भाषणों से आंदोलन को काफी तेज किया था। आडवाणी की तरह वे भी आरोपी बनाए गए, लेकिन अदालत ने उन्हें भी बरी कर दिया। अब आडवाणी की तरह ही सक्रिय राजनीति से दूर हैं।

भाजपा के दिग्गज नेताओं में शुमार रहे कल्याण सिंह जोकि राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भी रहे थे। सिंह दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। राममंदिर आंदोलन में उनकी सक्रिय भूमिका ने भाजपा को एक नई पहचान दी। वर्ष 1992 में सुप्रीम कोर्ट को विवादित ढांचे की सुरक्षा का हलफनामा दिया। विवादित ढांचा टूटने के बाद उनकी सरकार बर्खास्त कर दी गई। कल्याण बाद में भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। फिर उनका भाजपा से आना जाना लगा रहा। देश में मोदी सरकार आने के बाद वह राज्यपाल बनाए गए। 21 अगस्त 2021 को कल्याण सिंह ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

राम मंदिर आंदोलन को लेकर विनय कटियार के तेवर शुरू से सख्त थे। कटियार कट्टर हिंदुत्व का चेहरा माने जाते थे। विध्वंस के दौरान विनय कटियार अयोध्या में मौजूद थे और वो इस मामले में आरोपी थे, लेकिन अदालत से बरी हो गए। कटियार पर कारसेवकों को विवादित ढांचा तोड़ने के लिए उकसाने का आरोप लगा था। वो मौजूदा समय में भाजपा के सदस्य भले ही हैं, लेकिन पार्टी और सरकार दोनों में उनकी भूमिका नहीं है।

उमा भारती को राजनीतिक पहचान अयोध्या आंदोलन से मिली। विध्वंस के दौरान उमा भारती अयोध्या में मौजूद रहीं और वह भी इस मामले में आरोपी थीं। हिंदुत्व का चेहरा और फायर ब्रांड नेता के तौर पर उनकी पहचान बन चुकी थी। मौजूदा समय में वह भाजपा में सिर्फ नेता हैं। उन्होंने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में चुनाव लड़ने से मना कर दिया था।

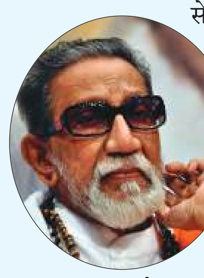

शिवसेना प्रमुख रहे बाल ठाकरे अपने तेज तर्रार भाषणों की वजह से देश भर में सुर्खियों में रहते थे। 6 दिसंबर 1992 को जब विवादित ढांचा गिराया गया तो बाल ठाकरे ने बड़े गर्व से अयोध्या में शिव सैनिकों की मौजूदगी की बात स्वीकार की थी। अपने बयानों में वह अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की बात करना नहीं भूलते थे। बाल ठाकरे के समर्थक उन्हें हिंदू हृदय सम्राट कहते थे।

संघ के अनुषांगिक संगठन विहिप के मुखिया रहे अशोक सिंघल ने राम मंदिर आंदोलन में केंद्रीय भूमिका निभाई। सिंघल 20 साल तक विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। इंजीनियर की

नौकरी छोड़कर उन्होंने समाज सेवा का रास्ता चुना। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन में सिंघल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 1984 में दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित धर्म संसद का सिंघल ने संचालन किया। यहीं राम जन्मभूमि आंदोलन की रणनीति तय की गई। सिंघल ने योजना बनाकर कारसेवकों को जोड़ना शुरू किया। देश भर से उन्होंने 50 हजार कारसेवक जुटाए। 1992 में विवादित ढांचा गिराने वाले कारसेवकों का नेतृत्व करने का आरोप सिंघल पर ही लगा था। सिंघल अदालत से अंततः बरी हुए।

शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के दस महीने बाद एक जिला अदालत के फैसले ने और भी बड़े भूचाल को जन्म दे दिया।

ताला खुलवाने की घटना के बारे में रामचंद्र गुहा ने अपनी किताब इंडिया आफ्टर नेहरू में राम चंद्र गुहा लिखा है। गुहा लिखते हैं, 1 फरवरी 1986 को उत्तर प्रदेश के शहर अयोध्या में जिला न्यायाधीश ने एक छोटे से हिंदू उपासना गृह का ताला खोलकर पूजा करने की इजाजत दे दी। लोगों का ऐसा मानना था कि न्यायाधीश का फैसला नई दिल्ली के निर्देश पर हुआ है। गुहा ने किताब में राजनीतिक विश्लेषक नीरजा चौधरी के हवाले से लिखा कि राजीव गांधी एक ही साथ दोनों पक्षों को संतुष्ट करना चाहते थे। अगर एक काम मुस्लिम मत को आकर्षित करने के लिए किया गया था तो दूसरा उससे भी बड़ा हिंदू मतदाताओं को संतुष्ट करने के लिए किया गया। इस निर्णय के बाद कांग्रेस न सिर्फ यूपी में लगातार कमजोर होती गई, बल्कि मुस्लिम वर्ग में भी कांग्रेस का आधार लगातार कमजोर होता चला गया। उन्हें 1989 के लोकसभा चुनाव में सत्ता गंवानी पड़ी।

हिंदू पक्ष के महंत रामचंद्र दास परमहंस ही वर्ष 1949 में विवाद शुरू होने और वर्ष 1992 में बाबरी ढांचा के विध्वंस होने मुख्य भूमिका में रहे। कभी हिंदू महासभा से जुड़े रहे और परमहंस 1989 में गठित राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष बने। राम मंदिर निर्माण के लिए दिल्ली में 1984 में हुए धर्म संसद की भी अध्यक्षता की। उनकी अध्यक्षता में जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन हुआ। उनका निधन 2003 में हुआ। अंत समय तक राम मंदिर निर्माण के लिए संघर्ष करते रहे। अयोध्या आंदोलन के चेहरे के तौर राम विलास वेदांती का नाम भी आता है। अयोध्या के बड़े साधुओं में नाम आता है। राम मंदिर आंदोलन ने वेदांती को राजनीतिक पहचान दी और वे भाजपा सांसद बने थे।

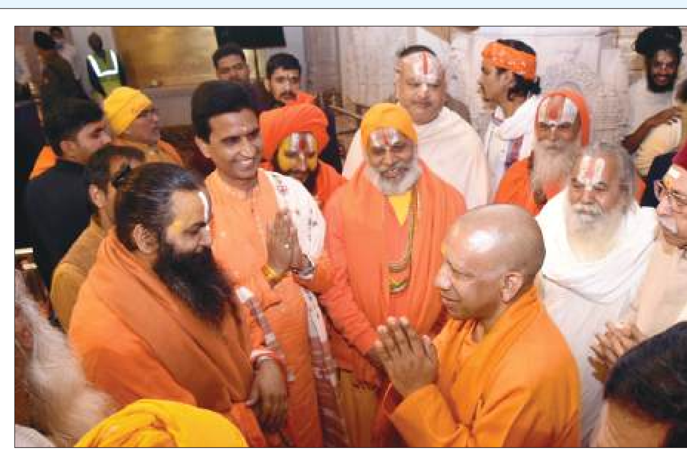

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में श्री रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतिष्ठा-द्वादशी कार्यक्रम के अवसर पर।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अयोध्या के श्री हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजन अर्चन की।

तारीखों में राम मंदिर संघर्ष की कहानी

हिंदू आस्था की स्थापना के लिए 134 साल चली कानूनी लड़ाई

मस्जिद बनने के 330 साल बाद शुरू हुई थी हक की जंग

अयोध्या, 11 जनवरी (एजेंसियां)।
भगवान राम की नगरी अयोध्या में एक वर्ष पहले श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। आज सैकड़ों लोग भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। हालांकि, आज जो भगवान के दर्शन हो रहे हैं, उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। आखिरकार 22 जनवरी 2024 को रामलला की मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुई।

किस्सा 1526 से शुरू होता है। यह वो साल था जब मुगल शासक बाबर भारत आया। दो साल बाद बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद दिया। ये वो दौर था जब मुगल शासन पूरे देश में फैल रहा था। मुगलों और नवाबों के शासन के दौरान 1528 से 1853 तक इस मामले में हिंदू बहुत मुखर नहीं हो पाए। 19वीं सदी में मुगलों और नवाबों का शासन कमजोर पड़ने लगा। अंग्रेज हुकूमत प्रभावी हो चुकी थी। इस दौर में ही हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।

मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के

मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण हैं। इसके बाद तारों की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।

1858 में हुई घटना के 27 साल बाद 1885में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब, निर्मोही अखाड़े के मंहत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरीढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।

एक ओर जहां देशभर में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन चलाकर आजादी लेने की मुहिम जारी रही, वहीं दूसरी ओर राम जन्मभूमि की लड़ाई भी जारी रही। देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा-अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई।

3 मार्च 1951 को गोपाल सिंह विशारद मामले में न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को पूजा-अर्चना में बाधा न डालने की हिदायत दी। ऐसा ही आदेश परमहंस की तरफ से दायर मुकदमे में भी दिया गया। 17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर प्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा-अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे। फैसलों की बात करें उससे पहले राम काज के लिए हुए कुछ और आंदोलनों की तरफ चलते हैं।

बात 1982 की है। ये वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और

शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंगद टीला, अयोध्या में श्री रामलला के श्रीविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत-महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलवाने को आंदोलन का फैसला किया। मुकदमों की बात हुई है तो फिर से कानूनी लड़ाई की ओर चलते हैं और बात फैसलों की करते हैं। एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पाण्डेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पाण्डेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

जनवरी 1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव-गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990 के दशक में आंदोलन तेज हो रहा था। इस बीच सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। देश की राजनीति तेजी से बदल रही थी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए। भाजपा के समर्थन से बनी जनता दल की सरकार गिर गई। कांग्रेस के समर्थन से चंद्रशेखर प्रधानमंत्री बने। ये सरकार भी ज्यादा नहीं चली। नए सिरे से चुनाव हुए और एक बार फिर केंद्र में कांग्रेस सत्ता में आई। इन सब के बीच आई वो ऐतिहासिक तारीख जिसका जिक्र किए बिना ये किस्सा पूरा नहीं हो सकता है।

तारीख थी 6 दिसंबर 1992, इस दिन अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। उत्तर प्रदेश सहित देश में कई जगह सांप्रदायिक हिंसा हुई, जिसमें अनेक लोगों की मौत हो गई। अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। इसके साथ ही राम काज की कानूनी लड़ाई में मुकदमों की संख्या में और इजाफा होने लगा।

बाबरी ढहाए जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन-पूजन की अनुमति दे दी। 7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान और कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा। 21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों तो वह भी इसके लिए तैयार है।

अयोध्या में राम जन्मभूमि की लड़ाई अब देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुकी थी। 21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों तो वह भी इसके लिए तैयार है। 6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुआ और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में अब वक्त था अंतिम फैसले का। 9 नवंबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2.77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। इसके अलावा यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। अब बारी थी निर्माण की 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। ठीक छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जिसमें पीएम मोदी शामिल हुए।

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद अब अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण अब भी कई चरणों में जारी है। राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसमें रामलला को स्थापित किया गया। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल गया था।

सौंदर्य

स्किन टैग को खत्म करें ये टिप्स

शरीर या चेहरे के किसी हिस्से पर मौजूद स्किन टैग, तिल, ब्लैकहेड्स, स्पॉट और मस्से आपकी सुंदरता को बिगाड़ देते है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ इनकी गिनती भी बढ़ती जाती है। इनसे छुटकारा पाने के लिए बहुत सी लड़कियां सर्जरी या मंहगे ब्यूटी ट्रीटमेंट का सहारा लेती है लेकिन इसका अच्छा असर दिखने की बजाए कई साइड-इफेक्ट्स नजर आने लगते है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान तो हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते है।

मस्से:- मस्से की समस्यां को दूर करने के लिए एक सोक्ड बेंडेज पर

एप्पल साइडर सिरका लगाकर हफ्ते में 2 बार मस्से पर लगाएं। इसके बाद पिमिस स्टेन की मदद से इसे निकाल दें। 1 हफ्ते में ही आपको मस्से से छुटकारा मिल जाएगा।

स्किन टैग्स: कॉटन की मदद से लगातार दिन में 2 स्किन टैग्स पर एप्पल साइडर सिरका लगाएं। लगातार 10 दिन तक इसे लगाने से स्किन टैग्स झड़ जाएंगे।

तिल: अनचाहें तिल से छुटकारा पाने के लिए दिन में 4 घंटे रोजाना

लहसुन पीस कर लगाएं। कुछ ही दिनों में तिल गायब हो जाएंगे।

ब्लैकहेड्स: ब्लैकहेड्स को दूर करने के लिए चेहरे पर स्टीम लेकर 5 मिनट तक शहद लगा लें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो कर साफ करें। रोजाना 1 हफ्ते तक इसका इस्तेमाल ब्लैकहेड्स को हमेशा के लिए गायब कर देगा।

स्पॉट: ब्लैक स्पॉट के लिए नींबू के रस को रोजाना चेहरे पर लगाएं। नेचुरल ब्लीच की तरह काम करने वाला नींबू के रस आपको चेहरे के भद्दे स्पॉट से छुटकारा मिल जाएगा।

यह है कपल्स के बीच डिवॉर्स की बड़ी वजह

शादी के बाद जल्द ही डिवॉर्स लेने के केसेज अब बढ़ रहे हैं। यूं तो इसकी कई वजहें हैं लेकिन एक कॉमन रीजन है कपल्स के बीच पैसों का झगड़ा। अक्सर देखा गया है कि कपल्स पर्सनल खर्चों और सेविंग से जुड़ी बातें एक-दूसरे से शेयर ही नहीं करते। यही बात आगे चलकर उनके बीच मनमुटाव का कारण बन जाती है। लेकिन अगर सही मनी मैनेजमेंट के साथ ही थोड़ी सी ट्रांसपैरेसी बरती जाए, तो रिश्ता अच्छा होगा।

मंथली बजट

मनी मैनेजमेंट की शुरुआत करने का सबसे अच्छा तरीका मंथली बजट बनाना है। इसमें आप अपने सभी जरूरी खर्चे लिखें। इसके बाद आपको सिर्फ बचे हुए पैसे को इन्वेस्ट करने के बारे में सोचना होता है। हालांकि यह पैसा तब बचेगा, जब आप फिजूलखर्ची से दूर रहें। मंथली बजट से आपको पता रहेगा कि किन चीजों पर खर्च करना और कहां आप लिमिट क्रॉस कर रहे हैं। साथ ही इससे साथी के सामने आपका खर्चा पारदर्शी भी रहेगा।

चेक एंड बैलेंस

अगर आप पर्सनल फाइनैंस मैनेज करते हैं, तो खर्च पर चेक एंड बैंलेंस की पॉलिसी अपनाएं। अगर हजबैंड ज्यादा खर्च करता है, तो उसको उसी समय पर बताना जरूरी है कि वह बजट और जरूरत से अधिक खर्च कर रहा है। अगर वाइफ अधिक खर्च करती है, तो हसबैंड का फर्ज बनता है कि वह उसे कंट्रोल करे। ऐसे में खर्चे पर कंट्रोल करना आसान हो सकता है।

सेविंग फंड बॉक्स

अगर आपने किसी काम के लिए कोई अमाउंट फिक्स किया है लेकिन खर्चा उससे कम होता है, तो उस पैसे को फालतू उड़ाने की जगह सेविंग फंड बॉक्स में डाल दें। इस बॉक्स को उस अमाउंट के लिए ही यूज करें, जो आप इस तरह इधर-उधर से बचा पाते हैं।

शेयर करें

समय-समय पर दोनों मिलकर बात करें। एक-दूसरे के खर्चों, तरीकों और फ्यूचर इन्वेस्टमेंट के बारे में एक-दूसरे को बताएं। इससे आपसी अंडरस्टैंडिग बढ़ेगी।

इन्वेस्टमेंट

आप जितना पैसा इन्वेस्ट करेंगे, आगे उसकी वैल्यू बढ़ना तय है। ये इन्वेस्टमेंट किसी पॉलिसी या सेविंग सर्टिफिकेट के रूप में हो सकता है।

डिसेबल हो बच्चा तो जरूर दें ये स्पेशल ट्रीटमेंट

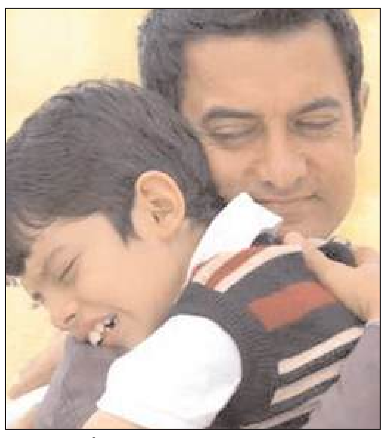

1992 से संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 3 दिसंबर को वर्ल्ड डिसेबिलिटी-डे मनाता और उसे प्रचारित करता आ रहा है। इंटरनैशनल प्लेटफॉर्म पर शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के प्रति समाज के रवैये को बदलने और ऐसे लोगों के जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना ही इसका मुख्य लक्ष्य है।

चार तरह की मानसिक अक्षमता

माइल्ड : ऐसे बच्चों का आईक्यू 50-70 के बीच होता है, हालांकि इन बच्चों को शिक्षण और प्रशिक्षण दोनों दिया जा सकता है। ये बच्चे थोड़ी मुश्किलों के बाद समाज में अच्छे से अपना जीवन यापन कर सकते हैं।

मॉडरेट : ऐसे बच्चों का आईक्यू 35-50 के बीच होता है। ऐसी स्थिति में बच्चों को शिक्षण से इतर प्रशिक्षण दिया जा सकता है, ताकि वे आगे चलकर आत्मनिर्भर बन सकें।

सीवियर: ऐसे बच्चों का आईक्यू 20-35 होता है। इन्हें न तो शिक्षण दिया जा सकता है और न ही प्रशिक्षण। ऐसे बच्चों को उनके रोजमर्रा के काम जैसे टॉयलेट हैबिट, खाने-पीने के तरीकों के बारे में भी सिखाया जाता है। ऐसे बच्चों को एजुकेटर उनके रोजमर्रा के काम के बारे में ही अच्छी तरह से सिखाते हैं।

प्रोफाउंड: ऐसे बच्चों का आईक्यू 20 से नीचे होता है। इन बच्चों को पूरे जीवन दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे बच्चों का पूरा जीवन बिस्तर पर ही रहकर गुजर जाता है।

रखें खास खयाल

» अगर बच्चे में प्रारंभिक विकास यानी बोलने, चलने, उठने, बैठने में छह महीने से ज्यादा की देर हो रही हो तो क्लीनिकल साइकॉलजिस्ट से तुरंत बात करें।

» बच्चे पढ़ाई में मेहनत कर रहे हैं और रिजल्ट खराब आता है तो टीचर्स को उन पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर वे बच्चे में कुछ भी असामान्य देखते हैं तो तुरंत पैरेंट्स से बात करें।

» स्पेशल बच्चों को कुछ भी सीखने में थोड़ा ज्यादा वक्त चाहिए होता है, इसलिए हर कदम पर धैर्य रखें।

» बच्चों को सोशल करने के लिए पैरंट्स को उन्हें ज्यादा से ज्यादा बाहर ले जाना चाहिए। समाज में घुलने मिलने देना चाहिए, जिससे सोसायटी में उन्हें एक्सेप्टेंस मिल सकें। समाज से अलग रखने से उनका विकास और धीमा हो सकता है।

» आमतौर पर लोग स्पेशल बच्चों का मजाक बनाते हैं। उनको समाज में वैसी इज्जत नहीं देते जिनके वे हकदार हैं। लोगों को समझना चाहिए कि इस दुनिया में सबको सम्मान से जीने का हक है। इसलिए उनका मारवौल उड़ाने या गलत व्यवहार करने की जगह उनको सपोर्ट करें। हिकारत से न देखें। उनकी अक्षमताओं को नहीं बल्कि क्षमताओं को उन्हें समझने का आधार बनाएं।

» बच्चे से कभी यह न कहें या कि वह कमजोर है। हमेशा सपोर्ट करें और छोटी-मोटी गलती करने पर भी हौसला बढ़ाएं।

ये होता है आईक्यू

20 से नीचे प्रोफाउंड
50-35- आईक्यू मॉडरेट
35-20- आईक्यू सीवियर
70-50- आईक्यू माइल्ड

ये हो सकते हैं कारण

ऐसे बच्चे जिनकी सोचने-समझने की क्षमता उनकी उम्र के सामान्य बच्चों से कम होती है और जो न्यूरोडिवेलपमेंटल डिसऑर्डर के शिकार होते हैं, उन्हें स्पेशल बच्चे कहा जाता है। बच्चों के ऐसा होने के और भी कई कारण हो सकते हैं

गर्भावस्था के दौरान कोई संक्रामक रोग

» जन्म के बाद किसी इंफेक्शन के कारण
» प्रेग्नेंसी के दौरान शारीरिक» मानसिक विसंगतियां » प्रेग्नेंसी के दौरान और जन्म के बाद भी पोषण की कमी

वास्तु

मनस्थिति बार-बार बिगड़ने लगें तो समझो मकान में है वास्तुदोष

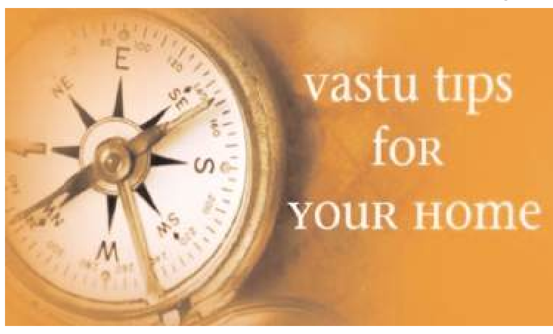

अगर मकान में रहने वाले लोग बार-बार बीमार पड़ने लगें, घर में झगडे ज्यादा होने लगें, लाभ से ज्यादा व्यय हो, ज्यादातर लोगों की मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगे, घर में डर लगने लगे, अकेले या रात में मकान में अजीब सी आवाजें आने लगे, चलते काम रूकने लगे, मकान में आत्माएं दिखने लगे, लगातार घर में क्लेश रहने लगे, बुरे सपने दिखें, शादी या संतान में रुकावट हो या घर में भारीपन रहे तो समझिए कि घर में वास्तु दोष है। ऐसे में ज्योतिष सलाह लें और बताए खास उपायों को भी अपनाने की कोशिश करें।

मकान में अजीब एहसास होना-

यदि आपके मकान के सामने किसी प्रकार का वेध यानी खंभा, बड़ा पेड़ या बहुमंजिला इमारत हो तो इसकी वजह से आपका स्वास्थ्य या आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

यदि वेध दोष हो तो निम्न उपाय करना कारगर होगा। अपने मकान के सामने लैम्प पोस्ट लगा लें, यदि यह संभव नहीं हो, तो घर के आगे अशोक का वृक्ष और सुगंधित फूलों के पेड़ के गमले लगा दें। तुलसी का पौधा स्वास्थ्य के लिए शुभ होता है।

यदि मकान के पास में फैक्टरी का धुआं निकलता हो, तो एग्जास्ट पंखा या वृक्ष लगा लें। यदि मकान में बीम इसी जगह हो जिसके कारण आप मानसिक तनाव महसूस करते हो तो बीम से उत्पन्न होने वाले दोषों से बचाव के लिए यह उपाय अपना सकते हैं।

शयनकक्ष में वास्तु दोष

सशयनकक्ष में बीम हो, तो इसके नीचे अपना बैड या डाइनिंग टेबल नहीं लगाएं। यदि ऑफिस हो तो मेज व कुर्सियां नहीं रखें। बीम के दोनों ओर बांसुरी लगा दें, इससे वास्तुदोष निवारण हो जाता है। पवन घंटी बीम के नीचे लटका दें या बीम को सीलिंग टायलस से ढक दें।

बीम के दोनों ओर हरे रंग की गणपति प्रतिमा लगा दें, यह वास्तु दोषनाशक मानी जाती है। यदि मकान का कोई कोना आपके मुख्य द्वार के सामने आए, तो स्पॉट लाइट लगाएं। जिससे प्रकाश आपके घर की ओर रहे तथा सीधा ऊंचा वृक्ष बीच में लगा दें।

शयनकक्ष में घी का दीपक व अगरबत्ती करें जिससे मन प्रसन्न रहे, इस बात का घ्यान रखें कि झाड़ू शयनकक्ष में नहीं रखें। मकान में मुख्य द्वार पर देहरी बना लें, इससे बुरे व अन्य दोष घर में प्रवेश नहीं कर पाते हैं।

पूर्व-उत्तर (ईशान) कोण दोष

सईशान कोण के दोष के लिए इस दिशा में पानी से भरा मटका रखें. इस कोण को साफ-सुथरा रखें। अग्नि कोण दोष निवारण के लिए कोने में एक लाल रंग का बल्ब लगा दें जो दिन-रात जलता रहे। वायव्य कोण दोष निवारण के लिए इस ओर की खिड़कियां खुली रखें, ताकि वायु आ सके। एग्जॉस्ट पंखा भी लगा सकते हैं।

नैऋत्य कोण दोष निवारण के लिए इस कोने को भारी बनाएं, स्टोर बनाना यहां शुभ होता है। शयनकक्ष में दर्पण का प्रतिबिंब पलंग पर न पड़े तथा डबल बेड पर एक ही गद्दा रखें, तो ठीक रहेगा।

पूजा घर पूर्व-उत्तर (ईशान कोण) में होना चाहिए तथा पूजा यथासंभव प्रात: 06 से 08 बजे के बीच भूमि पर ऊनी आसन पर पूर्व या उत्तर की ओर मुंह करके बैठ कर ही करनी चाहिए। पूजा घर के पास उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में सदैव जल का एक कलश भरकर रखना चाहिए इससे घर में सपन्नता आती है।

मकान के उत्तर पूर्व कोने को हमेशा खाली रखना चाहिए। घर में कहीं भी झाड़ू को खड़ा करके नहीं रखना चाहिए, उसे पैर नहीं लगना चाहिए, न ही लांघा जाना चाहिए, अन्यथा घर में बरकत और धनागम के स्रोतों में वृद्धि नहीं होगी।

पूजा घर में तीन गणेशों की पूजा नहीं होनी चाहिए, अन्यथा घर में अशांति उत्पन्न हो सकती है। तीन माताओं तथा दो शंखों का एक साथ पूजन भी वर्जित है। धूप, आरती, दीप, पूजा अग्नि आदि को मुंह से फूंक मारकर नहीं बुझाएं, पूजा कक्ष में, धूप, अगरबत्ती व हवन कुंड हमेशा दक्षिण पूर्व में रखें।

पति-पत्नी में प्रेम के लिए प्रेमी परिंदे का चित्र या मेडरिन बतख का जोड़ा रखें अथवा सपरिवार प्रसन्नचित मुद्रा वाला चित्र लगाएं। डायनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करने वाला आईना आपके सद्भाव व भाग्य में वृद्धि करता है, इसे लगाएं।

जीपीएस सिग्नल में आ रही समस्या का करें समाधान

आप घर से निकलने के साथ ही पूरा पता और नक्शा अपने फोन पर सर्च कर लेते हैं, जिससे कि आपका फोन हर छोटे-बड़े मोड़ और रास्तों की जानकारी देता रहे। इतना ही नहीं, आज फोन में कई एप्लिकेशन्स हैं, जो लोकेशन सर्विस का उपयोग करते हैं। ऐसे में यदि जीपीएस सिग्नल में थोड़ी भी परेशानी हो, तो आपके लिए बड़ी मुश्किल हो जाती है। जानिए कैसे जीपीएस सिग्नल को बेहतर किया जा सकता है।

क्या है जीपीएस

जीपीएस का आशय है ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम। यह तकनीक आपकी उपस्थिति को बताता है, जैसे- आप कहां हैं और किस दिशा में बढ़ रहे हैं आदि। जीपीएस तकनीक का डेवलपमेंट सबसे पहले यूएस आर्मी द्वारा किया गया था। वर्ष 1973 में अमेरिकन आर्मी ने इसे नेवी के लिए बनाया था, लेकिन 1995 में इस सेवा को आम उपभोक्ताओं के लिए भी पेश किया गया।

पता करें जीपीएस की परेशानी

यदि आपके फोन के जीपीएस में कोई भी समस्या है, तो उसका भी पता लगा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए फोन में जीपीएस इसेन्शल एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा। इससे जीपीएस में समस्या कमजोर सिग्नल की वजह से है या फिर यह हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर की वजह से, इसकी जानकारी मिल जाएगी। एप मेन्यू में सैटेलाइट का विकल्प मिलेगा। उस पर क्लिक करने से फोन सैटेलाइट से कनेक्ट हो जाएगा। यदि फोन सैटेलाइट से कनेक्ट नहीं हो रहा है, तो इसका मतलब है कि फोन के आसपास कोई मेटैलिक वस्तु है, जो सिग्नल को रोक रहा है। स्मार्टफोन केस या फिर कुछ और भी हो सकता है। ऐसे में फोन केस को हटाएं। यदि सैटेलाइट सही दिखा रहा है, लेकिन जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो समझें कि यह सॉफ्टवेटर की समस्या है।

जीपीएस डाटा को करें रिफ्रेश

कभी-कभी सैटेलाइट सिग्नल न होने की वजह से भी फोन का जीपीएस फ्रीज हो जाता है। ऐसी स्थिति में फोन में जीपीस स्टेटस या टूलबॉक्स जैसे एप्स डाउनलोड कर सकते हैं। ये फोन के जीपीएस डाटा को क्लियर कर उसे फिर से सैटेलाइट से कनेक्ट करने में सक्षम बनाते हैं।

हाई एक्यूरेसी मोड से हटाए

कई बार लोग फोन में बैटरी की खपत को कम करने के लिए जीपीएस सिग्नल को हाई एक्यूरेसी मोड से हटा देते हैं। बैटरी बचाने के लिए तो यह सही है, लेकिन इससे कभी-कभी जीपीएस सटीक जानकारी नहीं देता। यदि कभी लाकेशन सर्च के दौरान आपको लगता है कि जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो हाई एक्यूरेसी पर ही उसे रखें। हाई एक्यूरेसी का विकल्प आपको फोन की सेटिंग में जाकर लोकेशन में मिलेगा।

स्मार्टफोन में जीपीएस

स्मार्टफोन में जीपीएस के लिए एक सेंसर लगा होता है। यह सेंसर अंतरिक्ष में स्थापित जीपीएस से कम्युनिकेशन कर आपकी उपस्थिति को बताता है। इस सेंसर को फोन में लगे अन्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर द्वारा कंट्रोल किया जाता है। ऐसे में कभी-कभी जीपीएस सिग्नल में समस्या आ जाती है।

सर्दी में जुकाम से बचाएगी लौंग वाली चाय

आपकी सुबह की शुरुआत में मिठास घोलने वाली चाय, स्वाद के साथ सेहत से भी भरपूर होती है। अपने फायदों के साथ चाय के कई प्रकार बाजार में उपलब्ध हैं और कुछ विशेष स्वाद के लिए आप घर पर भी कुछ अलग तरह से चाय बनाते हैं। लौंग की चाय भी इन्हीं में से एक है, जो खास तौर से सर्दियों में बेहद फायदेमंद होती है। जानिए लौंग की चाय के फायदे।

1. सर्दी से बचाने के लिए लौंग की चाय बेहद लाभकारी है। लौंग की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दी के मौसम में दिन में 2 से 3 बार पीने पर आप सर्दी से बचे रह सकते हैं साथ ही खांसी और जुकाम से भी।

2. अगर आप बुखार से पीड़ति हैं, तो लौंग की चाय पीना आपके लिए काफी फायदेमंद होगा। इसका प्रयोग करने से आपका बुखार अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा।

3. शरीर के अंगों और मांस पेशियों में होने वाले दर्द से निजात पाना चाहते हैं तो लौंग की चाय जरूर पिएं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो लौंग की चाय से दर्द वाले स्थान की सिकाई कर सकते हैं। इससे आपको काफी फायदा होगा।

4. पाचन संबंधी समस्याओं में लौंग की चाय असरकारक है। पेट में एसिडिटी होने और पाचन तंत्र की धीमी गति होने पर लौंग की चाय पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से कार्य करता है।

5. दांतों में दर्द होने पर अक्सर लौंग के तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन लौंग की चाय भी इसके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा कफ और गले के विकारों के लिए भी लौंग की चाय लाभदायक है।

ऐसे बनाएं

एक चम्मच लौंग को पहले खुरदुरा पीस लें, फिर एक कप पानी में इसे डालकर पांच से 10 मिनट तक उबालें। जब पानी उबलने लगे तो आधा चम्मच चाय की पत्ती डाल दें। फिर कुछ मिनट तक इसे पकाएं, अब चाय बनकर तैयार है। इसे ठंडा कर छान लीजिए। आप चाहें तो इसे फ्रिज में भी स्टोर कर सकते हैं। लौंग की चाय साइनस की समस्या में भी राहत पहुंचाती है।

रेसिपी

हरे प्याज का पराठा

सामग्री

मैदा: 280 ग्राम, नमक: 3/4 छोटा चम्मच
चीनी: 1 छोटा चम्मच, गर्म पानी: 80 मिलीलीटर, शीत पानी: 70 मिलीलीटर
तेल: फ्राई करने के लिए
हरा प्याज: स्वादानुसार
तेल: ब्रश करने के लिए

विधि

एक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से परांठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर परांठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब परांठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

एप्पल रबड़ी

सामग्री

3 कप वसा भरपुर दूध
2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर
3/4 कप छिले और कसे हुए सेब
3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें।

सुलभ सुझाव: इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

इंफॉर्मेशन

भालू परिवार का सबसे छोटा सदस्य – सन बेयर

सूरज के जैसे गुलाबी रोएं होने के कारण इसे सन बेयर यानी सूरज भालू कहा जाता है। मात्र पांच फुट लम्बे इस भालू के बारे में आइए जानें कुछ और रोचक बातें।

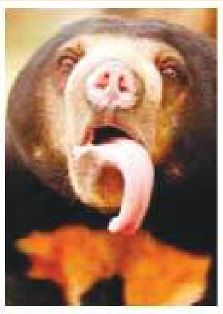

वो अपनी लम्बी जीभ से मधुमक्खियों के छत्ते से बड़ी आराम से शहद गटक जाता है। पैरों में इतनी मजबूती होती है कि ये पलक झपकते ही पेड़ की ऊंची टहनियों तक चढ़ जाता है। कद में छोटा होने, छोटे कान और एक छोटा थूथन होने के कारण इसे डॉग बेयर यानी कुत्ता भालू भी कहा जाता है। सूरज भालू दक्षिण-पूर्व एशिया के निचले जंगलों में पाया जाता है। इसे सूरज भालू इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसकी छाती पर गुलाबी रंग के रोएं का एक गोल घेरा बना होता है।

अमेरिकन ब्लैक बेयर की तुलना में सन बेयर केवल आधे ही बढ़ते हैं। इनकी लंबाई तकरीबन डेढ़ मीटर के आस-पास होती है और वजन सत्तर किलो के आसपास होता है।

ये रात के समय अधिक सक्रिय रहते हैं। ये रात को जंगलों से फल, बेर, छोटे पक्षियों, कीट-पतंगों का शिकार करते हैं। इनमें गजब की सूंघने की क्षमता होती है। अपने चार इंच से अधिक लंबे पंजों की मदद से ये बड़ी तेजी से पेड़ पर चढ़ने में माहिर होते हैं। इन्हीं पंजों की मदद से पुराने पेड़ों पर लगी दीमक को निकालकर खा जाते हैं।

बहुमूल्य देन

कहते हैं कि रोजाना एक सेब खाओ और डॉक्टर को दूर भगाओ। फल मनुष्य को प्रकृति की बहुमूल्य देन हैं। प्रकृति ने इनमें इतने गुण भर दिए हैं कि यदि आप नियमित रूप से अपने भोजन में इन्हें शामिल करते हैं, तो आपको दवाईयां लेने की जरूरत नहीं पड़ती, । सेब में विटामिन ए, सी, बी1, बी-2, बी-6, फॉलिक और पैंटोथेनिक एसिड पाया जाता है। इसमें मिनरल जैसे पोटाशियम, आयरन और कुछ मात्रा में कॉपर, मैग्नीशियम व फॉस्फोरस पाया जाता है। सुबह सेब खाने से सुस्ती दूर होती है। यह किडनी में सोडियम क्लोराइड की मात्रा संतुलित रखता है। कब्ज दूर करता है। फ्री रैडिकल्स को खत्म करता है और बुरे कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता हैं।

इनसे तुम दोस्ती कर लो...

वन्य प्राणियों की तेजी से घट रही संख्या से चिंतित होकर अभ्यारण्यों की स्थापना की गई, ताकि वहां के कुदरती परिवेश में जानवरों को संरक्षित रखा जा सके। हाथी की मस्ती भरी चाल, मोर का नाच, ऊंट की सैर, शेरों की दहाड़ का आप यहां आनंद ले सकते हैं...

मारे देश में विश्व के करीब 60 प्रतिशत शेर, 80 प्रतिशत एक सींग वाले गैंडे और 50 प्रतिशत एशियाई हाथी पाए जाते हैं। लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई और शिकार के कारण जानवरों की गिनती लगातार घटती जा रही है। इन जीवों के बचाव के लिए भारत में 70 से ज्यादा नैशनल पार्क और 400 जंगली जीवों के अभयारण्य हैं, इसके अलावा पक्षी अभयारण्य भी हैं। इन मूक जानवरों से दोस्ती करके हम अपनी भावी पीढ़ियों के लिए इन्हें महफूज रख सकते हैं।

काजीरंगा नैशनल पार्क

काजीरंगा नैशनल पार्क विश्वभर में एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है। एक सींग वाला गैंडा, हाथी, भारतीय भैंसा, हिरण, सांभर, भालू, बाघ, चीते, भेड़िया, साही, अजगर और अनेक प्रकार की चिड़ियां जैसे पेलीकन, बत्तख, कलहंस, हॉर्नबिल, आइबिस, जलकाक, अगरेट, बगुला, लेसर एडजुलेंट, रिंगटेल फिशिंग इगल आदि भी यहां पाई जाती हैं। काजीरंगा नैशनल पार्क मध्य असम में 430 वर्ग किमी. इलाके में फैला हुआ है। इसका प्राकृतिक परिवेश जंगलों से युक्त है। यहां बड़ी एलिफेंट ग्रास, पेड़, दलदली जगह व उथले तालाब हैं। इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है।

जिम कोर्बेट नैशनल पार्क

जिम कोर्बेट नैशनल पार्क दिल्ली से 240 किमी. उत्तर-पूर्व में स्थित है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है। जंगलों से ढंकी पहाड़ियां और घाटियों के बीच से कल-कल करती नदी बहती है। कई बार इसके तट पर घड़ियाल भी देखे जाते हैं। इस नैशनल पार्क में हाथी, चीता, तेंदुआ, सांभर और भालू भी देख सकते हैं।

सरिस्का नैशनल पार्क

1958 में बना सरिस्का नैशनल पार्क टाइगर रिजर्व के लिए प्रसिद्ध है। यह राजस्थान के अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियों पर 800 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां आप जंगल के राजा को उसके परिवार के साथ घूमते हुए देख सकते हैं। पहाड़ों और जंगलों से घिरा यह अभयारण्य स्तनधारी जानवरों, पक्षियों, सांपों, बाघों और तेंदुओं के लिए प्रसिद्ध है। इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व भी है। कहा जाता है कि पांडवों ने अपने वनवास के दौरान सरिस्का में आश्रय लिया था। यहां मंदिरों के अवशेष देखे जा सकते हैं।

केवलादेव नैशनल पार्क

केवलादेव घाना नैशनल पार्क राजस्थान में स्थित एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान है। यह ढाई लाख पक्षियों का घर है। यहां बड़ी संख्या में साइबेरियाई पक्षी भी आते हैं।

राजाजी नैशनल पार्क

830 वर्ग किमी. इलाके में फैला राजाजी नैशनल पार्क हाथियों की संख्या के लिए जाना जाता है। यह उत्तरांचल में देहरादून से 23 किमी. आगे है। महान् स्वतंत्रता सैनानी सी.राजगोपालाचार्य के नाम पर इसका नाम राजाजी नैशनल पार्क रखा गया। यहां हिरण,चीते, सांभर और मोर भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा यह पक्षियों की भी 315 प्रजातियों का निवास है।

दुधवा नैशनल पार्क

दुधवा नैशनल पार्क एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान और बाघ संरक्षित क्षेत्र है। यह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में शिवालिक पर्वत श्रेणियों की तराई में स्थित है। भारत और नेपाल की सीमाओं से लगा हुआ यह एक विशाल वन क्षेत्र है। दुधवा नैशनल पार्क प्रमुख रूप से बाघों एंव बारहसिंगा के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

गिर वन नैशनल पार्क

गिर वन नैशनल पार्क बाघ संरक्षित क्षेत्र है, जो 'एशियाई बब्बर शेर' के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इसकी स्थापना 1913 में एशियाई शेरों को संरक्षण प्रदान करने के लिए की गई थी। स्थापना के बाद से यहां सैकड़ों एशियाई सिंहों का जन्म हो चुका है। यह अभयारण्य जूनागढ़ से 60 किमी. दक्षिण-पश्चिम में गुजरात में स्थित है। 1295 वर्ग किमी. इलाके में फैले इस उद्यान में आप तेंदुआ, चित्तीदार हिरण, नीलगाय, चौसिंगा हिरण और चिंकारा भी देख सकते हैं। यहां स्थित विशाल जलाशय में मगरमच्छ भी हैं।

सुंदरबन नैशनल पार्क

सुंदरबन नैशनल पार्क भारत का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है, जो पश्चिम बंगाल में स्थित है। इसमें करीब 250 टाइगर्स हैं। इसे बर्ड वॉचर्स का स्वर्ग माना जाता है। यहां कई रेंगने वाले जानवर भी देखे जा सकते हैं। यह वर्ल्ड हैरिटेज साइट भी है।

कान्हा नैशनल पार्क

कान्हा नैशनल पार्क विश्व के सर्वोत्तम संरक्षित वन्य जीव स्थलों में से एक है, जो मध्य प्रदेश में स्थित है। यह 1,949 वर्ग किमी में फैला है। यह राष्ट्रीय उद्यान बारासिंघा के लिए प्रसिद्ध है, जो विश्व में और कहीं भी नहीं मिलता।

जिज्ञासा

जुगनू कैसे चमकते हैं?

अंधेरी रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं।

जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है।

पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे।

जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

जमीन के नीचे दुनिया

समय के साथ-साथ कई शहरों का नामोनिशां मिट गया। आज इनके केवल कुछ अवशेष ही बचे हैं, जो इनकी कहानी बताते हैं।

पेट्रा : पेट्रा शहर सातवीं सदी ईस्वी सन् में दुनिया के नक्शे से गायब हो गया। यह व्यापार का बड़ा केंद्र था। हजारों साल तक यह मलबे के नीचे दबा रहा। 1812 में स्विस स्कॉलर ने इसकी पहचान प्राचीन राजधानी नबातियन के खंडहरों के रूप में की। दक्षिणी जॉर्डन में सुदूर रेगिस्तानी दर्रों की एक श्रृंखला फैली हुई है। 2000 साल से भी ज्यादा साल पहले अरेबिया, सीरिया, फिलिस्तीन और मिस्र के बीच व्यापार करने वाले काफिले इसी रास्ते से होकर जाते थे। खुदाई से पता चलता है कि नबातियन लोग पानी की सप्लाई को कंट्रोल करने की कला जानते थे।

मोहन जोदाड़ो : 1921 तक सिंधु घाटी की सभ्यता के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी, जब तक हड़प्पा और मोहन जोदाड़ो की खुदाई का काम शुरू नहीं हुआ था। यह सभ्यता करीब 4,500 साल पहले यहां रहती थी और हजार साल तक यहां रही। मोहन जोदाड़ो एक सुव्यवस्थित शहर था।

माचू पिचू : माचू पिचू की खोज पुरातत्ववेताओं ने करीब 100 साल पहले की थी, लेकिन इतिहासकार अभी भी इस प्राचीन शहर की कार्यप्रणाली के बारे में यकीन से कुछ नहीं कर रहे। इंका लोगों का लिखने का कोई सिस्टम नहीं था, इसलिए उनका कोई लिखित रिकॉर्ड भी नहीं है। माना जाता है कि इंका लोगों ने 1430 ईस्वी सन् के आसपास इसका निर्माण शुरू करवाया था, पर करीब सौ साल बाद इंका शासकों ने इसे त्याग दिया, क्योंकि उस समय स्पेन ने इंका सम्राज्य को हरा कर कब्जा कर लिया था।

कारवां और भी : प्लेंक मैक्सिको , स्टोनहेंज, इंग्लैंड, पलमिरा, सीरिया, टैनिस, मिस्र, पर्सपोलिस, ईरान, ग्रेट एनक्लोजर, जिम्बाबवे, निमरूद, इराक, मेसा वर्दे, कोलोराडो, प्राचीन ट्रॉय।

चोंच का कमाल

कठफोड़वे (वुडपैकर) की 200 से ज्यादा प्रजातियां दुनियाभर में पाई जाती हैं। इन्हें जंगलों में रहना पसंद है। पेड़ों की शाखाओं को चोंच से छेदते हुए ये बहुत शोर करते हैं। माना जाता है कि यह उनका कम्यूनिकेशन का तरीका है। लकड़ी में वे इसलिए भी चोंच मारते हैं, ताकि पेड़ों की छाल के नीचे और शाखाओं पर छुपे हुए छोटे-छोटे कीड़े खा सकें। इनकी लंबी जीभ कीट-पतंगों को पकड़ने में इनकी मदद करती है।

कठफोड़वे अपना घोंसला बनाने के लिए भी चोंच का ही सहारा लेते हैं। ये अपनी चोंच से पेड़ की शाखाओं में छेद बनाते हैं, जो 15 से 45 सेंटीमीटर तक गहरे होते हैं। इन्हीं छेदों में ये अपना घर बनाते हैं और अंडे देते हैं।

कठफोड़वे की चोंच बहुत मोटी होती है और इनके सिर में एक खास किस्म की पैडिंग होती है, जिससे वह चोंच मारते वक्त मिलने वाले तेज़ झटकों से सुरक्षित रहता है।

छोटी टांगों और तीखे नाखूनों के कारण ये पेड़ की छाल के साथ आसानी से चिपक जाते हैं। इनके पैरों में दो खुर आगे और दो पीछे की ओर होते हैं। इसे 'जाइगोडैक्टिल फीट' कहते हैं।

ये दोनों मिलकर अपने बच्चों का ध्यान रखते हैं। जन्म के समय इनके बच्चे अंधे होते हैं और उनके शरीर पर पंख भी नहीं होते।

हिरण और खरगोश की दोस्ती तो आप देख ही रहे हैं न, लेकिन ये तस्वीर कुछ बेरंग-सी है। तो फिर इसमें मनचाहे रंग भर डालिए।

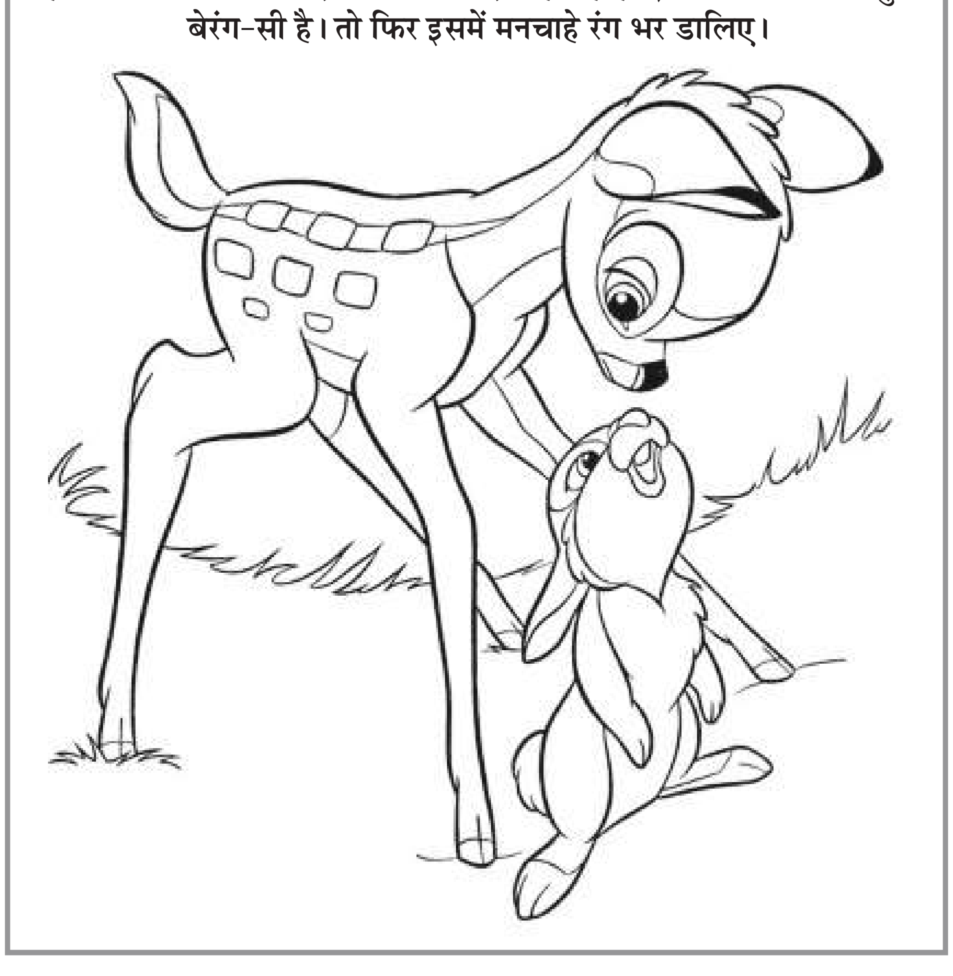

दो मेंढक

शहर को करीब से देखने का बड़ा मन था दो मेढ़क दोस्तों का, सो वो खाने का सामान बांधकर शहर की ओर बढ़ चले। फर्राटे से दौड़ती गाड़ियां और ऊंची इमारतें देखने को मिली, फिर जाने क्या हुआ जो इनकी जान पर बन आई। पढ़ें और जान जाएं...!!!

बहुत समय पहले की बात है। जंगल में तालाब के किनारे एक पेड़ के नीचे दो मेंढक रहते थे। एक दिन उन दोनों ने सोचा- 'हमने तो बाहर की दुनिया देखी ही नहीं, जंगल के बाहर भी तो कुछ होगा। चलो जरा इंसानों की दुनिया में घूम कर आते हैं।'

खाने-पीने का थोड़ा-सा सामान लेकर वे दोनों निकल पड़े। फुदकतेफु दकते वे जंगल की सीमा को पार करके शहर पहुंचे। वहां उन्होंने बहुत कुछ देखा- बड़ी-बड़ी ऊंची इमारतें, प्रदूषण फैलाते वाहन, रोटी कमाने की दौड़ में भागते हुए लोग, खेलकूद और पढ़ाई में मस्त नन्हें- नन्हें बच्चे और बहुत शोरगुल।

उन्हें अपने घर की याद आने लगी। थकने की वजह से उनको प्यास भी लग आई। पानी के साथ बैठने के लिए ठंडे स्थान की तलाश भी करने लगे। खोजते-खोजते वे एक दूधवाले की दुकान में घुस गए। वहां एक बाल्टी रखी थी। उन्हें लगा कि इस बाल्टी में पानी होना चाहिए। फिर क्या था, झट से दोनों ने एक ऊंची छलांग लगाई और पहुंच गए उस बाल्टी के अन्दर।

पर यह क्या? बाल्टी में तो पानी नहीं था। वह तो मलाई से भरी हुई थी। बेचारे दोनों मेंढक उस मलाई में डूबने लगे और उनका दम घुटने लगा। एक मेंढक ने सोचा- 'मेरा तो अंतिम समय आ गया है हाय रे, मेरी किस्मत! शहर आकर इन अनजान लोगों के बीच ही मरना था।' उसने अपने ईश्वर को याद किया और मौत का इन्तजार करने लगा।

परन्तु दूसरा मेंढक हार मानने को तैयार नहीं था। वह कोशिश करने लगा कि किसी तरह उस मलाई भरी बाल्टी में से वह बाहर निकल आए। वह अपने पैर जोर से चलाने लगा। बहुत कोशिश करने पर भी वह बार-बार फिसल जाता। फिर भी उसने अपना दिल छोटा नहीं किया। लगातार कोशिश करता रहा और अपने पैर चलाता रहा। अरे यह क्या! अचानक उसने देखा कि वह ऊपर उठने लगा। उसके लगातार जोर से पैर चलाने से मलाई भी लगातार हिल रही थी और वह मक्खन बनने लगी। मेंढक में उम्मीद की लहर दौड़ गई। वह बहुत थक चुका था, लेकिन पैर चलाता रहा। फिर क्या था! मक्खन बनता गया और आखिर में उस मक्खन के ढ़ेर पर सवार वह साहसी मेंढक ऊपर उठने लगा। जब मक्खन छाछ के ऊपर तैरने लगा, तब उस साहसी मेंढक ने बाल्टी से बाहर छलांग लगा दी। अपनी हिम्मत, लगन, मेहनत और जीने की उमंग के कारण वह बच गया, परन्तु निराशावादी मेंढक उसी मलाई की बाल्टी में डूब कर मर गया।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने एक ही दिन में चार अध्यादेश लाने का फैसला किया

काठमांडू, 11 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कैबिनेट की बैठक में एक साथ चार अध्यादेश लाने का फैसला किया है। शुक्रवार रात 10 बजे से शुरू हुई कैबिनेट बैठक 12 बजे समाप्त हुई। इस दौरान चार अध्यादेश जारी करने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश करने का फैसला किया गया है।

केंद्रीय कानून मंत्री अजय चौरसिया ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि सरकारी कामकाज की गति को चुस्त दुरुस्त करने के लिए सरकार ने एक अध्यादेश लाने का फैसला किया है। इस नए अध्यादेश में किसी भी सरकारी कर्मचारी के पास कोई भी फाइल अटकाए रखने पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। नए अध्यादेश के जारी होने के साथ ही अब कोई भी सरकारी कर्मचारी अपने पास आए किसी भी परियोजना की फाइल को सात दिनों से अधिक नहीं रोक सकेगा।

उन्होंने बताया कि इसी तरह दूसरा अध्यादेश गैर आवासीय नेपाली नागरिकों के लिए लाया गया है। इस अध्यादेश में गैर आवासीय नेपाली नागरिकों के लिए 10 साल तक फ्री वीजा देने का प्रावधान रखा गया है।

गैर आवासीय नेपाली नागरिकों की सहूलियत के लिए यह अध्यादेश लाया गया है। ऐसे ही सरकार ने नेपाल के आईटी क्षेत्र की कंपनियों को विदेश में अपनी शाखा विस्तार करने, विदेशों में दफ्तर खोलने, वहां की कंपनियों में निवेश करने और मुनाफा को नेपाल लाने के लिए भी अध्यादेश लाया गया है। कानून मंत्री ने बताया कि जिस तरह से नेपाल में आईटी क्षेत्र का विस्तार हो रहा है उसको वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए सरकार ने यह अध्यादेश लाया है।

न्यूज ब्रीफ

फरवरी में फ्रांस आएंगे पीएम मोदी, एआई सम्मेलन में लेंगे भाग

पेरिस। पीएम नरेन्द्र मोदी फरवरी में फ्रांस की राजकीय यात्रा पर आएंगे और वहां होने वाले एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस 11 और 12 फरवरी को एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो कार्रवाई करने के लिए एक शिखर सम्मेलन है। यह हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर चर्चा करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमारे देश की राजकीय यात्रा के तुरंत बाद वहां होंगे। यह एआई शिखर सम्मेलन हमें सभी शक्तियों, आईईए, अमेरिका, चीन और प्रमुख देशों जैसे...भारत के साथ खाड़ी देशों के साथ संवाद करने में सक्षम बनाएगा। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों फ्रांसीसी राजदूतों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। फ्रांस24 पर प्रसारित किए गए उनके भाषण में उन्होंने 2025 के लिए अपनी विदेश नीति प्रस्तुत की और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद वाशिंगटन के साथ इसके संबंधों सहित कई विषयों पर बात की।

वेनेजुएला: विवादित चुनावी नतीजे के बीच निकोलस मादुरो तीसरी बार बने राष्ट्रपति

काराकास (वेनेजुएला)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से नियंत्रित नेशनल असेंबली के समक्ष तीसरे कार्यकाल की शपथ ली। विपक्ष ने मादुरो पर चुनावी धांधली से जीत का आरोप लगाते हुए दावा किया कि चुनाव में उसे जीत मिली है। विपक्ष के राष्ट्रपति पद के दावेदार एडमंडो गोंजालेज को अमेरिका सहित कई देशों द्वारा निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में मान्यता दी गई। मादुरो के शपथ ग्रहण से एक दिन पहले ही विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि सरकार ने इसका खंडन किया है। वेनेजुएला की राजनीतिक अस्थिरता की तरफ हाल ही में तब विश्व भर की नजरें गई जब 28 जुलाई 2024 में मतदान समाप्त होने के कुछ घंटों बाद चुनाव अधिकारियों ने मादुरो को विजेता घोषित कर दिया लेकिन उन्हें कितना मत मिला, उसकी संख्या नहीं बताई। वेनेजुएला के चुनाव प्राधिकरण और शीर्ष अदालत ने मादुरो को चुनाव में विजेता घोषित किया। हालांकि विपक्ष ने दावा किया कि उसने 80 प्रतिशत से अधिक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से मतों की गणना एकत्र किए, जिसमें पता चला कि गोंजालेज को मादुरो से दोगुने वोट मिले हैं। मादुरो शासन के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं। 2011 में मादुरो के पहली बार चुने जाने के बाद से ही वैश्विक तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई और पूरी तरह तेल राजस्व पर निर्भरता के चलते वेनेजुएला आर्थिक संकट के दलदल में धंसता चला गया।

बाइडन का दावा बोले- ट्रंप को हराना कोई कठिन काम नहीं था लेकिन

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अब चला चली के बेला में हैं। उनका कार्यकाल पूरा हो रहा है और नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की कमान संभालेंगे। इससे पहले बाइडन ने पत्रकारों से बात करते हुए अपनी आगे की प्लानिंग बताई। पत्रकारों ने जब बाइडन से पूछा कि क्या आपको चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर खेद है क्या आपको लगता है कि आपने अपने पूर्ववर्ती (ट्रंप) को अपना उत्तराधिकारी बनने का आसान मौका दिया इस पर बाइडन ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि मैं ट्रंप को हरा देता, हरा सकता था। मुझे लगता है कि कमला (हैरिस) ट्रंप को हरा सकती थीं। उन्होंने कहा, पार्टी को एकजुट करना महत्वपूर्ण है और जब पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं, तो मैंने सोचा कि पार्टी को एकजुट करना बेहतर होगा। हालांकि मुझे लगा था कि मैं फिर से जीत सकता हूं। अपनी सहयोगी कमला हैरिस को लेकर जो बाइडन ने कहा कि, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा निर्णय है जिसके बारे में वह सोच सकती हैं। वह चार साल बाद फिर से चुनाव लड़ने के लिए सक्षम है। यह निर्णय उन्हें ही लेना होगा। जो बाइडन के रेस से हटने के बाद हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी थीं। हालांकि, पांच नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में हैरिस ट्रंप से हार गईं थीं।

म्यांमार में विद्रोहियों से भिड़ने में जुंटा सेना को मिलेगी मदद, रूस से मिले एसयू-30 फाइटर जेट

नेप्यूडेव, 11 जनवरी (एजेंसियां)।

गृह युद्ध से जूझ रहे म्यांमार की सेना को बड़ी राहत मिली है। रुस ने म्यांमार की जुंटा सेना को एसयू-30 फाइटर जेट मिलने से उसकी ताकत बढ़ेगी। इन विमानों की डिलीवरी 2018 में हुए 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुबंध के तहत की गई है। म्यांमार के एक बड़े हिस्से पर विद्रोहियों का कब्जा है, और सेना अपनी पकड़ लगातार खोती जा रही है। विद्रोही खेती में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन्स को आधुनिक बनाकर सेना के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं।

विद्रोही ड्रोन की मदद से सेना की हर हरकत पर नजर रखते हैं और सटीक हमले कर रहे हैं। बागियों के पास चीन से अवैध रूप से लिए गए ड्रोन्स हैं, जिन्हें वे अत्याधुनिक बनाकर सेना के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं। जुंटा आर्मी ने चीन पर विद्रोहियों को समर्थन देने का आरोप लगाया है। अगस्त 2024 में सेना प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग ने चीन की भूमिका को लेकर लैशियो क्षेत्र गंवाने की बात कही थी। 2021 में आंग सान सू की सरकार का तख्तापलट कर सत्ता में आई जुंटा आर्मी अब विद्रोहियों के बढ़ते प्रभाव का सामना कर रही है।

एसयू-30 एसएमई डबल इंजन और दो सीटों वाला फाइटर जेट है, जिसकी अधिकतम गति मैक 2.0 है और ऑपरेशनल रेंज लगभग 3,000 किलोमीटर है। यह विमान 12 हार्डपॉइंट्स पर विभिन्न हथियारों को ले जाने में सक्षम है। रूस के उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन के अनुसार, ये विमान म्यांमार की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा और आतंकी खतरों से निपटने के लिए मुख्य भूमिका निभाएंगे। इन विमानों को नेपीडॉ एयर बेस पर तैनात किया गया है, जिससे पूरे देश को कवर करना संभव होगा।

15 दिसंबर को म्यांमार ने छह एमआई-17 हेलीकॉप्टर, छह चीनी एफटीसी-2000जी फाइटर जेट, एक के-8डब्ल्यू फाइटर जेट और एक वाय-8 सपोर्ट एयरक्राफ्ट को भी कमीशन किया। इससे पहले से ही म्यांमार वायु सेना 2021 से विद्रोहियों पर बमबारी के लिए वाय-12 विमानों का इस्तेमाल कर रही थी। चीनी निर्मित जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट का भी उपयोग किया जा रहा है, हालांकि इनमें तकनीकी समस्याएं आ रही हैं।

अमेरिका टैरिफ नीतियां लागू करेगा तो कनाडा सरकार भी देगी इसका जवाब

ओटावा। कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकी पर मुंह तोड़ जवाब दिया है। ट्रूडो ने कहा कि अगर ट्रंप अपनी टैरिफ नीतियां लागू करते हैं, तो उनकी सरकार भी इसका जवाब देगी। ट्रूडो ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जब ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ लगाया था, तब कनाडा ने हेंज केचप, ताश के पत्ते, बॉर्बन और हार्ले डेविडसन जैसी अमेरिकी वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ लगाया था, जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रभावित करता था। ट्रूडो ने कहा कि अगर टैरिफ नीतियों का असर कनाडा पर पड़ा, तो कनाडा को इसकी प्रतिक्रिया देने का पूरा अधिकार है। ट्रूडो ने कहा कि अगर कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का विचार करता है, तो अमेरिकी उपभोक्ताओं को कनाडाई सामान महंगे दामों पर मिलेंगे, जो उनके लिए नकारात्मक साबित होंगे। बता दें इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर कनाडा अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाता है, तो वह कनाडा से आने वाली वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच सीमा को कृत्रिम रूप से खींची गई रेखा के रूप में देखा जाना चाहिए और इसे हटाना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए फायदेमंद हो सकता है। उन्होंने फ्लोरिडा के मार-ए-लागो निवास में यह बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिकी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाने की बात कही। ट्रंप के इस बयान ने कनाडा के साथ व्यापार संबंधों को लेकर नए विवाद को जन्म दिया है, जबकि कनाडाई अधिकारियों ने अमेरिकी उत्पादों की सूची तैयार करना शुरू कर दिया है, जिन पर जवाबी शुल्क लगाए जा सकते हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर यह बयानबाजी कड़ी हो गई है, जिससे दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों पर असर पड़ सकता है।

लॉस एंजिल्स में आग का तांडब : 11 की मौत 10 हजार घर हुए खाक

लॉस एंजिल्स, 11 जनवरी (एजेंसियां)। यहां के जंगलों में पिछले चार दिनों से भयावह आग लगी हुई है, जिसने कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया है। सड़के बाधित हैं। इस त्रासदी में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है,और 10 हजार घर जलकर खाक हो गए हैं।हालांकि फायर फाइटर्स का कहना है कि आग पर काबू पाने में कुछ प्रगति हुई है, हालांकि उन्होंने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं के कारण आग की लपटें फिर से भड़क सकती हैं, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है। भीषण आग ने लॉस एंजिल्स के पॉश इलाकों में हजारों घरों को तबाह कर दिया है और हॉलीवुड हिल्स तक फैल गई है।

केनेथ में, जंगल की आग ने लॉस एंजिल्स और वेंचुरा काउंटी में लगभग 960 एकड़ जमीन को प्रभावित किया है। फायर फाइटर्स ने 35 प्रतिशत क्षेत्र में आग पर काबू पा लिया है। हर्स्ट और लिडिया में अग्निशमन अधिकारियों ने संयुक्त रूप से 1200 एकड़ में लगी आग पर काबू पाने में प्रगति की सूचना दी। हर्स्ट में जहां 37 फीसदी आग पर काबू पा लिया गया है, वहीं लिडिया में यह आंकड़ा 75 फीसदी है। लॉस एंजिल्स में 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं हवाओं ने स्थिति को और बेकाबू बना दिया। हवा की रफ्तार थोड़ी धीमी होने पर रेस्क्यू टीम को आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टरों से पानी गिराने में सहूलियत हुई। हालांकि रात के वक्त हवाएं फिर से तेज हो गईं, जिसके बाद अधिकारियों ने लॉस एंजिल्स और साउथ कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में शुक्रवार दोपहर तक (भारतीय समयानुसार शनिवार) आग के फैलने और स्थिति और गंभीर होने की होने की आशंका जताई है। लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट के प्रमुख क्रिस्टिन क्रॉली ने कहा कि तेज हवाओं के कारण जंगल की आग पर काबू पाना और मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, हम अभी खतरे से बाहर नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दो दिन पहले लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगीआग को एक बड़ी आपदा घोषित किया था।

परमाणु बम जैसे हालात लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ (पुलिस अधिकारी) रॉबर्ट लूना ने इस भीषण आपदा का वर्णन करते हुए मीडिया से कहा, लगभग 10,000 घर और अन्य संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं, ऐसी स्थिति है जैसे किसी ने उन क्षेत्रों में परमाणु बम गिरा दिया हो। उन्होंने मौतों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई और कहा कि फिलहाल अच्छी खबर की उम्मीद नहीं है। कैलिफोर्निया के वन एवं अग्नि सुरक्षा विभाग के मुताबिक पैलिसेड्स इलाके में 6 प्रतिशत क्षेत्र में आग पर काबू पा लिया गया है, हालांकि ईटन में आग अब भी नियंत्रण से बाहर है।

बर्फबारी

क्रोएशिया में भारी बर्फबारी के बीच साइकिल पर सवार एक व्यक्ति।

परमाणु ऊर्जा अधिकारियों पर बढ़ी रार: तालिबान से पंगा लेकर मुसीबतों से घिरा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ कार्रवाई करके पाकिस्तान ने खुद को बड़ी मुश्किल में डाल लिया है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अब पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग के अगवा अधिकारियों की रिहाई के बदले तीन बड़ी शर्तें रखी हैं। इन शर्तों को लेकर पाकिस्तान के प्रशासन और सेना में मतभेद उभर आए हैं। टीटीपी पर भी रिहाई के लिए दबाव बढ़ता जा रहा है क्योंकि इस मामले में अब स्थानीय जिरगा (प्रभावशाली लोगों के समूह) भी शामिल हो गए हैं। जिरगा की कोशिश है कि बातचीत से समाधान निकाला जाए। पाकिस्तान सरकार और फौज के सामने यह स्थिति गंभीर संकट

बनकर खड़ी है। यदि समय रहते सही फैसला नहीं लिया गया तो इससे देश की सुरक्षा और स्थिरता पर गंभीर असर पड़ सकता है। टीटीपी की पहली मांग है कि उनके परिवार के सदस्य, जिनमें महिलाएं, बच्चे और रिश्तेदार शामिल हैं, जिन्हें पाकिस्तान सरकार ने हिरासत में लिया है या जो लापता हैं, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। दूसरी मांग है कि लक्की मरवत से गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों को रिहा किया जाए। तीसरी मांग में टीटीपी ने उन आतंकवादियों के परिवारों को मुआवजा देने और भविष्य में उनके घरों को नुकसान न पहुंचाने की गारंटी मांगी है, जिनके घर सैन्य अभियानों के दौरान तोड़े गए थे। इसके अलावा, मुठभेड़ों में मारे गए आतंकवादियों के शव भी उनके परिवारों को लौटाने की मांग की गई है। पाकिस्तान प्रशासन और सेना इन मांगों पर दो धड़ों में बंट गए हैं। एक धड़ा मानता है कि टीटीपी की कुछ मांगें स्वीकार कर ली जाएं ताकि परमाणु ऊर्जा अधिकारियों को सुरक्षित रिहा कराया जा सके। उनका कहना है कि अगर देरी हुई तो अगवा किए गए अधिकारी तालिबान को संवेदनशील जानकारी दे सकते हैं, जिससे देश की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। वहीं, दूसरा धड़ा मानता है कि टीटीपी के खिलाफ सैन्य अभियान को और तेज किया जाए ताकि दबाव में आकर वे अधिकारियों को छोड़ने को मजबूर हो जाएं।

आखिरकार ट्रंप को मिल ही गई राहत, कोर्ट ने दोषी बताया पर सजा नहीं सुनाई

वाशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इससे पहले हश मनी के मामले में न्यूयॉर्क की अदालत ने उन्हें दोषी ठहराने के बावजूद कोई सजा नहीं सुनाई। जज जुआन एम. मर्चन ने यह फैसला सुनाया, जिससे ट्रंप के राजनीतिक करियर पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले में ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर उनके साथ यौन संबंधों की कथित घटना को सार्वजनिक करने से रोकने का प्रयास किया।

यह मामला 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को कथित तौर पर चुप्पी बनाए रखने के लिए किए गए 130,000 डॉलर के भुगतान से संबंधित है। हालांकि, अदालत ने अभियोजन पक्ष का कहना है कि ट्रंप ने यह भुगतान अपने राष्ट्रपति अभियान को नुकसान से बचाने के लिए किया था। इसके अलावा, इस भुगतान को व्यापार रिकॉर्ड में गलत

तरीके से दर्ज करने के आरोप भी उन पर लगे हैं। ट्रंप ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश करार दिया है। ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने की तैयारी कर रहे हैं। इस फैसले के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि उनका राजनीतिक भविष्य किस दिशा में जाता है। ट्रंप के समर्थकों ने अदालत के इस फैसले को पक्षपाती और राजनीतिक हमला बताया है। वहीं, उनके आलोचकों का कहना है कि कानून के सामने सभी बराबर हैं और यह फैसला न्याय की जीत है। डोनाल्ड ट्रंप का यह कानूनी संकट 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के मद्देनजर उनकी संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस फैसले का अमेरिकी राजनीति और ट्रंप की चुनावी रणनीति पर क्या असर पड़ता है।

ट्रंप की कानूनी टीम ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट तक अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट समेत पांच जजों की पीठ ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। ट्रंप के वकीलों ने सजा सुनाए जाने पर रोक लगाने की मांग करते हुए तर्क दिया था कि यह फैसला उनके राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की तैयारियों को प्रभावित करेगा। हालांकि, न्यूयॉर्क की अदालत ने सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जज मर्चन ने अपने फैसले में संकेत दिए कि ट्रंप को जेल की सजा या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। बावजूद इसके, दोषी करार दिए जाने से ट्रंप की छवि को भारी नुकसान हुआ है। उनके वकीलों ने इसे उनके राजनीतिक करियर और आगामी चुनावों के लिए एक गंभीर झटका बताया।

खो खो विश्व कप 2025 के लिए दिल्ली पहुंची श्रीलंका और पेरू की टीमें, 14 टीमों का होगा आगमन

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उद्घाटन खो खो विश्व कप 2025 के लिए दुनिया भर से टीमों का दिल्ली पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। खो खो विश्व कप का आयोजन इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम 13-19 जनवरी तक होना है।

श्रीलंका और पेरू की टीमें आ चुकीं हैं और चौदह और टीमें पहुंचने वाली हैं।

एशियाई दल उल्लेखनीय ताकत दिखा रहा है, जिसमें ईरान, मलेशिया, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, नेपाल और दक्षिण कोरिया टूर्नामेंट में अपने अद्वितीय एथलेटिक दृष्टिकोण ला रहे हैं। क्षेत्र की खेल विरासत से परिचित इन टीमों से पुरुष और महिला दोनों वर्गों में कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद है।

पश्चिमी दिग्गज भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो अपनी एथलेटिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, अपरिचित खेल क्षेत्र में इस आकर्षक उद्यम में यूरोपीय दिग्गज पोलैंड, नीदरलैंड और जर्मनी के साथ शामिल हो गया है। उनके आगमन से टूर्नामेंट में एक रोमांचक आयाम जुड़ गया है।

दक्षिण अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मैदान में शामिल होने से दक्षिणी गोलार्ध का अच्छा प्रतिनिधित्व है। अर्जेंटीना की भागीदारी खेल में दक्षिण अमेरिकी भागीदारी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जबकि इंग्लैंड की उपस्थिति टूर्नामेंट की प्रतिष्ठित प्रोफ़ाइल को जोड़ती है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए एक शानदार मैदान में बदल दिया गया है। पारंपरिक भारतीय सजावटी तत्व आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे के साथ सहजता से मिश्रित होते हैं, जिससे एक ऐसा माहौल तैयार होता है जो खेल की प्राचीन जड़ों और इसकी आधुनिक वैश्विक अपील दोनों का सम्मान करता है। 20 पुरुष टीमों और 19 महिला टीमों के भाग लेने के साथ, यह टूर्नामेंट एथलेटिकिज्म, रणनीति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक शानदार प्रदर्शन होने का वादा करता है। आयोजन समिति ने एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए हैं, स्टेडियम को भाग लेने वाले देशों के रंगों से सजाया गया है और अत्याधुनिक सुविधाएं एथलीटों का इंतजार कर रही हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

गंभीर पर भड़के मनोज तिवारी, आईपीएल तक ठीक...लेकिन टीम इंडिया का कोच बनाना गलत फैसला

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना कर कहा है कि वे राष्ट्रीय टीम के लिए कोच के रुप में ठीक नहीं हैं। तिवारी ने तंज कर कहा है कि गंभीर केवल आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सलाह देने के लिए ही ठीक हैं। आईपीएल परिणाम देखकर उन्हें मुख्य कोच नियुक्त करने का निर्णय गलत था। गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम को कोई सफलता नहीं मिली है। भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज हार गई। इसके बाद घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ वह टीम को तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। वहीं टीम को एक दशक के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी हार का सामना करना पड़ा है। तिवारी ने कहा कि परिणाम देखकर आप सभी समझ सकते हैं। वे राहुल द्रविड़ द्वारा किए गए अच्छे काम को आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं हैं। अब टीम को ट्रैक पर आने या जीत की राह पर आने में बहुत समय लगेगा क्योंकि मुझे उनके भारतीय टीम को कोचिंग देने के पीछे कोई अनुभव नहीं दिखता है। मुझे नहीं लगता कि उनके पास कोचिंग का कोई अनुभव है। लेकिन तिवारी का मानना है कि वीवीएस लक्ष्मण और साईराज बहुतुले जैसे कोचिंग में पर्याप्त अनुभव वाले लोग कोच की के लिए आदर्श विकल्प थे। उन्होंने कहा कि ये लोग इतने सालों से एनसीए के साथ हैं। जब राहुल द्रविड़ उपलब्ध नहीं थे, तो यह ही अगले कोच की कतार में थे। प्रक्रिया के बीच में गंभीर कैसे आए, कोई नहीं जानता। इसलिए इस प्रकार के विपरीत परिणाम सामने आए। तिवारी ने कहा कि जब कोई ऐसा व्यक्ति आता है जिसके पास कोई अनुभव नहीं है और वह काम करता है और उसे जानते हुए भी, एक व्यक्ति के रूप में वह कितना आक्रामक है, तो इस प्रकार के परिणाम आना तय है।

मलेशिया ओपन सेमीफाइनल सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिली हार

कुआलालंपुर। भारत की विश्व नंबर 9 पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सफर मलेशिया ओपन 2025 के सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें दक्षिण कोरिया की किम वोन हो और सियो सेउंग जे की जोड़ी से शिकस्त का सामना करना पड़ा। दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को दमदार प्रदर्शन के बावजूद सीधे सेटों में हराया। भारतीय जोड़ी ने धीमी शुरुआत की और शुरुआती गेम में 6-11 से पिछड़ गई। कोरियाई खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत शुरुआत का फायदा उठाते हुए पहला गेम केवल 19 मिनट में 21-10 से जीत लिया। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी दूसरे गेम में आधे समय तक 11-8 से आगे थी। हालाँकि, भारतीय अपनी बढ़त का लाभ नहीं उठा सके और दूसरा सेट भी 15-21 से हार गए। इस तरह भारतीय जोड़ी को 21-10, 21-15 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ सात्विक और चिराग का इस टूर्नामेंट में पहला खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी, जो अपनी आक्रामक शैली के लिए जानी जाती है, ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

आयरलैंड के खिलाफ स्मृति मंधाना ने अपने नाम किया ये रिकॉर्ड

राजकोट। शीर्ष क्रम की बेहतर बल्लेबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने 3 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की पहली सीरीज में आयरलैंड को छह विकेट से हराया। मेजबान टीम ने 50 ओवरों में 238/7 रन बनाए थे। जवाब में प्रतिका रावल (89) और तेजल हसब्निस (नाबाद 53) ने मिलकर 116 रनों की साझेदारी कर भारत को 241/4 तक पहुंचाया और मैच 93 गेंद शेष रहते जीत लिया। यह कप्तान स्मृति मंधाना के लिए भी एक ऐतिहासिक पल था, क्योंकि वह महिला क्रिकेट में 4,000 रन के मील के पत्थर तक पहुंचने वाली सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज और कुल मिलाकर तीसरी सबसे तेज खिलाड़ी बनी। स्मृति ने 95 खेलों में यह मुकाम हासिल किया। इसके पहले आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। सलामी बल्लेबाज सारा फोर्ब्स (9) और गैबी लुईस (92) ठोस शुरुआत करते दिख रहे थे, लेकिन पांचवें ओवर में सारा तितास साधु के हाथों हार गईं। ऊना रेमंड-होए (5), ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (9) और लौरा डेलानी (0) के विकेट जल्द गिरे और स्कोर 56/4 हो गया। लेह पॉल ने 73 गेंदों पर 59 रन बनाए। दीप्ति शर्मा ने लुईस की पारी का अंत किया। क्रिस्टीना कूल्टर रीली (नाबाद 15) और अर्लीन केली (28) ने स्कोर 238/7 तक पहुंचाया।

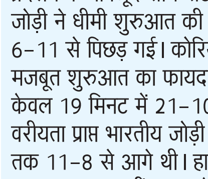

महिला हॉकी इंडिया लीग आईपीएल जैसा ही प्रभाव डालेगी : रानी रामपाल

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल को उम्मीद है कि महिला हॉकी इंडिया लीग (डब्ल्यूएचआईएल) युवा लड़कियों के लिए ब्रिस्बेन और उसके बाहर 2032 ओलंपिक के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मंच तैयार करेगी। हाल ही में रोहतक में साई मीडिया से बात करते हुए, रानी को लगता है कि महिला एचआईएल का पहला संस्करण महिला हॉकी को उसी तरह बढ़ाएगा जैसे महिला प्रीमियर लीग ने महिला क्रिकेट के लिए किया था।

रांची में 12 से 26 जनवरी के बीच होने वाली पहली महिला हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में चार टीमें दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब शामिल हैं।

रानी रामपाल पंजाब के सूरमा हॉकी क्लब की मेंटर और कोच के रूप में काम करेंगी। सहायक स्टाफ के रूप में यह उनका पहला कार्यकाल होगा। हरियाणा की 30 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, को लगता है कि एचआईएल सही समय पर आई है जब महिला हॉकी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई नहीं करने के बाद बदलाव की कोशिश कर रही है।

रानी ने साई मीडिया से कहा,इस बार केवल चार टीमें हो सकती हैं लेकिन लीग शुरू होने में काफी समय लग गया है। इसके लिए हॉकी इंडिया की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो और पेरिस में ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीते क्योंकि इसकी नींव वर्षों पहले पुरुष हॉकी इंडिया लीग द्वारा रखी गई थी। अब महिला एचआईएल की शुरुआत के लिए धन्यवाद, हमें 2032 और 2036 ओलंपिक में कई प्रतिभाशाली युवा महिलाओं को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते देखने को मिलेगा। यह मंच बेहद उपयोगी साबित होगा।

एचआईएल की शुरुआत 2013 में छह पुरुष टीमों के साथ हुई थी। बड़े पैमाने पर व्यावसायिक कारणों से बंद होने से पहले इसे पांच साल तक खेला गया था। इसे सात साल बाद एक अतिरिक्त महिला लीग के साथ पुनर्जीवित किया गया।

महिला क्रिकेट की प्रमुखता के संदर्भ में महिला इंडियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की सफलता को याद करते हुए रानी ने आगे कहा, महिला क्रिकेट के बारे में कोई भी ज्यादा नहीं जानता था, लेकिन अब आप देख रहे हैं कि यह खेल देश में इतना लोकप्रिय कैसे हो गया है। महिला आईपीएल (डब्ल्यूपीएल) के माध्यम से लोगों को इसके बारे में पता चला और उन्होंने इस खेल का अनुसरण करना शुरू कर दिया।

रानी ने वॉल श्रीजेश को भारतीय जूनियर हॉकी टीम के कोच के रूप में सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

उन्होंने कहा, श्रीजेश के पास लगभग 20 वर्षों का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। जूनियर टीम बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी क्योंकि उन्हें पता चल जाएगा कि उच्च स्तरीय दबाव की स्थिति में कैसे प्रदर्शन करना है।

कोचिंग मानसिकता के बारे में बात करते हुए रानी ने कहा कि उनमें और श्रीजेश में कुछ चीजें समान हैं। उन्होंने कहा, मैं महिला एचआईएल के दौरान युवाओं के साथ भी वही ज्ञान और अनुभव साझा करना चाहती हूं ताकि उन्हें भावनात्मक और मानसिक रूप से मदद मिल सके। हमें उनमें से सर्वश्रेष्ठ लाना होगा।

तमीम इकबाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

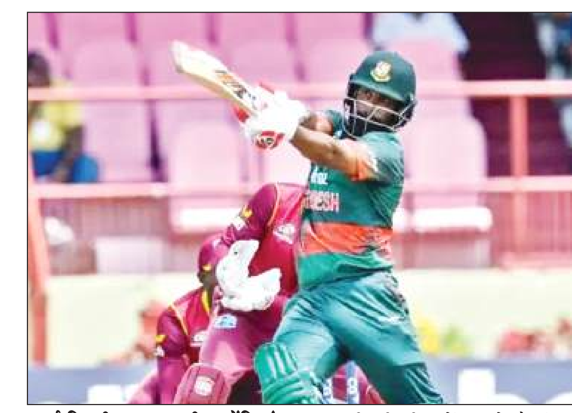

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की।

तमीम की घोषणा बांग्लादेश चयन पैनल द्वारा आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए खुद को उपलब्ध रखने के लिए कहने के बाद आई है।

तमीम ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा, मैं लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हूं। वह दूरी बनी रहेगी. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मेरा अध्याय ख़त्म हो गया है। मैं काफी समय से इस बारे में सोच रहा था. अब जब चैंपियंस ट्रॉफी जैसा बड़ा आयोजन आ रहा है, तो मैं किसी का ध्यान उस पर केंद्रित नहीं करना चाहता, जिससे टीम अपना फोकस खो सकती है बेशक, मैं पहले भी ऐसा नहीं चाहता था। उन्होंने कहा, कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने ईमानदारी से मुझसे टीम में लौटने के लिए कहा। चयन समिति से भी चर्चा हुई. मुझे अभी भी टीम में मानने के लिए मैं उनका आभारी हूं। हालाँकि, मैंने अपने दिल की बात सुनी है।

तमीम ने फरवरी 2007 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने जल्द ही सभी प्रारूपों में अपनी छाप छोड़ी और खुद को बांग्लादेश टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया।

बाएं हाथ का बल्लेबाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मुश्फिकुर रहीम के बाद बांग्लादेश के लिए दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी है। तमीम के नाम सभी प्रारूपों में बांग्लादेशी बल्लेबाज के रूप में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय शतक भी हैं।

उन्होंने बांग्लादेश के लिए 70 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 10 शतक और 206 रनों के सर्वोच्च स्कोर के साथ उन्होंने 5134 रन बनाए हैं। 243 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 8357 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 158 है।

वहीं, उन्होंने 78 टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया है और एक शतक ।के साथ 1758 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन है।

ओपन गोल्फ़ टूर्नामेंट

होनोलुलु, हवाई, यूएसए; वैयाले कंट्री क्लब में सोनी ओपन गोल्फ़ टूर्नामेंट के दूसरे दौर के दौरान 16वें होल पर पैट्रिक फिशबर्न ने अपना फ़ेयरवे बंकर शॉट मारा।

पंजाब एफसी ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से छीनी जीत, ड्रा कराया मैच

गुवाहाटी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में पहली बार ड्रा खेलकर लगातार चार मैचों के हार के सिलसिले को आखिरकार तोड़ दिया। पंजाब ने अंतिम समय में हुए गोल की मदद से शुक्रवार को इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए आईएसएल 2024-25 मुकाबले में मेजबान नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के लिए मोरोक्कन विंगर अलाएद्दीन अजारेई ने 24वें मिनट में सीजन का अपना 15वां गोल किया जबकि पंजाब एफसी की ओर से मिडफील्डर खैमिंथांग लहुंगडिम ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया।

इस मुकाबले में रैफरी तेजस नागवेंकर ने दोनों हेड कोचों जुआन पेड्रो बेनाली और पेनागियोटिस दिलमपेरिस को डबल येलो (रेड कार्ड) कार्ड दिखाए। उन्होंने कुल 14 येलो कार्ड दिखाए। पंजाब एफसी के बोस्नियाई लेफ्ट-विंगर अस्मिर सुल्जीक को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

हाईलैंडर्स के हाथ से जीत फिसलने से स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली निश्चित रूप से निराश होंगे। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 15 मैचों में छह जीत, पांच ड्रा और चार हार से 23 अंक लेकर तालिका में छठे से पांचवें स्थान पर आ गई है। वहीं, पंजाब एफसी द्वारा पिछड़ने के बाद बराबरी हासिल करने से ग्रीक हेड कोच पेनागियोटिस दिलमपेरिस जरूर राहत महसूस कर रहे होंगे। पंजाब एफसी 14 मैचों में छह जीत, एक ड्रा और सात हार से 19 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर बनी हुई है।

यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच चौथा मुकाबला था और दूसरा ड्रा खेला गया। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने एक बार जीत हासिल की है जबकि पंजाब एफसी ने एक मैच जीता है। इस परिणाम के साथ ही नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने इस सीजन में दोनों टीमों के बीच मुकाबलों में पलड़ा अपने पक्ष में रखा है, क्योंकि हाईलैंडर्स ने इस सीजन में दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 2-1 से जीता था।

श्रीलंका दौरे के लिए 100 प्रतिशत फिट हो जाऊंगा : नाथन लियोन

मेलबर्न, 11 जनवरी (एजेंसियां)।

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने पुष्टि की है कि वह ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे के दौरान दो टेस्ट खेलने के लिए 100 प्रतिशत फिट होंगे। श्रीलंका दौरा 29 जनवरी से शुरू होगा। श्रीलंका दौरे के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का अंतरिम कप्तान नियुक्त किया गया है।

स्मिथ पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम का नेतृत्व करेंगे, जो पितृत्व अवकाश पर हैं और हाल ही में घरेलू गर्मी के दौरान टखने की हल्की समस्या से उबर रहे हैं। युवा स्पिनर टॉड मर्फी और मैथ्यू कुह्नमैन के साथ नाथन लियोन भी टीम का हिस्सा हैं। उम्मीद है कि यह तिकड़ी श्रीलंका की टर्निंग पिचों पर अहम भूमिका निभाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान लियोन को कूल्हे में दर्द की समस्या का सामना करना पड़ा और उन्होंने 36.88 की औसत से नौ विकेट लिए।

लियोन ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से कहा, यह समझाना कठिन है; मैं चिकित्सीय दृष्टि से बहुत अच्छा नहीं हूं।

यह मेरे कूल्हे में एक छोटे बर्सा [द्रव की थैली] की तरह है। मैंने इसे बढ़ा दिया और यह दर्दनाक रहा है।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद मेरा स्कैन हुआ। सभी चीजें ठीक चल रही हैं, यह ठीक हो रहा है। मैंने शुक्रवार को दौड़ और जिम सत्र किया। मैं संपर्क से बचने की कोशिश कर रहा हूं। मैं 100 प्रतिशत फिट हो जाऊंगा।

लियोन, जिन्होंने 2016 में कोलंबो टेस्ट के दौरान 87 ओवर फेंके थे, उन्हें टर्निंग ट्रैक की नहीं, बल्कि कुछ अच्छे क्रिकेट विकेट की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, मैंने मूल रूप से सोचा था कि यह स्पिन के अनुकूल होगा, लेकिन मुझे लगता है कि यह 2022 में दूसरे टेस्ट के समान होगा जब दिनेश चंडीमल ने 206 रन बनाए थे। यह कठिन काम होगा, लेकिन मुझे संदेह है कि हम पांच स्पिनर के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, मैंने मूल रूप से सोचा था कि यह स्पिन के अनुकूल होगा, लेकिन मुझे लगता है कि यह 2022 में दूसरे टेस्ट के समान होगा जब दिनेश चंडीमल ने 206 रन बनाए थे। यह कठिन काम होगा, लेकिन मुझे संदेह है कि हम पांच स्पिनर खेलेंगे।.134 मैचों में 30.39 के औसत से 539 विकेट और 5/39 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ, लियोन टेस्ट में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और उनके नाम 24 बार पांच विकेट और पांच बार दस विकेट हैं।

श्रीलंका में, लियोन ने 32.02 की औसत से 35 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/34 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े और आठ मैचों में दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा उनके नाम है।

अडाणी ग्रुप ने विल्मर में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 4,850 करोड़ जुटाए

अहमदाबाद,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

गौतम अदाणी ग्रुप ने अपने जॉइंट वेंचर विल्मर में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 4,850 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह बिक्री अदाणी ग्रुप की विल्मर से बाहर निकलने की योजना का हिस्सा है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सहायक कंपनी अदाणी कमोडिटीज एलएलपी ने इस लेन-देन को पूरा किया। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, कंपनी ने 17.54 करोड़ शेयर गैर-खुदरा निवेशकों को ब्रिकी कर दिए। इसके अलावा, 13 जनवरी को खुदरा निवेशकों के लिए 275 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर शेयर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रक्रिया में 8.44 करोड़ अतिरिक्त शेयरों की बिक्री का विकल्प भी था, और अदाणी ग्रुप ने 1.51 प्रतिशत अतिरिक्त ओवरसब्सक्रिप्शन का विकल्प चुना, जिससे कुल बिक्री 19.50 करोड़ शेयरों तक पहुंच गई।

अदाणी ग्रुप ने इअब तक वित्त वर्ष 2024 में कुल 3.15 बिलियन डॉलर (करीब 25,000 करोड़ रुपये) की इक्विटी पूंजी जुटाई है, जो बताता हैं कि अडानी ग्रुप बाजार की परिस्थितियों के बावजूद पूंजी जुटाने में सक्षम है। विल्मर ने सार्वजनिक शेयरधारिता के न्यूनतम मानदंडों के तहत प्रमोटरों की हिस्सेदारी को 74.37 प्रतिशत तक घटा दिया है, जबकि 25.63 प्रतिशत हिस्सेदारी अब सार्वजनिक निवेशकों के पास है। अदाणी ग्रुप ने पहले ही घोषणा की थी कि वह विल्मर में अपनी 44 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 2 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाने की योजना बना रहा है। इसके तहत विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड ने अदाणी की 31 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। विल्मर, भारत के 30,600 से अधिक ग्रामीण कस्बों में मौजूदगी के साथ, खाद्य तेल और अन्य उत्पादों का वैश्विक स्तर पर 30 से अधिक देशों में निर्यात करता है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत में स्टार्टअप्स की संख्या में वृद्धि डीपीआईआईटी ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। भारत में उद्यमिता और स्टार्टअप्स की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारतीय स्टार्टअप्स के प्रदर्शन के आंकड़े जारी किए। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत भारत में पंजीकृत स्टार्टअप्स की संख्या 2016 से लेकर अब तक 400 से बढ़कर 2024 के अंत तक 1.57 लाख से अधिक हो गई है। इसके साथ ही स्टार्टअप नीति बनाने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की संख्या 2016 में 4 से बढ़कर 31 हो गई है। फंडिंग क्षेत्र में भी बड़ा उछाल देखा गया है, जो 2016 में 8 बिलियन यूएसडी से बढ़कर अब 115 बिलियन यूएसडी तक पहुंच गया है। इसके साथ ही भारतीय स्टार्टअप्स ने 1.7 मिलियन से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। भारत के 750 से अधिक जिलों में लोग स्टार्टअप्स चला रहे हैं, जबकि पहले ये संख्या सिर्फ 120 थी। सरकार ने स्टार्टअप्स को और भी सुविधाएं देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना, क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स, 3 साल तक आयकर छूट और बौद्धिक संपदा संरक्षण भी शामिल है। स्टार्टअप्स इंटर-मंत्रालयी बोर्ड प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले स्टार्टअप्स को आयकर छूट की सुविधा भी प्रदान की गई है।

जेबीएम ऑटो लिमिटेड के स्टॉक स्प्लिट के बावजूद शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली। जेबीएम ऑटो लिमिटेड ने अपने स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट घोषित कर दी है, लेकिन इसके बावजूद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। पिछले दिन बीएसई पर जेबीएम ऑटो के शेयर 1.5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,470 पर बंद हुए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन घटकर 17,383 करोड़ रुपए पर आ गया। बीएसई पर दिनभर के दौरान 7,801 शेयरों का लेन-देन हुआ, जिससे 1.15 करोड़ रुपए का कुल टर्नओवर हुआ। कंपनी ने बताया कि उसने 31 जनवरी 2025 को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है। यह डेट उन शेयरधारकों की पहचान के लिए होगी, जो स्टॉक स्प्लिट का लाभ उठा पाएंगे। सितंबर 2024 तिमाही के दौरान जेबीएम ऑटो ने 1,286 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 1,231 करोड़ रुपए था। कंपनी का मुनाफा भी 44 करोड़ रुपए से बढ़कर 49 करोड़ रुपए हो गया, जो इसके स्थिर प्रदर्शन का संकेत देता है। जेबीएम ऑटो मुख्य रूप से ऑटोमोटिव सिस्टम्स के निर्माण में सक्रिय है।

टाटा टैक्सी की तीसरी तिमाही में कमजोर प्रदर्शन के कारण निवेशक निराश

नई दिल्ली । टाटा एलेक्सी ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में एक कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया है, जिसने न केवल बाजार की उम्मीदों को तोड़ा बल्कि निवेशकों को भी निराश कर दिया है। ब्रोकरेज फर्म टाटा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने स्टॉक पर अपनी सेल रेटिंग बनाए रखते हुए इसकी फेयर वैल्यू को 5,600 रुपए से घटाकर 5,400 रुपए कर दिया है। 10 जनवरी को टाटा एलेक्सी का शेयर 6,004 रुपए पर बंद हुआ, जो कंपनी के लिए नकारात्मक संकेत है। कमजोर परिणामों के बीच कंपनी के प्रमुख वर्टिकल्स में सुस्ती, मार्जिन में गिरावट और ऑटोमोटिव क्षेत्र में चुनौतियों ने निवेशकों के लिए चिंता बढ़ा दी है। एलेक्सी की तीसरी तिमाही का प्रदर्शन उम्मीदों से काफी कमजोर रहा है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में थोड़ी सी बढ़त के अलावा, ऑटोमोटिव और मीडिया जैसे मुख्य वर्टिकल्स में गिरावट देखने को मिली। एबिट मार्जिन में 160 बेसिस पॉइंट की गिरावट आई, जो तिमाही दर तिमाही घटकर 23.5 फीसदी रह गया है। कंपनी का कहना है कि ऑटोमोटिव वर्टिकल में चुनौतियों की वजह से निकट भविष्य में परफॉर्मेंस में सुधार की संभावना कम है, हालांकि बाकी क्षेत्रों में कुछ सुधार की उम्मीद है। कंपनी का राजस्व इस तिमाही में लगभग स्थिर रहा है, सालाना आधार पर इसमें केवल 2 फीसदी की मामूली वृद्धि दर्ज हुई है। रिपोर्ट किए गए राजस्व 110.7 मिलियन डॉलर रहे, जो पिछली तिमाही से 2.9 फीसदी कम हैं।

पिछले साल देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में आया 11.4 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश : सीबीआरई

वित्त वर्ष 2024 में कुल इक्विटी निवेश में इसकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही

नई दिल्ली,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय रियल एस्टेट में पिछले वर्ष 11.4 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश आया। यह सालाना आधार पर 54 प्रतिशत अधिक है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सीबीआरई ने कहा कि इसमें सबसे ज्यादा निवेश डेवलपर्स और संस्थागत निवेशकों ने किया है। सीबीआरई ने एक रिपोर्ट में कहा कि इक्विटी निवेश में वृद्धि भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ रियल एस्टेट के सभी परिसंपत्ति वर्गों के विकास में हुई है। घरेलू निवेश सबसे अधिक रहा। वित्त वर्ष 2024 में कुल इक्विटी निवेश में इसकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही। सिंगापुर, अमेरिका और कनाडा ने 2024 में भारतीय रियल एस्टेट में कुल इक्विटी निवेश में 25 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। पूंजी प्रवाह में डेवलपर्स सबसे आगे रहे, जिनकी हिस्सेदारी 2024 में कुल इक्विटी निवेश का लगभग 44 प्रतिशत रही। इसके बाद संस्थागत निवेशक 36 प्रतिशत, निगम 11 प्रतिशत, रीट चार प्रतिशत और अन्य श्रेणियां लगभग पांच प्रतिशत रहीं। सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि हमें निवेश गतिविधि, विशेष रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और आवासीय विकास स्थलों में निरंतर गति देखने की उम्मीद है।

किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड पर मिल सकता है 5 लाख तक उधार, वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में बड़ा ऐलान संभव

नई दिल्ली । किसानों के लिए एक अच्छी खबर आ रही है। सरकार की ओर से किसान क्रेडिट कार्ड के तहत उधार की सीमा बढ़ाने की योजना है, जिसके अनुसार जल्द ही यह सीमा 5 लाख रुपये की जा सकती है। एक सूत्र ने बताया कि अगले बजट में सरकार 3 लाख से 5 लाख रुपये की मौजूदा सीमा को बढ़ाने की योजना बना रही है। यह प्रस्ताव वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश किया जाएगा। किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड योजना जो 1998 में शुरू हुई थी, खेती और उससे जुड़ी गतिविधियों में लगे किसानों को 9 फीसदी ब्याज दर पर अल्पकालिक फसल ऋण प्रदान करती है। सरकार किसानों को ब्याज पर 2 फीसदी छूट और समय पर अदायगी करने वालों को 3 फीसदी की कमी में प्रोत्साहित करती है। इस तरह किसानों को सालाना 4 फीसदी ब्याज दर पर कर्ज मिलता है। एक विशेषज्ञ के मुताबिक यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कदम हो सकता है जो खेती के इलावा पशुपालन और मत्स्यपालन जैसी गतिविधियों में व्यस्त हैं। इस प्रस्ताव से कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। नाबार्ड के चेयरमैन ने इस सीमा वृद्धि की महत्वता पर चर्चा की। उनका कहना है कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना छोटे किसानों को भी समाहित करने के लिए है और विभिन्न सेक्टरों में उन्हें शामिल करने में मदद करेगी। केंद्र भी इसे वांछित बनाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। यह प्रस्ताव किसानों के लिए अधिक कारगर बनाने के लिए बनाया जा रहा है।

भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना रहा : अश्विनी वैष्णव

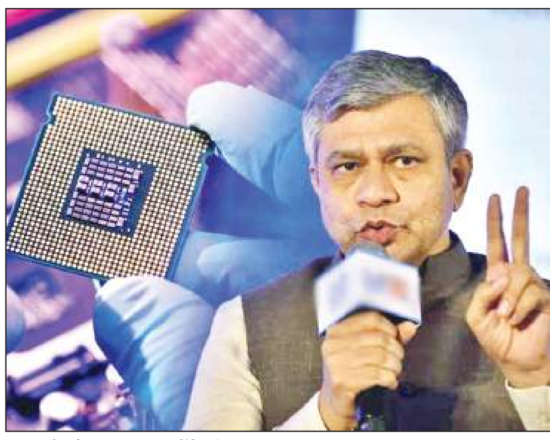

चेन्नई,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

केंद्रीय रेल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना रहा है। यह बयान केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड और एमएसआई की लैपटॉप असेंबली लाइन का उद्घाटन करते हुए दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस प्लांट को देखकर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है, विशेष रूप से असेंबली लाइन पर काम करने वाली युवा महिलाओं की तकनीकी दक्षता देखकर काफी खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, ग्रामीण इलाकों से आने वाली इन महिलाओं को हाई-टेक मशीनों पर काम करते देखना प्रेरणादायक है। यह पहल भारत के मेक इन इंडिया अभियान को मजबूत करने और देश को तकनीकी नवाचार में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से की गई है।

सिरमा एसजीएस ने भारत में लैपटॉप निर्माण के लिए एमएसआई के साथ साझेदारी की है, इससे यह भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को एक नई दिशा देगा। यह परियोजना विशेष रूप से युवाओं के लिए रोजगार के मौके पैदा करेगी और भारत के तकनीकी क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगी। सिरमा एसजीएस के सीईओ सतेंद्र सिंह ने एक मील का पत्थर बताकर कहा कि यह आईटी हार्डवेयर निर्माण के क्षेत्र में नई संभावनाओं को खोलेगा। एमएसआई इंडिया के महाप्रबंधक जॉन हंग ने भी साझेदारी पर खुशी जताकर कहा कि भारत उनके लिए हमेशा एक प्रमुख बाजार रहा है। उन्होंने बताया कि इस सहयोग से भारत में उनकी उपस्थिति और मजबूत होगी। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि यह पहल भारत को प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन की ओर एक कदम और करीब ले जाएगी और वैश्विक स्तर पर देश की स्थिति को मजबूती प्रदान करेगी। इस परियोजना से भारत में लैपटॉप की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, जिससे भारतीय बाजार में उत्पादों की उपलब्धता में वृद्धि होगी और आयात पर निर्भरता कम होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राम के रूप ...

यदि हम जाति के आधार पर बंटे रहेंगे, तो उत्पीड़न झेलना पड़ेगा। एक रहेंगे तो सनातन मजबूत होगा, देश मजबूत होगा। यदि भाषाई, क्षेत्रीय और जाति के आधार पर बंटेंगे तो सबसे पहले इसका खामियाजा हमारे धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंजाब से दौड़ लगाकर अयोध्या पहुंचे छह साल के बालक मोहब्बत को मंच पर सम्मानित किया और उन्हें एक मोबाइल फोन उपहार में दिया।

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी स्थान पर मंदिर के निर्माण के लिए पूजन किया था। 2024 में प्राण प्रतिष्ठा के बाद हर दिन लगभग दो लाख श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। पहले यहां महज तीन-चार घंटे ही बिजली मिलती थी। राम जी की पैड़ी में सरयू का जल सड़ता रहता था। सफाई की कोई व्यवस्था नहीं थी। अयोध्या के पास कोई हवाई अड्डा नहीं था। आज अयोध्या के पास अपना हवाई अड्डा है। आज सरयू जी का जल सड़ता नहीं। यहां की सड़कें त्रेतायुग का स्मरण कराती हैं। आज अयोध्या, अयोध्या होने का अहसास कराती है। आज अयोध्या सोलर से चलती है। सीएम ने कहा कि अयोध्या एक दिन में ऐसी नहीं बनी है। इसके लिए लाखों लोगों को त्याग देना पड़ा। तपस्या करनी पड़ी। लाखों लोग 500 वर्षों से अपने आराध्य को स्थापित करने के लिए संघर्ष करते रहे।

सीएम ने कहा कि शासन से लेकर हर किसी तक जिसने जिस भाषा में समझा, उसे उस भाषा में समझाया गया। आज हम भाव विभोर हो जाते हैं। हमारी तीन पीढ़ियां राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी रहीं। यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। योगी ने कहा, हमारे गुरुदेव महंत अवैद्यनाथ जब अस्पताल में अंतिम समय पर थे, तब भी उन्होंने आखिरी बार अशोक सिंघल से पूछा था कि राम जी का मंदिर बन जाएगा न?

सीएम ने कहा कि राम जन्मभूमि के लिए जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह आज सार्थकता की ओर आगे बढ़ रहा है। जब दो वर्षों में राम मंदिर पूरी तरह तैयार हो जाएगा, तब यह अयोध्या धाम पूरे विश्व में सबसे सुंदर नगरी के रूप में निखरेगा। राम मंदिर में सुविधाओं को आगे बढ़ाने का काम तेजी से चल रहा है। सीएम ने कहा कि एक बात ध्यान रखना होगा, कि आज से पहले वह कौन सी परिस्थितियां थीं, जब समाज बंटा था। यदि हम जाति के आधार पर बंटे रहेंगे, तो उत्पीड़न झेलना पड़ेगा। एक रहेंगे तो सनातन मजबूत होगा, देश मजबूत होगा। यदि भाषाई, क्षेत्रीय और जाति के आधार बंटेंगे तो सबसे पहले इसका खामियाजा हमारे धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में जिस ओर देश बढ़ रहा है, हम सब उसका हिस्सा बनें। सत्य को अधिक दिनों तक छिपाया नहीं जा सकता है। प्रयागराज की धरती पर महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। अयोध्या जैसी ही सुविधा प्रयागराज में भी है। आपकी श्रद्धा है, तो ईश्वर खुद ही आपको शक्ति दे देते हैं। सीएम ने लोगों से त्रिवेणी नगरी संगम जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी लोग एक बार जाकर वहां की व्यवस्था जरूर देखिए। एक बार संगम में डुबकी जरूर लगाएं। सीएम ने 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने वाले महाकुंभ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने मकर संक्रांति के लिए भी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

हिंदुओं का...

वहीं, साप्ताहिक उपस्थिति 20,000 से अधिक होती है। चर्च के अलावा, सतीश कुमार का संगठन कैल्वरी बाइबल कॉलेज, कैल्वरी अस्पताल और कैल्वरी स्कूल चलाता है। पादरी सतीश कुमार का आंध्र प्रदेश और उसके बाहर राजनीति से लेकर हर क्षेत्र में काफी प्रभाव माना जाता है।इसके साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ईसाई समुदायों में भी सतीश कुमार की तगड़ी पहुंच है। वह मिशनरी गतिविधियों के लिए अक्सर अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया सहित विभिन्न देशों में आते-जाते रहते हैं। कैल्वरी टेम्पल इंडिया की स्थापना 2005 में सतीश कुमार ने की थी। उन्हें अक्सर एक सम्मानित पादरी, लेखक और अंतरराष्ट्रीय वक्ता बताया जाता है। उन्हें दूरदर्शी नेतृत्व और ईमानदार बताया जाता है। हालांकि, जांच में उनके मिशनरी कामों का पता चला। पादरी सतीश बाइबिल के मानकों पर जोर देते हैं, जो रणनीतिक रूप से उनके अनुयायियों को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया लगता है।यह भारत में आक्रामक तरीके से धर्मांतरण को बढ़ावा देने के उनके लक्ष्य को दिखाता है। चर्च की वेबसाइट पर कैल्वरी के बारे में खूब प्रशंसा की गई है। इसमें चर्च के 400,000 सदस्य होने का दावा किया गया है। ये सब कुछ हिंदुओं को लक्षित करने के लिए धन जुटाने की रणनीति के तहत किया गया लगता है। कैल्वरी चर्च का यह भी दावा है कि चर्च का निर्माण केवल 52 दिनों में किया गया था। जब कैल्वरी बाइबिल कॉलेज और कैल्वरी अस्पताल जैसी पहलों के साथ-साथ प्रदान किए जाने वाले मुफ्त भोजन पर विचार किया जाता है, तो यह परोपकार के बारे में कम और धार्मिक साम्राज्य के निर्माण के बारे में अधिक प्रतीत होता है। पादरी सतीश कुमार अपनी कई गतिविधियों के कारण कुख्यात हो चुके हैं।

पूर्वी लद्दाख में ...

मई 2020 में गलवान घाटी में चीन-भारत सैनिकों के बीच झड़पें शुरू हुई थीं। इसके बाद से भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 54 महीने तक सैन्य गतिरोध बना रहा। यह गतिरोध बीते साल अक्टूबर में खत्म हुआ। इस वजह से भी यह बुनियादी ढांचा देश के रक्षा क्षेत्र के लिए खासी अहमियत रखता है। अब तक स्थायी समिति ने चांगथांग उच्च ऊंचाई शीत मरुस्थल वन्यजीव अभयारण्य में 2,967.63 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने वाले 107 प्रस्तावों को मंजूरी दी है, तथा काराकोरम नुब्रा श्योक वन्यजीव अभयारण्य में 24,625.52 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने वाले 64 प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

2047 तक देश ...

केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि कुछ लोग तंज कस रहे हैं कि ड्रग्स का इस्तेमाल बढ़ रहा है। मगर, ड्रग्स का उपयोग नहीं बढ़ रहा, बल्कि सख्त कार्रवाई की जा रही है और उसका नतीजा सामने है। हमने कटाक्षों को नजरअंदाज कर ड्रग्स के पूरे इकोसिस्टम को कानून के शिकंजे में कसने का काम किया। हमने उससे जुड़े आतंक को भी उजागर किया। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विपक्ष की छटपटाहट की मुख्य वजह यह भी

जंगलराज प्राइवेट...

लालू जी सीएमडी पद पर खुद ही रहेंगे। आप बताएं कि क्या यादव समुदाय में सब लोग बेकार हैं? क्या केवल लालू परिवार में ही योग्यता है? यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह परिवारवाद की पराकाष्ठा है।केंद्रीय मंत्री ने महाकुंभ मेला को लेकर विपक्ष पर जमकर हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने कहा कि महाकुंभ मेला के बारे में कुछ लोग अनाप-शनाप बोल रहे हैं। कुछ खास वर्ग के वोटों के ठेकेदारों द्वारा यह बात कही जा रही है कि जो लोग पापी होंगे वही कुंभ स्नान को जाएंगे। उन्हें मालूम होना चाहिए कि महाकुंभ सनातनियों के लिए सबसे बड़ा धार्मिक पर्व है। सनातन के लोग बड़ी संख्या में कुंभ स्नान को जाएंगे। यह देश का दुर्भाग्य है कि कुछ नेता मुसलमानों का वोट पाने के लिए उन्हें खुश करना चाहते हैं। लालू यादव, अखिलेश यादव या राहुल गांधी की पार्टी के नेता महाकुंभ में हिंदुओं को गाली देकर मुसलमानों को खुश करना चाहते हैं। उनका वोट बटोरना चाहते हैं। लोगों को मालूम है कि नादिर शाह कैसे आया था। लेकिन, सनातन की संस्कृति इतनी मजबूत है कि जितना इसपर हमला करेंगे, उतनी ही मजबूत होगी। मैं अपील करता हूं कि भारत के सनातनी एक हो जाएं। अगर, आप बंटोगे तो कटोगे।

गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू प्रसाद अपने बेटे को प्रमोट करने के लिए सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। लालू यादव चाहते हैं कि उनका बेटा मुख्यमंत्री बन जाए और उनकी जिम्मेदारी पूरी हो जाएगी। वहीं आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी में भ्रष्टाचारियों की जमात खड़ी हो गई है। अरविंद केजरीवाल जनता के साथ अन्याय कर रहे हैं। इस बार चुनाव में जनता उन्हें जरूर जवाब देगी। केजरीवाल भी अब अपनी पत्नी को प्रमोट करना चाह रहे हैं और इसीलिए उनके द्वारा तमाम षडयंत्र रचे जा रहे हैं।

शराब नीति घोटाले...

शराब की दुकानों का वितरण समान रूप से नहीं किया गया, जिससे जनता को परेशानी हुई। रिपोर्ट में कहा गया कि इस नीति से आप नेताओं को सीधा फायदा हुआ। उस समय आबकारी विभाग के प्रमुख मनीष सिसोदिया और उनके साथी मंत्रियों ने जानबूझकर नियमों का उल्लंघन किया। लाइसेंस जारी करने और शुल्क माफी जैसे फैसलों में पारदर्शिता की कमी रही।

सीएजी की यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब दिल्ली चुनाव नजदीक हैं। भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जवाब मांगा है। हालांकि आम आदमी पार्टी ने इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज किया है। पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा, यह रिपोर्ट अभी दिल्ली विधानसभा में पेश नहीं हुई है। भाजपा इसे चुनावी मुद्दा बनाने के लिए गलत दावे कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस रिपोर्ट का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी की छवि खराब करने के लिए कर रही है।उल्लेखनीय है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार के शीर्ष लोगों को जेल जाना पड़ा था। इस मामले में जांच अभी जारी है। मनीष सिसोदिया को काफी समय बाद जेल से बेल मिली थी, तो अरविंद केजरीवाल को भी महीनों जेल में बिताना पड़ा, इसके बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से भी हटना पड़ा। जेल से बाहर आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा दिया था।दिल्ली सरकार की शराब नीति को लेकर यह विवाद राजनीति के नए मोड़ ले सकता है। जनता यह जानना चाहती है कि 2026 करोड़ का नुकसान क्यों हुआ और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। रिपोर्ट के बाद आम आदमी पार्टी पर जनता और विपक्ष का दबाव बढ़ गया है।

हस्तरेखा शास्त्र से जानें अपनी किस्मत का हाल

हाथों के इन निशानों से व्यक्ति को मिलता है शुभ और अशुभ फल

साल 2025 पर ऊर्जा के कारक मंगल देव का प्रभाव रहेगा। इसके चलते हर एक व्यक्ति मंगल से प्रभावित हो सकता है। हथेली में हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा के बीच के नीचे और जीवन रेखा के ऊपर वाला भाग मंगल का होता है। इन स्थानों से मंगल की गणना की जाती है। मंगल पर्वत पर कई शुभ और अशुभ चिन्ह होते हैं। इससे व्यक्ति को शुभ और अशुभ फल मिलता है,

क्रॉस का निशान

मंगल पर्वत पर क्रॉस होना अच्छा नहीं माना जाता है, जिन जातकों के हथेली में ये निशान है उनके लिए 2025 थोड़ा कठिन हो सकता है। अन्य रेखा यदि शुभ हो तो इसका प्रभाव कम हो सकता है, लेकिन अगर आप सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, इस साल सफलता देखने को मिल सकती है।

त्रिभुज का निशान

मंगल पर्वत पर यदि त्रिभुज का निशान है, तो व्यक्ति को शुभ फल प्रदान करता है। मंगल ऊर्जा के कारक हैं इसके लिए व्यक्ति को कार्य में अच्छे परिणाम देखने को मिल सकता है। इन जातकों को 2025 अच्छे फल प्रदान करेंगे। रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

शंख का निशान

मंगल पर्वत पर शंख का निशान हो तो ये बेहद ही शुभ निशान माना जाता है ऐसे जातक धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं। इनका मन धर्म-कर्म में ज्यादा रुचि लेने वाले होते हैं। ऐसे जातकों के लिए 2025 अच्छा रहेगा। ऐसे जातक धार्मिक यात्रा भी करेंगे। सरकारी नौकरी या अपना खुद का कारोबार करना चाहते है तो उसमें भीआपको इस वर्ष सफलता मिलेगी।

जिन लोगों के मंगल पर्वत पर तीन रेखा सीधी और स्पष्ट हैं, उन्हें साल 2025 में अपने शत्रुओं से सावधान रहना चाहिए, क्योंकि वे आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में सलाह दी जाती है कि गोपनीय शत्रुओं से सावधान रहें। इस साल कारोबार में आपको सफलता देखने को मिलेगी। इसके साथ ही इस साल जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें इस साल अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।

अगर आपके हाथ में भी है यह लकीर तो बन सकते हैं उद्योगपति

हाथों की चंद लकीरें अपने आप में कितना कुछ छुपाए रहती हैं। ये रेखाएं व्यक्ति के भूत, भविष्य और वर्तमान के बारे में कई राज खोलती हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, हाथों की रेखाओं के द्वारा व्यक्ति संतान, शिक्षा, बिजनेस से लेकर प्रेम विवाह तक के बारे में जान सकता है। इतना ही नहीं हाथों में कई ऐसी रेखा भी होती है जिन्हें देखकर व्यक्ति किस उम्र में धनवान या फिर बिजनेसमैन बनेगा। ऐसे ही जानिए फेमस ज्योतिष से उन रेखाओं के बारे में जो व्यक्ति को सफल बिजनेसमैन बनाती है।

ये रेखाएं बनाती हैं व्यक्ति को सफल बिजनेसमैन

जिन व्यक्तियों की हथेली में सबसे छोटी अंगुली यानी कनिष्ठिका के नीचे बने पर्वत पर खड़ी-खड़ी लकीरें बनीं दिखें, तो ऐसे व्यक्ति बिजनेस में काफी कामयाब होते हैं।

अगर आप भी प्राइवेट-गवर्नमेंट जॉब या बिजनेस करने को लेकर उलझन में हैं, तो आपके लिए यह जानना जरूरी है। इसके लिए अपने दाहिने हाथ की सबसे छोटी अंगुली के नीचे देखें। अगर वहां पर खड़ी लाइनें नजर आती हैं, तो आप बिजनेस में जल्द सफल होंगे।

बुध पर्वत है खास

आपको बता दें कि हथेली पर बुध पर्वत व्यक्ति में बुद्धि-विवेक का स्तर, व्यापार में सफलता और आर्थिक समृद्धि के बारे में जानकारी देता है। इसे भौतिक संपत्ति और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण माना गया है। जिन व्यक्तियों के हाथ में बुध पर्वत ठीक ढंग से उभरा होता है, वे तेज दिमाग वाले और हालात को अच्छी तरह समझने वाले होते हैं। ऐसे लोग जिस भी काम को करते हैं, उसमें तकरीबन पूरी सफलता हासिल कर लेते हैं। ऐसे लोग अपने कार्य को पूरा भी करते हैं।

हाथों में इस तरह बना हो लकीर

वहीं, अगर यह पर्वत जरूरत से ज्यादा उभार लिए हो, तो ऐसा व्यक्ति चालाक और धूर्त होता है। ऐसे लोग दूसरों को धोखा देने में सुकून महसूस करते हैं। जबकि सामान्य रूप से विकसित बुध पर्वत पर अगर वर्गाकार आकृति बनी दिखाई दे, तो ऐसे व्यक्ति काफी बड़े होते हैं। इन्हें कानून और नियमों को तोड़ने में मजा आता है और समाज विरोधी कार्य करते हैं।

कुछ खास राज खोलते हैं आपकी हथेलियों में छिपे यह निशान

जीवन अबूझ पहेली जैसा है, और हम सब किसी न किसी तरीके से उसे समझने की कोशिश करते रहते हैं। हमारा आने वाला कल कैसा होगा। यह जानने की हम सभी के अंदर बेचैनी होती है। इसके लिए हम बहुत से तरीके अपनाते हैं। उसी में से एक तरीका है ज्योतिष, फिर भी क्या हमें हर सवाल का जवाब मिल पाता है।

संकेत छिपा होता है हमारे हाथों में पंडित जी की मानें तो सारे तो नहीं, पर कई राज थोड़ा ध्यान देने पर हमारी हथेलियां हमें बता देती हैं। ऐसे कई संकेत हैं, जो आने वाला कल मुश्किल है या खुशियों भरा, हमारे आगे जाहिर कर देते हैं।

आज हम यहां बात करेंगे ऐसे ही 5 संकेतों की। जिन्हें अगर आप अपने हाथों में खोज पाए, तो शायद कुछ सवालों के जवाब मिल जाएंगे।

इन पांच निशानियों को पहचानें

* अपने हाथ को गौर से देखिए, और उसमें अगर पांच प्रमुख रेखाओं में से कोई एक भी लुप्त है, तो समझ लीजिए यह किसी घातक दुर्घटना या बीमारी के आने का स्पष्ट संकेत है। विशेष रुप से जब रेखाओं में से एक दोनों हाथों में लुप्त हो।

* अगर आपके हाथ या अंगूठा उचित अनुपात में ढले हुए हैं। जीवन रेखा बृहस्पति की ओर जाती दिखाई दे, या उसकी अंत की कुछ शाखाएं बृहस्पति पर्वत की ओर जा रही हो। अगर मस्तिष्क रेखा बृहस्पति पर्वत की ओर जा रही हो। स्पष्ट रेखा पहली उंगली के ऊपर से नीचे की ओर आती हुई दिखाई पड़ रही हो। सुस्पष्ट और लंबी हृदय एवं भाग्य रेखा नजर आए। सूर्य, बुध और मंगल के पुष्ट पर्वत नजर आए। ऐसे में समझ लीजिए कि आपकी सभी महत्वाकांक्षाएं पूरी होने वाली हैं।

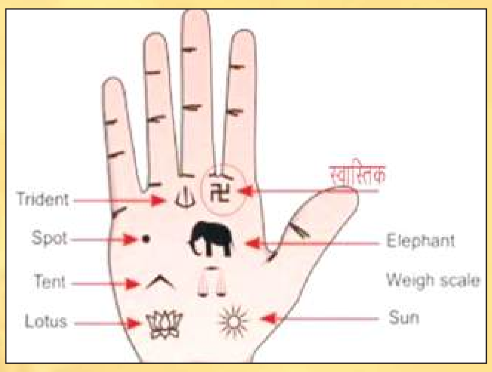

* शुक्र पर्वत से शुरू होती हुई एक प्रभाव रेखा जो जीवन रेखा की ऊपर की ओर जाती शाखा को काटते हुए बुध पर्वत पर समाप्त हो जाए। शुक्र पर्वत से आती प्रभाव रेखा शाखाओं के रूप में जीवन रेखा के पास समाप्त हो जाए। इसका अर्थ है आपके वैवाहिक जीवन में दिक्कतें हैं, और आपको तलाक जैसी दुखद घटना का सामना करना पड़ सकता है।

* वहीं यदि हृदय रेखा का आरंभ क्रॉस या सितारे से बाधित हो। हृदय रेखा के अंत में नीचे की ओर अनेक शाखाएं दिखाई पड़ रही हो। भाग्य रेखा की कोई शाखा हृदय रेखा को काटती हुई जाए। शुक्र पर्वत से आती प्रभाव रेखाएं या जीवन रेखा हृदय रेखा को काटती हुई जाए, तो आपको प्रेम में असफलता का मुंह देखना पड़ सकता है।

* यदि किसी पुरुष का हाथ बिल्कुल बाल रहित हो। उसकी हथेली मोटी और पिलपिली हो। मंगल और बृहस्पति पर्वत के साथ कभी-कभी शुक्र पर्वत भी लुप्त हो। हथेली में चंद्र तथा बुध पर्वत ही पूरी तरह उभरे हुए हों, तो ऐसे पुरुष कोमल हृदय के होते हैं। उनके अंदर दया भाव भी कूट-कूट कर भरा होता है।

हाथ में खुजली होने का मतलब? भविष्य को लेकर मिलते हैं संकेत

शकुन शास्त्र, ज्योतिष का ही एक भाग है। इसमें जीवन में होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं द्वारा भविष्य का आकलन किया जाता है। जीवन में ऐसी कई छोटी-बड़ी घटनाएं घटती हैं, जिन्हें हम अपने भविष्य से जोड़कर देखते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि शकुन शास्त्र में हाथ में खुजली होने का क्या अर्थ माना गया है।

दाहिने हाथ में खुजली होना

शकुन शास्त्र के अनुसार, किसी व्यक्ति के दाहिने हाथ या शरीर के दाहिने भाग में खुजली होती है, तो इसे अशुभ माना जाता है। इसका अर्थ हो सकता है कि आपको धन की हानि हो सकती है या फिर आपको बेवजह की चीजों पर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसे में आपको सोच-समझ कर अपना धन खर्च करने की जरूरत है।

बाएं हाथ में खुजली

यदि किसी व्यक्ति के बाएं हाथ में बार-बार खुजली हो रही है, तो इसे एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ हो सकता है कि आपको जल्द ही धन लाभ हो सकता है। शकुन शास्त्र में माना गया है कि जब भी आपके बाएं हाथ में खुजली हो, तो इसका मतलब है कि अच्छे दिन आने वाले हैं।

जब इन अंगों में हो खुजली

हाथ के अलावा भी शरीर के ऐसे कुछ अंग हैं, जिनमें खुजली होने का एक खास मतलब माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति के पैर में खुजली हो तो, समझना चाहिए कि आपके लिए यात्रा के योग बन रहे हैं। वहीं, अगर किसी व्यक्ति को सपने में सीने पर खुजली होती है, तो इसे भी एक शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। इसका अर्थ है कि आपको धन की प्राप्ति होने वाली है।

हाथ की लकीरें देती हैं बीमारी के संकेत

हस्तरेखा से केवल व्यक्ति के भविष्य का संकेत नहीं मिलता बल्कि बीमारियों का पता भी लगाया जा सकता है। पर्वत और उन पर बनने वाली रेखाएं व्यक्ति के स्वास्थ्य का संकेत देती हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार यदि चंद्र पर्वत पर नक्षत्र मिलता है तो यह पेट रोग का संकेत है। इस तरह के लोग जीवनभर उदर रोग से पीड़ित रहते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हृदय रेखा पर गोल द्वीप, शनि पर्वत के नीचे मस्तिष्क रेखा का पीला पड़ना, आयु रेखा के पास मंगल क्षेत्र पर काला चिह्न, हृदय रेखा पर काला तिल या द्वीप व्यक्ति के जीवन अचानक बेहोशी और हृदयाघात का संकेत देता है। हाथ और नाखून का पीला पड़ना, नाखूनों पर धब्बे दिखना और बुध रेखा कटी-फटी होना आंत्र रोग का इशारा करता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार शनि पर्वत के नीचे द्वीप व्यक्ति में रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारी का संकेत देते हैं। शनि क्षेत्र उभरा हुआ और अधिक रेख-ाओं से भरा हो, शनि रेखा लहरदार और लंबी हो, साथ ही उंगलियों के बीच का हिस्सा भी लंबा रहे तो दंत रोग होने के आसार हैं। मस्तिष्क रेखा पर मंगल पर्वत के पास सफेद दाग होने और दोनों हाथों में हृदय रेखा का खंडित होना गुर्दा रोग का संकेत है। बुध रेखा पर काले निशान, नक्षत्र एवं द्वीप की मौजूदगी पीलिया होने का संकेत है। मस्तिष्क रेखा पर शनि क्षेत्र के नीचे हिस्से पर जंजीर जैसा निशान होना फेफड़े और गले के रोगों का संकेत देता है।

सेहत के राज खोलती हैं रेखाएं

जिन जातकों की हृदय रेखा पर गोल द्वीप बने या शनि पर्वत के नीचे मस्तिष्क रेखा पीली पड़ जाए तो उसे अचानक बेहोश होने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। वहीं मंगल क्षेत्र पर काला चिह्न होना या हृदय रेखा पर काला तिल या द्वीप होना हार्ट अटैक होने का संकेत देता है। जिन जातकों के चंद्र पर्वत पर नक्षत्र का निशान हो वे लोग जीवन भर पेट से जुड़ी किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त रहते हैं। जिन लोगों के हाथ और नाखून पीलें हों, साथ ही नाखूनों पर धब्बे दिखें उनको आंतों से जुड़ी समस्या होने की आशंका रहती है. यदि इसके साथ बुध रेखा भी कटी-फटी हो तो इसे ठीक नहीं कहा जा सकता है।

हथेली में सुख-समृद्धि ही नहीं सेहत भी

हथेली में सुख-समृद्धि ही नहीं बल्कि सेहत का भी राज छिपा होता है। जी हां इसकी भी एक रेखा होती है जिसे स्वास्थ्य रेखा के नाम से जानते हैं। यह रेखा किसी भी स्थान से निकल सकती है लेकिन इसका अंत बुध पर्वत पर ही होता है। मान्यता है कि यह रेखा जितनी अधिक सुस्पष्टए निर्दोष होगी व्यक्ति का स्वास्थ्य उतना ही उत्तम होगा। लेकिन रेखा अगर कटी-फटी या लहरदार हो तो सेहत प्रतिकूल हो सकती है।

पेट की दिक्कतें

स्वास्थ्य रेखा यदि जंजीरदार तो यह शुभ संकेत नहीं है। ऐसी रेखा का अर्थ होता है कि व्यक्ति पूरी जिंदगी पेट संबंधी रोगों से परेशान रहेगा। इसके अलावा अगर स्वास्थ्य रेखा पर अगर बिंदु हो तो जितने बिंदु हों उनमें से प्रत्येक बिंदु को पांच वर्ष की अवधि मानकर गणना करनी चाहिए। इससे व्यक्ति उतने वर्ष रोगी रहता है।

फेफड़े रोग की सूचक

अगर स्वास्थ्य रेखा द्वीप के रूप में समाप्त हो तो फेफड़े संबंधी रोग होता है। इसके अलावा अगर यह रेखा शुरू में अधिक लाल रंग की हो जाये तो हार्ट संबंधी रोग की दिक्कत होती है। अगर यह रेखा अंत में लाल रंग की हो तो सिरदर्द संबंधी रोग होता है। वहीं यह रेखा यदि बुध पर्वत पर आकर कट जाए तो पित्त संबंधी रोग होता है।

गुप्त रोग की सूचना

यदि स्वास्थ्य रेखा के अंतिम छोर पर चतुर्भुज हो तो दमा का रोग होता है। यह रेखा यदि पीले रंग की हो तो गुप्त रोग की संभावना बनती है। लेकिन अगर यह रेखा हाथ में कई रंगों की हो जाए तो यह लकवा रोग की सूचक है। वहीं यह रेखा यदि हृदय रेखा को काट दे तो मिर्गी का रोग हो सकता है।

अच्छे स्वास्थ्य का सूचक

यदि स्वास्थ्य रेखा एवं जीवन रेखा अलग.अलग हों तो व्यक्ति सेहतमंद होता है। साथ ही अगर कभी कोई बीमारी हो भी जाएं तो वह जल्दी ही सही भी हो जाती है। इसके अलावा अगर यह रेखा पतली और बिल्कुल स्पष्ट हो। साथ ही मस्तिष्क रेखा भी अच्छी हो तो स्मरण शक्ति और सोचने-समझने की क्षमता अच्छी होती है।

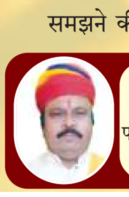

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नासिर हुसैन को दिल दे बैठी थीं आशा पारेख मगर इस डर से नहीं कर पाई इजहार

परिवार टूटने के डर से नहीं कर पाई प्यार का इजहार

हिंदी फिल्मों की शूटिंग के दौरान कलाकारों को प्यार हो जाने के कई किस्से हैं। इन्हीं किस्सों में से एक है खूबसूरत अदाकारा आशा पारेख का। साल 1959 में आई फिल्म 'दिल दे के देखो' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली आशा पारेख को भी अपनी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान ही प्यार हो गया था; वह भी फिल्म के प्रोड्यूसर से ही। जी हां, इस फिल्म के निर्माता थे नासिर हुसैन जिन्होंने 'तीसरी मंजिल', 'फिर वही दिल लाया हूं' जैसी फिल्में बनाई हैं। आशा पारेख इन्हीं नासिर हुसैन पर फिदा हो गई थीं। हुसैन की शानदार शख्सियत पर आशा का दिल आ गया था।

आशा पारेख अपनी पहली ही फिल्म से हिंदी सिनेमा के दर्शकों पर जादू चलाने में कामयाब हुई थीं। खूबसूरत चेहरे और अपनी आंखों की चमक से उन्होंने लोगों को अपना दीवाना बना लिया था। ऐसी दिलकश अदाकारा का दिल जब प्रोड्यूसर नासिर हुसैन पर आया, तो सुर्खियां बननी ही थीं। मगर आशा पारेख ने इस रिश्ते को दोस्ती तक ही सिमटकर रहने दिया। चूंकि नासिर हुसैन शादीशुदा थे, इसलिए वह प्रेम के रास्ते पर आगे नहीं बढ़ीं। आशा पारेख ने अपनी आत्मकथा 'द हिट गर्ल' में इस अनुभव के बारे में लिखा है कि वह अपने प्यार के लिए किसी का घर टूटते हुए नहीं देखना चाहती थीं, इसलिए नासिर का ख्याल उन्होंने दिल से निकाल दिया।

आशा पारेख और नासिर हुसैन की दोस्ती के रहे चर्चे

नासिर हुसैन के साथ आशा पारेख ने कई फिल्में कीं। कई मशहूर फिल्में जैसे 'जब प्यार किसी से होता है' (1961), 'फिर वही दिल लाया हूं' (1963), 'तीसरी मंजिल' (1966), 'बहारों के सपने' (1967), 'प्यार का मौसम' (1969) और 'कारवां' (1971) में नासिर ने आशा के साथ सफलता के झंडे गाड़े। इस दौरान दोनों की दोस्ती की चर्चा तो होती रही, मगर कोई बात खुलकर सामने नहीं आई। आशा पारेख ने अपनी बायोग्राफी 'द हिट गर्ल' में जब इस बात का जिक्र किया, तभी लोगों को ये कहानी पूरी तरह से पता चली। अपनी बुक लॉन्चिंग के दौरान आईएएनएस से बात करते हुए आशा ने इस बात को स्वीकार किया कि, नासिर एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें उन्होंने कभी प्यार किया था।

आशा ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि निर्माता नासिर हुसैन के साथ उन्होंने सात फिल्मों में काम किया। उनसे प्यार करने के बावजूद कभी शादी करने का नहीं सोचा क्योंकि वह 'गृहिणी' नहीं बनना चाहती थीं। चूंकि हुसैन शादीशुदा थे, इसलिए भी वे परिवार टूटने के डर से आशा अपने प्यार का इजहार नहीं कर पाईं और जीवन भर अकेले रहीं। एक अन्य पत्रिका से बातचीत में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड विजेता अभिनेत्री ने कहा था कि अकेले रहना शायद मेरे द्वारा लिए गए सबसे अच्छे फैसलों में से एक था।

सस्पेंस के साथ हॉरर का कॉम्बो है लव इज फॉरएवर

राम चरण की 'गेम चेंजर' और सोनू सूद की 'फतेह' के अलावा एक और फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसका नाम है 'लव इज फॉरएवर'। इस फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगू में एक साथ रिलीज किया गया है। एस श्रीनिवास द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रुसलान मुमताज, कर्णिका मंडल, राहुल बी कुमार, मुश्ताक खान, गार्गी पटेल, गरिमा अग्रवाल, जावेद हैदर, सलीम मुनव्वर, मोहम्मद सलीम मुल्लांवर और चंद्रप्रकाश ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

इस फिल्म की कहानी सिमरन और रोहित के बीच शुरू होती है, जो अपने परिवार के आशीर्वाद से शादी करने वाले होते हैं, लेकिन उन्हें कई दुखद घटनाओं का सामना करना पड़ता है। रोहित की मां की कार दुर्घटना में मौत हो जाती है। इसके बाद उसके पिता माया से दूसरी शादी कर लेते हैं, जिस पर रोहित को भरोसा नहीं होता। जब रोहित के पिता की भी रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो जाती है, तो रोहित को माया की साजिश पर शक होता है। माया के विरोध के बावजूद रोहित सिमरन से शादी कर लेता है और वे हनीमून के लिए शिमला चले जाते हैं, लेकिन कुछ घटनाएं ऐसी भी हैं जो दोनों को चौंका देती हैं। रोहित सिमरन के अतीत के बारे में जानकर परेशान हो जाता है। आगे क्या होता है, यह जानने के लिए आपको पूरी फिल्म देखनी होगी, हालांकि फिल्म की स्क्रिप्ट थोड़ी कमजोर है और डायलॉग डिलीवरी भी फिल्म को थोड़ा कमजोर बनाती है।

जहां तक फिल्म की स्टारकास्ट की एक्टिंग की बात है तो रोहित मेहरा के रोल में रुसलान मुमताज ने नेचुरल एक्टिंग की है। सिमरन चोपड़ा के रोल में कर्णिका मंडल ने जान डाल दी है। राज वर्मा के रोल में राहुल बी कुमार सरप्राइज पैकेज साबित हुए हैं। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस और एक्शन से गहरी छाप छोड़ी है। राज के पिता के रोल में चंद्रप्रकाश ठाकुर, हीरोइन के पिता के रोल में मुश्ताक खान, हीरोइन की मां के रोल में गार्गी पटेल, धनीराम के रोल में जावेद हैदर, माया के रोल में गरिमा अग्रवाल और राणा के रोल में सलीम मुल्लांवर ने भी अपनी एक्टिंग से काफी प्रभावित किया है। फिल्म के डायरेक्टर एस श्रीनिवास का डायरेक्शन कमाल का है। डीओपी राज शेखर नायडू ने बेहतरीन कैमरावर्क किया है। संगीत निर्देशक डे चौहान और गीतकार संजीत निर्मल ने अच्छे गाने गढ़े हैं। लेखक राशिद कानपुरी की कहानी में नयापन है, जिसे निर्देशक एस श्रीनिवास ने फिल्म में बेहद खूबसूरती से पेश किया है। एक्शन मास्टर मुकेश राठौर ने कुछ कमाल के स्टंट डिजाइन किए हैं। जो फिल्म में काफी शानदार नजर आ रहे हैं।

फिल्म आजाद का पहला गाना उई अम्मा हुआ रिलीज

राशा थडानी ने अपने डांस मूव्स से मचाया तहलका

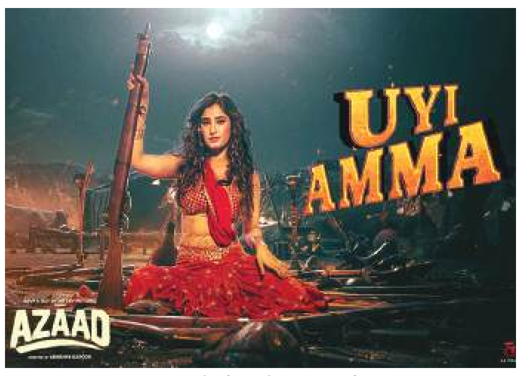

लगातार विकसित हो रहे भारतीय सिनेमा में, किसी भी डेब्यूटेंट कलाकार के लिए अपने डेब्यू से ही एक स्थायी छाप छोड़ना बहुत ही दुर्लभ है। मीडिया और फैंस के बीच एक लोकप्रिय चेहरा, राशा थडानी, आगामी फ़िल्म आज़ाद के अपने डेब्यू गाने उई अम्मा से तहलका मचा रही हैं। इस गाने को इसके एनरजेटिक वाइब और राशा के शानदार प्रदर्शन के लिए व्यापक प्रशंसा मिली है। इस गाने ने न सिर्फ लाखों लोगों के दिलों पर कब्जा किया है, बल्कि उन्हें देश भर में सनसनी भी बना दिया है। अमान देवगन, अजय देवगन और डायना पेंटी के साथ अभिनय करने वाली, राशा का बड़े पर्दे पर आना एक शानदार करियर की शुरुआत है। इस गाने को बी पराग ने गाया है।आजाद का गाना उई अम्मा चार्टबस्टर ट्यून्स को वाइब्रेंट ऊर्जा के साथ मिलाता है, जो दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ता है। फिल्म की रिलीज से पहले ही, राशा ने अपने शानदार डांस मूव्स, चार्मिंग एक्सप्रेशन और ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस से नेटिजन्स को प्रभावित किया है। उई अम्मा में उनके प्रदर्शन ने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया है, जो फिल्म में उन्हें और अधिक देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।फैंस और दर्शकों ने राशा थडानी की खूब तारीफ की है। जबकि कुछ नेटिजन्स ने उनके खूबसूरत एक्सप्रेशन की सराहना करते हुए कहा, क्या डेब्यू गाना है राशा, एक्सप्रेशन और डांस के साथ खूबसूरती, शानदार राशा यकीनन से अगली सुपरस्टार हैं। एक और फैन लिखता है, सो ब्यूटीफुल परफॉर्म, कुड नॉट स्टॉप स्माइलिंग थ्रूआउट, द एक्सप्रेशन्स आर सो गुड! तीसरे फैन ने लिखा है, राशा एनर्जी इन उई अम्मा इज नेक्स्ट लेवल- व्हाट ए डेब्यू। अन्य लोगों ने उनके मनमोहक प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा। फॉर हर डेब्यू दिस सॉन्ग इज एक्सीलेंट हर एक्सप्रेशन इज अन्डर लेवल। एक और लिखता है, राशा के डेब्यू में उई अम्मा जैसा सॉन्ग तो चेरी ऑन टॉप है, राशा ने अपने डांस मूव्स से उई अम्मा को और भी जबरदस्त बना दिया है।इस गाने पर और भी कई कमेंट्स हैं, जो इसकी मेगा सफ़लता और दर्शकों के हर वर्ग के बीच राशा थडानी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाते हैं। राशा के उदय को और भी उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह है कि उई अम्मा में उनकी मौजूदगी युवा ऊर्जा का सही मिश्रण लगती है। राशा का प्रदर्शन साबित करता है कि वह एक प्रभावशाली प्रतिभा हैं, जो दर्शकों से जुड़ना जानती हैं। इस गाने को अमित त्रिवेदी ने कंपोज किया है और मधुबंती बागची ने गाया है। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इंडस्ट्री भाषाओं की दीवारें तोड़कर टैलेंट को जोड़ रही सम्युक्ता मेनन

आज का भारतीय सिनेमा ऐसे कलाकारों को अपनाने के लिए तैयार है, जो भाषाओं की सीमाओं से परे जाकर काम कर रहे हैं। सम्युक्ता इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में शानदार काम करने के बाद अब सम्युक्ता बॉलीवुड में फिल्म महारानी से डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वह काजोल के साथ नजर आएंगी। यह एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें सम्युक्ता की भूमिका बहुत खास और दमदार है। यह दिखाता है कि वह किसी भी भाषा में अपनी कला से सबका दिल जीत सकती हैं। बॉलीवुड में सम्युक्ता का आना यह बताता है कि अब इंडस्ट्री भाषाओं की दीवारें तोड़कर टैलेंट को जोड़ रही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में सम्युक्ता ने कहा, मैं हमेशा मानती हूं कि कहानी कहने की कला सबकी होती है और अभिनय की कोई सीमा नहीं होती। यह प्रोजेक्ट मेरे इस विश्वास को और मजबूत करता है। अपने हर किरदार को गहराई और भावनाओं से निभाने वाली सम्युक्ता आज क्षेत्रीय और बॉलीवुड सिनेमा को जोड़ने वाली कड़ी बन रही हैं। जैसे-जैसे बॉलीवुड पैन-इंडिया दर्शकों से जुड़ने की कोशिश कर रहा है, सम्युक्ता इस बदलाव की अगुवाई कर रही हैं और भारतीय सिनेमा को एकजुट करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स का पहला गाना माये जारी, देशभक्ति की झलक दिखी

इस साल की फिल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया मुख्य किरदार में नजर आएंगे। मैडॉक फिल्म्स ने स्काई फोर्स का माई पूरा रिलीज कर दिया है, जिसमें जांबाजों की कहानी को इस कदर दिखाया गया है कि हर कोई उनपर नाज करेगा। इस गाने को बी पराग ने गाया है।मैडॉक ने कुछ ही देर पहले फिल्म स्काई फोर्स का माई सॉन्ग इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर रिलीज किया है। इंस्टाग्राम पर फिल्म निर्माताओं ने लिखा, अपने शहीदों की शान में, जिन्होंने हमारे अपने देश को हर चीज से आगे रखा। पेश है माई सॉन्ग, द एंथम ऑफ हीरोज... साथ ही नीचे यूट्यूब का लिंक भी दिया गया।

स्काई फोर्स में अक्षय कुमार एक वायुसेना अधिकारी के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आई। फिल्म का ट्रेलर 5 जनवरी को रिलीज किया जा चुका है। आज फिल्म का माई गाना रिलीज किया गया है, जिसे बी पराग ने गाया है।अभिषेक अनिल कपूर द्वारा अपनी पहली निर्देशित देशभक्ति फिल्म स्काई फोर्स के माई गाने के बाद प्रशंसक की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है। फिल्म 24 जनवरी,2025 को रिलीज होने वाली हैं। यह फिल्म भारत के पहले और सबसे घातक हवाई हमले की कहानी है। इसमें साल 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर हुए जवाबी हमले को दिखाया गया है।

रवि किशन को याद आए गरीबी के दिन कहा- हजारों बार हुआ था अपमान

भोजपुरी इंडस्ट्री से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाले दिग्गज एक्टर रवि किशन इन दिनों राजनीति में भी एक्टिव हैं। उन्होंने न सिर्फ भोजपुरी में बल्कि हिंदी सिनेमा में भी अपनी एक खास पहचान बनाई है। हालांकि आज वह जिस मुकाम पर हैं, तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। उन्होंने अपने जीवन में बहुत से संघर्षों का सामना किया, खुद को लोहे की तरह आग में तपाया तब जाकर कहीं इस ऊंचाई तक पहुंचे हैं। वहीं एक्टर ने हाल ही में अपने उन्हीं पुराने दिनों को याद कर बचपन और गरीबी लेकर कई खुलासे भी किए।

रवि किशन ने खोले गरीबी के दिनों के कई राज

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रवि किशन ने अपने बचपन के दिनों को लेकर कई खुलासे किए। उन्होंने बताया कि कैसे उन दिनों में उन्होंने पानी वाली खिचड़ी पेट पाला और आज जब वह इतना सफल हो गए हैं, तो भी उन्हें वो दिन याद है और उन्हें किसी महंगे रेस्टोरेंट में खाना खाने और ऑर्डर करने में हिचक महसूस होती है।

आज भी होटल में खिचड़ी क्यों ऑर्डर करते हैं रवि किशन?

रवि किशन अपने पुराने के दिनों के बारे में बात करते हुए बोले, 'बड़ी मुश्किल से हम गरीबी से बाहर निकल पाए हैं। मैंने अपनी जिंदगी में इतनी गरीबी देखी है कि आज भी मैं 7 स्टार होटल में अच्छा खाना ऑर्डर नहीं करता। भले ही पैसा प्रोडक्शन का या फिर मेरा। आज भी मैं रेस्टोरेंट में खिचड़ी ऑर्डर करता हूं।' दरअसल, एक्टर की गरीबी में इसी खिचड़ी ने ही उनका और उनके परिवार का पेट पाला था।

'खिचड़ी में पानी मिलाकर भरते थे पेट'

एक्टर ने आगे बात करते हुए कहा, 'वो गरीबी आज भी मेरे जहन है, मेरे नस-नस में बसी हुई है। मैंने और मेरे परिवार ने घनघोर गरीबी देखी है। ऐसी गरीबी जहां 1 प्लेट में 12 लोग थोड़ी सी खिचड़ी में पानी मिलाकर अपना पेट भरते थे। इसके साथ ही मुझपर कई जिम्मेदारियां भी थी, जमीन गिरवी थी, लगभग सबकुछ उजड़ चुका

रवि अपने उन दिनों के बारे में आगे बताते हुए कहा कि, 'मैंने अपने जीवन में न सिर्फ बेहद गरीबी देखी, बल्कि मैंने बहुत अपमान भी सहा है। लोग 2-3 बार अपमानित होते हैं, लेकिन मैंने हजारों बार इसका सामना किया है।' दौरान उन्होंने करियर के बारे में बात करते हुए कहा कि, 'मेरा कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था और अंग्रेजी में मेरा हाथ तंग था। जिसकी वजह से उन्हें काम मिलने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा।' हालांकि इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि आज मैंने जो मुकाम पर लिया है, इसके बाद मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है।

एक्टिंग के साथ सोनू सूद ने बखूबी निभाई है डायरेक्शन की जिम्मेदारी

इन दिनों एक्शन फिल्मों का चलन है और अब बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सोनू सूद भी इसमें कूद पड़े हैं। उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'फतेह' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में सोनू ने न सिर्फ एक्टिंग की है, बल्कि निर्देशन की कमान भी संभाली है। इस फिल्म को देखने के बाद आप सोनू सूद की एक्टिंग के साथ-साथ उनके निर्देशन की भी तारीफ करने से पीछे नहीं हटेंगे। फिल्म की कहानी 'फतेह' नाम के शख्स पर आधारित है, जिसके किरदार में आपको सोनू सूद नजर आएंगे। फतेह पंजाब के मोगा का रहने वाला है। वह एक आम आदमी की जिंदगी जी रहा है। वह डेयरी फार्म चलाता है। इसके अलावा फतेह हर जरूरतमंद की मदद भी करता रहता है। फिल्म में फतेह की एक बहन 'निमरत' है, जिसका रोल शिव ज्योति राजपूत निभा रही हैं। एक दिन निमरत साइबर क्राइम के चंगुल में फंस जाती है, जिसके बाद फतेह को पता चलता है कि सिर्फ उसकी बहन ही नहीं बल्कि देशभर के कई लोग इस साइबर क्राइम के जाल में फंस अपनी जान दे रहे हैं।

फिल्म की कहानी में एक नया मोड़ आता है। साधारण जिंदगी जीने वाले फतेह का इतिहास है कि वो कभी स्पेशल टास्क फोर्स का जांबाज अफसर हुआ करता था, लेकिन उसकी टास्क फोर्स को सरकार ने बंद कर दिया था। फतेह फिर से अपना पुराना अवतार अपनाता है और साइबर क्राइम से जुड़े खूंखार अपराधियों जैसे विजय राज, नसीरुद्दीन शाह, दिव्येंदु भट्टाचार्य का पर्दाफाश करना शुरू कर देता है। इस खूनी खेल में फतेह की मदद करने के लिए हैकिंग एक्सपर्ट खुशी (जैकलीन फर्नांडीज) उसके साथ आती है। अब उसके बाद क्या होता है, ये जानने के लिए आपको सिनेमाघर जाकर पूरी फिल्म देखनी पड़ेगी।अभिनय की बात करें तो सोनू सूद ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। पहली बार आप सोनू को ऐसे एक्शन मोड में देखेंगे, जैसा आपने उन्हें पहले कभी नहीं देखा होगा। इसलिए फिल्म में उनकी मेहनत साफ नजर आती है। अभिनय के अलावा उन्होंने इस फिल्म का निर्देशन भी खुद ही किया है। उनका निर्देशन भी कमाल का है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। सह-कर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएं, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते आप परेशान होंगें आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। परिवार के साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरा-वस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। ऐसे काम हाथ में लें, जो रचनात्मक प्रकृती के हैं। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 12 जनवरी 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी उत्तर रात्रि 05:05 तक
नक्षत्र : मृगशिरा प्रातः 11:25 तक
योग : ब्रह्म प्रातः 09:09 तक
करण : गर सायं 05:48 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 05:59 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 05:52 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चतुर्दशी तिथि का क्षय,धनुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लवली कंडारा एनकाउंटर मामले में सीबीआई ने दर्ज किया केस

पुलिस अधिकारियों पर शिकंजा कसने की तैयारी

लवली कंडारा

जोधपुर,11 जनवरी (एजेंसियां)। हिस्ट्रीशीटर लवली कंडारा एनकाउंटर मामले की परतें अब केंद्रीय जांच ब्यूरो खोलेगी। 2021 में हुए फर्जी एनकाउंटर के आरोपों के बाद कंडारा के परिजनों ने सीबीआई जांच की मांग की थी। 9 जनवरी को दिल्ली में मामला दर्ज होने के बाद जांच शुरू कर दी गई है।

प्रकरण के अनुसार 13 अक्टूबर 2021 को जोधपुर के रातानाडा थाने के हिस्ट्रीशीटर लवली कंडारा का पुलिस ने एनकाउंटर किया था। पुलिस का दावा था कि लवली अपने साथियों के साथ भागने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान हुई मुठभेड़ में गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

सीबीआई ने इस मामले में रातानाडा थाने के तत्कालीन एसएचओ लीलाराम और चार अन्य पुलिसकर्मियों – जितेंद्र सिंह, किशन सिंह, विश्वास, और अंकित – को आरोपी बनाया है। आरोप है कि एनकाउंटर फर्जी था और पुलिस ने इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया।दिल्ली स्पेशल पुलिस के डिप्टी एसपी मोहिंदर सिंह इस मामले की जांच करेंगे। एनकाउंटर की सत्यता और घटनाक्रम की जांच के साथ–साथ पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर भी नजर रखी जाएगी।

लवली कंडारा के परिवार और रिश्तेदारों ने एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए सीबीआई जांच की मांग की थी। अब जांच के शुरू होने से पुलिस अधिकारियों पर कानूनी शिकंजा कसने की संभावना है। यदि एनकाउंटर को फर्जी साबित किया गया, तो यह पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। इस मामले में सीबीआई की रिपोर्ट का इंतजार पूरे प्रदेश में बड़ी उत्सुकता से किया जा रहा है।

बारिश और कोहरे का डबल अटैक

राजस्थान, जयपुर समेत कई जिलों में बारिश

जयपुर,11 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम ने फिर से करवट ली है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में घने कोहरे और बारिश का दौर शुरू हो गया है। शनिवार सुबह जयपुर समेत कई जिलों में बादल घिर आए, और करीब 11 बजे से बारिश ने दस्तक दी। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से भी बारिश के समाचार मिल रहे हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान राजस्थान में घना कोहरा छाया रहा। करौली में न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सबसे कम रहा। अन्य जिलों में भी सर्दी का असर साफ नजर आया– फतेहपुर में 3.4 डिग्री, दौसा में 4.3 डिग्री, और चूरू में 5.4 डिग्री सेल्सियस तक तापमान गिर गया। रविवार को राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई गई है। जयपुर, भरतपुर, और बीकानेर संभाग में हल्की से मध्यम बारिश और गरज–चमक के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। IMD ने अगले 24 घंटों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक बढ़ोतरी का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग ने 12 और 13 जनवरी को सुबह और रात के समय घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी दी है। हालांकि, 12 जनवरी के बाद मौसम फिर शुष्क हो सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने 15 और 16 जनवरी को एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का अनुमान जताया है, जिससे पूर्वी राजस्थान सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकता है। इसके बाद 17 से 23 जनवरी तक राज्य के पूर्वी हिस्सों में बारिश की संभावना बनी हुई है। किसानों को सलाह है कि ओलावृष्टि की संभावना को देखते हुए फसलों को सुरक्षित रखने के उपाय करें। ठंड और बारिश के इस संयुक्त प्रहार से बचने के लिए गर्म कपड़े और छाते का उपयोग करें। राजस्थान का बदलता मौसम जहां एक ओर सर्दी का रोमांच बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर किसानों और यात्रियों के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है। अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहना जरूरी है।

दिल्ली–एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज

रेवाड़ी,11 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली–एनसीआर समेत रेवाड़ी में शनिवार को मौसम ने करवट ली। सुबह से ही रुक–रुक कर हो रही बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश के साथ शीतलहर ने ठंडक और बढ़ा दी। रेवाड़ी समेत पूरे एनसीआर में लोग घरों में दुबके नजर आए, जबकि जरूरी काम से निकलने वालों ने छाते और गरम कपड़ों का सहारा लिया। सुबह से शुरू हुई बूंदाबांदी ने पूरे दिन रिमझिम बारिश का रूप ले लिया। सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम रही। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव तापते और गरम पेय पदार्थों का सेवन करते दिखे। रेवाड़ी के किसानों ने इस बारिश को फसलों के लिए वरदान बताया है। किसान प्रीतम जांगड़ा, ताराचंद, सुभाष और नरेश ने कहा कि गेहूं और सरसों की फसल को इस हल्की बारिश से काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, इस तरह की मध्यम बारिश फसलों के लिए सोने पर सुहागा है, लेकिन तेज बारिश या ओलावृष्टि से नुकसान हो सकता है।

मौसम विभाग ने पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली–एनसीआर में शनिवार और रविवार को बारिश और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक, हल्की से मध्यम बारिश के साथ ठिठुरन और घने कोहरे की संभावना है।

कांग्रेस के दलित और डॉ. अंबेडकर विरोधी नीतियों को भाजपा करेगी उजागर: अग्रवाल

जयपुर,11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत रत्न और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का कांग्रेस द्वारा अपमान करने के मामले में पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस और कांग्रेसी नेताओं ने सरदार की हत्या करने के साथ ही बाबा साहब, डॉ. भीम राव अंबेडकर का अपमान करने का कार्य किया है। 1952–54 के चुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहब को हराने के लिए कम्युनिस्टो के साथ मिलकर रणनीति बनाई थी इतना ही नहीं नेहरू सरकार में मंत्री रहते हुए भी डॉ. अम्बेडकर को रक्षा और विदेश मामलों की प्रमुख समितियों से बाहर रख कर उनके ज्ञान और योगदान को पूरी तरह नजर अंदाज किया गया। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी देश भर में शनिवार से संविधान गौरव अभियान के माध्यम से कांग्रेसियो की हकीकत जनता के सामने रखेगी।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि संविधान गौरव अभियान के तहत् भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियो से लेकर जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा, प्रकोष्ठ और विभाग सहित प्रत्येक कार्यकर्त्ता कांग्रेस की कुनीतियों को जनता के सामने रखेंगे और भाजपा द्वारा डॉ. अम्बेडकर के सम्मान में किये गये कार्यो को भी विस्तार से बताएंगे। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि एक ओर कांग्रेसी नेता है जिन्होंने कदम–कदम पर बाबा साहब का और दलितों का अपमान किया वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी है जिसने बाबा साहब के न्याय, सम्मानता और सशक्तिकरण की दिशा में कि गई परिकल्पना को साकार करने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब के जीवन से जुड़े 5 महत्वपूर्ण स्थलों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित करने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

संविधान गौरव अभियान को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि बाबा साहब के सम्मान में भाजपा समर्थित सरकार ने उनके मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने और 1990 में उनका चित्र संसद में स्थापित करने का महत्वपूर्ण कदम उठाया था इतना ही नहीं भाजपा सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की परम्परा शुरू की।

डीग में आज मनाया जाएगा मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

डीग,11 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन 12 जनवरी 2025 को कोष एवं लेखा विभाग द्वारा किया जाएगा। इसी क्रम में जिला स्तरीय कार्यक्रम किशन लाल जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डीग के सभागार में 12 जनवरी, रविवार को मनाया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर संतोष कुमार मीणा ने मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विभिन्न विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। नवनियुक्त कर्मयोगियों का कार्यक्रम स्थल पर पंजीयन किया जाएगा और उन्हें किट प्रदान की जाएगी। रोजगार उत्सव में मुख्यमंत्री नवनियुक्त कमयोगियों से संवाद करेंगे और उन्हें संबोधित भी करेंगे।

राइजिंग राजस्थान में किए गए एमओयू को भौतिक रूप से अमल में लाएं निवेशक : कृष्ण कुणाल

जयपुर,11 जनवरी (एजेंसियां)। स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने शनिवार को शिक्षा संकुल सभागार में आयोजित बैठक में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर्स समिट के दौरान किए गए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) को धरातल पर लाने और वास्तविक परियोजनाओं में बदलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने और विभागीय अपेक्षाओं पर खरा उतरने सहित शिक्षा के क्षेत्र में भावी योगदान सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र परियोजनाओं का क्रियान्वयन आवश्यक है।

कुणाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं है, बल्कि इन निवेशों को वास्तविक परियोजनाओं के रूप में साकार करना है। इससे राज्य में आर्थिक विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। निवेशकों की अपेक्षाओं पर विचार करते हुए उन्होंने भू–अलॉटमेंट और अन्य प्रक्रियाओं को तेज करने का आश्वासन भी दिया है। कुणाल ने कहा कि सरकार ने निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। बैठक में 20 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और विभिन्न परियोजनाओं की कार्य प्रणाली, आगामी कार्य योजना, और प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त श्री अविचल चतुर्वेदी ने विचार साझा करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत शिक्षा क्षेत्र में निवेश और विकास की दिशा में सरकार की यह पहल न केवल राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक होगी, बल्कि युवाओं को बेहतर अवसर भी प्रदान करेगी।

केजरीवाल बड़े–बड़े बयान देते है, मगर पंजाब में आंदोलन कर रहे किसानों से एक बार भी बात नहीं की : विज

अम्बाला,11 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने देशवासियों को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को एक वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह हिन्दुस्तान का पुनर जागरण है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने कहा कि 500 साल से हमारे कण कण में विराजमान भगवान राम के जन्मस्थान पर अनाधिकृत कब्जा हुआ था। कब्जा छुडवाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन से वहां भव्य मंदिर बना है और प्राण प्रतिष्ठा हुई है तथा सारा देश आज वो कार्यक्रम लाइव देख रहा है। सांसद चंद्रशेखर आजाद के बयान कि महाकुंभ में वही लोग जाएंगे जिन्होंने पाप किए है पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री विज ने कहा कि सनातन को समझना हर आदमी के बस की बात नहीं है। सनातन के तहत क्या–क्या आयोजन क्यो व कब किए जाते है इसकी समझ भी उसी को होगी जो सनातन को समझता है। जिनको सनातन की समझ नहीं उन्हें बयान देने का अधिकार नहीं। दिल्ली चुनावों पर मंत्री अनिल विज का कांग्रेस पर तंज, कहा कांग्रेस का हाल न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी वाला है।

दिल्ली चुनावों से पहले कांग्रेस ने दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपए देने का ऐलान किया है, जिसका नाम प्यारी दीदी योजना है। इस पर तंज कसते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस का हाल है न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी वाला है। उन्हें पता है कांग्रेस नहीं आएगी इसलिए वे कुछ भी बोलते रहते है। किसान नेता डल्लेवाल की लगातार बिगड़ती तबीयत को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह आंदोलन पंजाब की धरती पर हो रहा है और ज्यादातर किसान भी पंजाब के है।

हरिंदर कल्याण की एस्कॉर्ट गाड़ियां ट्रक से टकराई बाल बाल बचे कल्याण

चंडीगढ़,11 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण बीती रात एक बड़े हादसे में बाल–बाल बच गए। घना कोहरा और धुंध उनके काफिले के लिए खतरा बन गया था। शाहाबाद के पास घने कोहरे के कारण उनकी एस्कॉर्ट गाड़ी एक खड़े ट्रक से टकरा गई। गनीमत रही कि हरविंदर कल्याण पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनकी गाड़ी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ।

यह हादसा शाहाबाद के टोडा गांव के पास त्योड़ा–शाहाबाद रोड पर हुआ। हरविंदर कल्याण चंडीगढ़ में अपने सभी कार्यक्रम खत्म करके अपने विधानसभा क्षेत्र घरौंडा स्थित आवास पर लौट रहे थे। तभी घने कोहरे के कारण जीटी रोड पर एक खराब ट्रक दिखाई नहीं दिया और उनकी एस्कॉर्ट गाड़ी उससे टकरा गई।सूत्रों के मुताबिक इस हादसे में एस्कॉर्ट टीम के दो लोग घायल हो गए हैं। हालांकि, हरविंदर कल्याण की कार के चालक ने समय रहते सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी को एक तरफ मोड़ लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

नशे की भेंट चढ़ रही हरियाणा की जवानी, सत्ता के नशे में मदमस्त सो रही भाजपा : हुड्डा

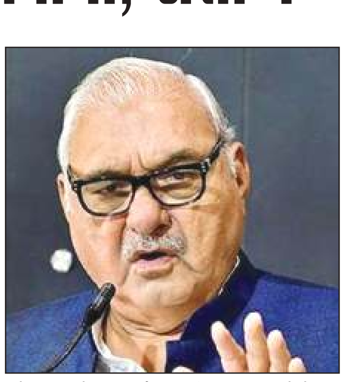

चंडीगढ़,11 जनवरी (एजेंसियां)। नशे के चलते युवा की मौत, ओवरडोज के चलते गई युवक की जान, नशे के चंगुल में फंस रहे टीनेजर, नशे के इंजेक्शन से हाथ पैरों की नसें हुई खराब तो प्राइवेट पार्ट पर इंजेक्शन लगा रहे युवा, आधा दर्जन की मौत। ऐसी दर्दनाक खबरों से हरियाणा के अखबार भरे पड़े हैं। प्रदेश में नशे का काला साम्राज्य भयानक विस्तार ले चुका है और हरियाणा की जवानी इसकी भेंट चढ़ रही है। लेकिन बीजेपी सरकार सत्ता के नशे में मदमस्त सो रही है। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। नशे के चलते लगातार हो रही युवाओं की मौत पर चिंता जाहिर करते हुए हुड्डा ने कहा कि दूध–दही के खाने वाले हरियाणा को भाजपा ने ड्रग्स, अफीम, चिट्टा, हेरोइन, ब्राउन शुगर, स्मैक, चरस, गांजा, कोकीन, भांग और सुलफा का अड्डा बना दिया है। जब से भाजपा प्रदेश की सत्ता में आई है, नशा कारोबारी बेखौफ होकर अपने साम्राज्य फैला रहे हैं। उनका नेटवर्क अब प्रदेश के हर गांव, गली व मोहल्ले तक पहुंच गया है। युवाओं से लेकर महिलाएं और छोटे–छोटे बच्चे भी इसकी चपेट में आकर जान गंवा रहे हैं।

हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की पहचान उसका शुद्ध, सात्विक खाना, उर्जावान युवा, जवान और खिलाड़ी होते थे। लेकिन बीजेपी ने इसे नशे में 'उड़ता हरियाणा' बना दिया है। खुद केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से दिसंबर 2023 में राज्यसभा में रिपोर्ट पेश की गई। इसके मुताबिक हरियाणा में नशा करने वाले 16.51 फ़ीसदी लोग अफीम और उससे बने नशीले पदार्थ, यहां तक की हेरोइन और चिट्टा का इस्तेमाल करते हैं। 11% लोग नशे के लिए गांजा, भांग और चरस इस्तेमाल करते हैं। 5 फ़ीसदी लोग नींद के लिए ली जाने वाली नशीली दवाईयां और बड़ी मात्रा में लोग कोकीन का भी इस्तेमाल करते हैं।केंद्रीय मंत्रालय यह भी माना है कि अब हरियाणा की टीनेजर भी भांग, गांजा, चरस, अफीम, हीरोइन और कोकीन जैसे नशे के चंगुल में फंसती जा रही हैं। इतना ही नही, बड़ा तादाद में टीनेजर को नशा तस्करी के कारोबार में भी धकेला जा रहा है। सरकार के संरक्षण में नशा किस कद्र बढ़ गया है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले 5 साल में प्रदेश के अलग–अलग जिलों से लगभग 15 लाख लोग सरकारी अस्पतालों की ओपीडी और नशा मुक्ति केंद्रों में पहुंचे हैं। हालांकि यह आंकड़ा इससे कई गुणा बड़ा हो सकता है। क्योंकि नशे की दलदल में फंसे लाखों लोग इलाज के लिए आगे नहीं आते हैं और अपनी जिंदगी तबाह कर लेते हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सरकार की मिलीभगत, लचर कानून व्यवस्था के साथ प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी भी बढ़ते नशे की एक बड़ी है। क्योंकि बेर-ोजगारी से हताश युवा नशे और अपराध के चंगुल में फंस रहे हैं और अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। सत्ता में बैठे बीजेपी लगातार ऐसी नीतियां बना रही हैं जिससे प्रदेश में बेरोजगारी, अपराध और नशा बढ़े। ऐसे में हुड्डा ने अभिभावकों और प्रदेश की जागरूक जनता से अपील करी है कि वो बढ़ते नशे के खिलाफ सतर्क रहे।

मां–बाप अपने बच्चों व युवाओं का विशेष ध्यान रखें। परिवार के लोगों के साथ नशे जैसे संवेदनशील मसलों पर बात करें और सभी को इसके खतरों के बारे में जागरुक करें। अपने बच्चों के साथ आसपास की गतिविधियों पर भी नजर रखें इसके विरुद्ध आवाज उठाने में परहेज ना करें। कांग्रेस इस मुद्दे पर सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रशांत किशोर को बीपीएससी ने भेजा नोटिस, पूछा–

सीट बेचने समेत कई झूठे-गंदे आरोप किस आधार पर लगाए, सबूत दें

पटना (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग अपने ऊपर तथ्यहीन आरोप लगाने वालों पर कार्रवाई कर रही है। आयोग की आईटी टीम ने कुल 40 ऐसे वीडियो इकट्ठा किए हैं, जिसमें कोई न कोई शख्स बीपीएससी पर कई तरह के आरोप लगा रहे हैं। बीपीएससी सूत्रों की मानें तो अब तक की जांच में छह नेता और सात शिक्षकों के खिलाफ आयोग को सबूत मिले हैं। जल्द ही इन्हें भी लीगल नोटिस भेजी जाएगी। इसी कड़ी में बीपीएससी ने सबसे पहले दो जनवरी से आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर को नोटिस भेजा है। बीपीएससी ने इस नोटिस के जरिए प्रशांत किशोर से जवाब मांगा है। बीपीएससी के वकील संजय सिंह ने नोटिस में लिखा है कि आपने विभिन्न समाचार चैनल (मुख्य स्ट्रीम मीडिया और यूट्यूब चैनल) पर अपने इंटरव्यू के दौरान

बीपीएससी पर झूठे, गंदे और निराधार आरोप लगाये हैं। इससे आयोग की छवि धूमिल हुई है। आयोग एक संवैधानिक संस्था है।

बीपीएससी की ओर से प्रशांत किशोर को भेजी गई नोटिस में लिखा है कि 70वीं एकीकृत संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षा के संबंध में विभिन्न मोड के माध्यम से अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और सीटों की बिक्री के बारे में विशेष रूप से बिना किसी आधार के गलत आरोप लगाये हैं। इस तरह से आपके इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना कृत्य ने आयोग के प्रति बहुत पूर्वाग्रह पैदा कर दिया है, जो बीपीएससी की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। इन आरोपों ने छात्रों की अशांति, सामान्य अराजकता और अविश्वास सभी सार्वजनिक सुरक्षा, कानून और कानून के शासन को खतरे में डाल दिया है। इसलिए आप यह साबित करें कि किस आधार पर आपने (प्रशांत किशोर) ने इतने गंभीर आरोप लगाये। ऐसा नहीं करने पर आपके विरुद्ध आईटी अधिनियम आदि में कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

बीपीएससी ने नोटिस में उनके वीडियो के लिंक भी भेजे हैं। तीन जनवरी को जारी एक वीडियो में प्रशांत किशोर कह रहे हैं कि बिहार के हर जिले में गली मोहल्ले में लोग जानते हैं कि इस बार जो बीपीएससी के एग्जाम हो रहे हैं, जिन पदों के लिए बीपीएससी के पदाधिकारियों के दलाल, शिक्षा माफिया, यहां के नेता डील कर रहे हैं। एक पोस्ट के लिए तीस लाख से डेढ़ करोड़ तक लिया जा रहा है। वहीं छह जनवरी को जारी वीडियो में प्रशांत किशोर ने कहा कि जो अनियमितता हुई, लूट हुई है, जो बच्चों के नौकरियों को सौ से डेढ़ सौ करोड़, एक-एक करोड़, डेढ़ करोड़ में बेची गई है। यह हजार करोड़ का घोटाला है। बीपीएससी के वकील ने ऐसे ही कुल तीन वीडियो का लिंक और बयान भेजकर प्रशांत किशोर से इन आरोपों का आधार पूछा है।

नई कार से राजगीर घूमने जा रहा था परिवार

कोहरे में नहीं दिखा ट्रक भीषण हादसे में दो की मौत

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा में भीषण सड़क हादसा हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन लोगों की हालत गंभीर है। पांचों लोग पटना से राजगीर घूमने जा रहे थे। कोहरे के कारण इनकी कार ट्रक से टकरा गई। घटना बख्तियारपुर रजौली एनएच-20 फोरलेन के चेरो ओपी अंतर्गत धोबा नदी पुल के समीप की है। हादसे में 6 साल की मासूम बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

इधर, घटना के बाद परिजनों का कहना है कि शनिवार अहले सुबह रंजीत कुमार अपनी कार से राजगीर घूमने के लिए निकले थे। कार पर कुल पांच लोग सवार थे। तभी बख्तियारपुर-रजौली फोरलेन

के चेरो ओपी अंतर्गत धोबा पुल के समीप घने कोहरे के कारण आगे चल रही ट्रक का पता नहीं चल पाया और गाड़ी में पीछे से कार ने टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि रंजीत कुमार ने नई कार ली थी। उसी पर सवार होकर सभी लोग पटना से राजगीर जा रहे थे।

टक्कर इतनी जबरदस्ती थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी के अंदर ही लोग फंसे रह गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं इस बीच ट्रक चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। मरने वालों की पहचान की पहचान पटना जिला के पीर बहोर थाना क्षेत्र अंतर्गत महेंद्रू निवासी रंजीत कुमार की पुत्री अंशु कुमारी (06) एवं लालबाबू की पत्नी मुन्नी देवी (50) के रूप में की गई है। वहीं रंजीत कुमार, उनकी पत्नी और एक अन्य व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। इन्हें बेहतर उपचार हेतु पटना रेफर कर दिया गया है।

वहीं चेरो ओपी प्रभारी वीकेश कुमार ने बताया कि पुलिस मामलें की जांच में जुट गई है। कोहरे की वजह से हादसा हुआ है। शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

मुजफ्फरपुर पहुंचे मंत्री नीतिन नवीन, शहीद बैकुंठ शुक्ल की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। सीएम नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान बैरिया बस स्टैंड का नाम शहीद बैकुंठ शुक्ल के नाम पर कर दिया गया। आज शनिवार को नगर आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन ने बैरिया बस स्टैंड का निरीक्षण किया। इस दौरान वहां आस-पास कमी पाए जाने पर अधिकारियों को सुधार करने की नसीहत दी। इसके साथ उन्होंने शहीद बैकुंठ शुक्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि और श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

इस दौरान मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा के दौरान बैरिया बस स्टैंड का नाम अमर शहीद बैकुंठ शुक्ल के नाम पर कर दिया गया। जिसके बाद से विभाग की तरफ से भी बैरिया बस स्टैंड का नाम अमर शहीद बैकुंठ शुक्ल के नाम पर करने का निर्देश जारी हो गया है।

मुख्यमंत्री के घोषणा पर विभाग ने अमल करते हुए अविलंब उसे पूरा कर दिया है। गौरतलब है कि कई वर्षों से इस बैरिया बस स्टैंड का नाम शाहिद बैकुंठ शुक्ल के नाम पर करने की मांग चल रही थी, उस मांग पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान मोहर लगा दी और अब बैरिया बस स्टैंड का नाम शाहिद बैकुंठ शुक्ल कर दिया गया।

अचानक कई घरों में लगी आग, जाम में फंसा रही दमकल की गाड़ी, देरी से पहुंचने के कारण सबकुछ खाक

कोसी (एजेंसियां)। सहरसा में रेलवे समपार फाटक जहां शहर को दो भाग में बाट कर रखा है। वहीं कई आपातकालीन सेवाओं का लाभ भी लोगों को समय पर नहीं मिल पा रहा है। ताजा मामला शहर के गंगजला समपार फाटक का है। शुक्रवार की देर रात सौर बाजार थाना क्षेत्र के चंदौर में आधे दर्जन घर में आग लग गई।

जिसपर नियंत्रण के लिए शहरी क्षेत्र से अग्निशमन को बुलाया गया, लेकिन जितनी जल्दी में अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ी निकली, वह जल्दबाजी गंगजला ढाला पर जाकर रुक गई। लगभग आधे घंटे से अधिक समय तक दमकल की घंटी ओर सायरन बजती रही, लेकिन ट्रेन गुजरने के बाद उसे फाटक उठा कर जाने को दिया गया। तब तक कई घर और जानवर जलकर राख हो गए। लोगों ने कहा कि यदि समय पर जिला मुख्यालय से दमकल आ जाता तो

राहत मिल सकती थी। मालूम हो कि जाम में पूर्व में कई लोगों की मौत हो चुकी है।

कई महीनों से गंगजला समपार फाटक पर लाइट ओवरब्रिज बन रहा है। जिसे बीते दिसंबर माह में ही पूर्ण होने की बात कही गई थी, लेकिन अभी लाइट ओवरब्रिज पर छड़ ही बंधा जा रहा है। वहीं शहर के मध्य स्थित बंगाली बाजार समपार फाटक पर वर्षों से ओवरब्रिज की मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है। 23 जनवरी को इस मामले को लेकर पुल निर्माण विभाग द्वारा पटना उच्च न्यायालय में दायर एलपीए की सुनवाई डबल बेंच करेगी। लोगों को उम्मीद है कि अब निर्माण का रास्ता साफ होगा।

जिले के सौरबाजार प्रखंड के चंदौर पूर्वी पंचायत के वार्ड नंबर दो में अचानक आग लगने से आधे दर्जन से अधिक घर जलकर राख हो गए। प्रखंड मुख्यालय के अग्निशमन गाड़ियों से आग पर काबू नहीं होने पर जिला मुख्यालय से दमकल को मंगवाया गया। अग्निशमन की तीन गाड़ियों ने एक घंटे के करीब मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं आग में एक दर्जन बकरी, दो भैंस की झुलस कर मौत होने की बात सामने आ रही है। आग में करीब दो लाख से अधिक की क्षति होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

बताया जा रहा हैं कि वार्ड दो निवासी कल्लू यादव और शाहिद यादव के घर में अचानक आग लग गई। जिसने देखते ही देखते हैं भयावह रूप ले लिया। जिसकी चपेट में आने से महेंद्र यादव, सहेन्द्र यादव, विपिन यादव, नेवालाल यादव सहित अन्य लोगों का घर, भैंस, बकरी, कपड़ा, बर्तन समेत लाखों की सामान जलकर राख हो गया। इधर, थानाध्यक्ष अभिषेक ने बताया कि आधा दर्जन घर में अचानक आग लगी है। जिस आग को फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुझा दिया। उन्होंने कहा कि आग में हुई क्षति का आकलन नहीं हो पाया है, लेकिन काफी क्षति हुई है।

नशीली दवाओं के साथ नेपाल में हुई थी गिरफ्तारी

मोतिहारी (एजेंसियां)। भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में नारकोटिक्स ड्रग्स की स्टॉक की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की है। यह छापेमारी मोतिहारी जिला के घोड़ासहन में मेन रोड़ स्थित सत्यम इंटरप्राइजेज नामक दवा दुकान और उसके आवासीय मकान पर की जारही है। पुलिस ने दोनों जगह से नारकोटिक्स ड्रग्स बरामद किया है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि घर से भारी मात्रा में नशीला दवा बरामद किया गया है, जिसकी गिनती ड्रग्स इंस्पेक्टर एवं मजिस्ट्रेट की निगरानी में चल रही है। दावा दुकानदार सुरेन्द्र प्रसाद जयसवाल मौके से भागने में सफल रहा है। पुलिस की एक टीम उसकी तलाश में जुटी हुई है।

इस संबंध में सिकरहना एसडीपीओ अशोक कुमार का कहना है कि जितना थाना क्षेत्र से आज एक तस्कर को पुलिस ने भारी मात्रा में नशीली दवाओं और इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ के दौरान उसने यहां का पता बताया और उसने बताया कि वह कहाँ से कैसे ड्रग्स लेकर इधर उधर जाता था।

सीएम नीतीश ने दी दरभंगा को सौगात, 180 योजनाओं का किया शिलान्यास व उद्घाटन

2 हजार करोड़ रुपये होंगे खर्च

दरभंगा (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के क्रम में दरभंगा पहुंचकर वृहद आश्रय गृह व कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने जीविका दीदियों एवं टोला सेवकों के साथ मुलाकात की।

यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, विजय चौधरी, संजय झा सहित कई अन्य मंत्री व नेता साथ थे। इस अवसर पर एनडीए कार्यकर्ताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। वहीं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखने आए लोगों ने 2 हजार करोड़ से अधिक की राशि जिला को देने के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विशेष हेलीकॉप्टर से सिंहवाड़ा प्रखंड के भराठी पहुंचकर वृहद आश्रय स्थल का लोकार्पण कर प्रगति यात्रा की शुरुआत की। जिसके बाद सिमरी के चंदसार में मत्स्य विपणन कीट तथा मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्यों से मुलाकात कर, पंचायत सरकार भवन परिसर में सात निश्चय संबंधी विभिन्न योजनाओं का अवलोकन एवं निरीक्षण किया। वहीं मध्य विद्यालय सिमरी स्थित केजीबीवी के भवन का लोकार्पण कर पोषण वाटिका का निरीक्षण किया। जिसके बाद मुख्यमंत्री सिमरी हाई स्कूल के परिसर में विभागीय योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलान्यास व उद्घाटन कर विभागों के स्टॉल का निरीक्षण कर जीविका दीदी, टोला सेवक, विकास मित्र आदि से मिले।

वहीं 12 बजे दरभंगा अंतरराष्ट्रीय व अंतरराज्यीय बस पड़ाव स्थल के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव का निरीक्षण कर कई निर्देश दिए। जिसके बाद हराही तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन किया। वहीं शहर की जाम की समस्या को निजात दिलाने के लिए दोनार चौक का अवलोकन कर कर्पूरी चौक पर जाम की समस्या को लेकर डिजाइन का अवलोकन किया। जिसके बाद एसएसपी कार्यालय के नए भवन का लोकार्पण कर 2 बजे जिला स्तरीय समीक्षातात्मक बैठक कर दरभंगा से प्रस्थान करेंगे।

थानेदार पर नोटों से भरे बैग उड़ाने का आरोप, स्वर्ण व्यवसायी बोले–

वाहन जांच के बाद 35 लाख गायब

सारण (एजेंसियां)। छपरा के एक प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायी के साथ 35 लाख रुपये की चोरी का मामला सामने आया है। घटना मकेर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। आरोप है कि मकेर थाना की पुलिस द्वारा वाहन जांच के दौरान रुपए से भरा बैग गायब कर दिया। स्वर्ण व्यवसायी ने मकेर के थानेदार पर आरोप लगाते हुए सारण एसपी से न्याय की गुहार लगाई है। एसपी ने जांच के बाद आरोपी थानेदार को निलंबित कर दिया। वहीं मकेर थाना की गाड़ी का एक ड्राइवर भी गायब है। अब इस घटना के बाद पुलिस की कार्यशैल पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

स्वर्ण व्यवसायी अशोक अलंकार मुजफ्फरपुर से बकाए के रुपये लेकर छपरा वापस लौट रहे थे।

वहीं सारण जिले के प्रवेश करने के बाद मकेर थाने के थानाध्यक रवि रंजन कुमार थाने की गाड़ी से वाहन जांच कर रहे थे। इस कारण स्वर्ण व्यवसाई की गाड़ी को भी रोक कर जांच करने लगे। वाहन जांच के दौरान थाने की गाड़ी का

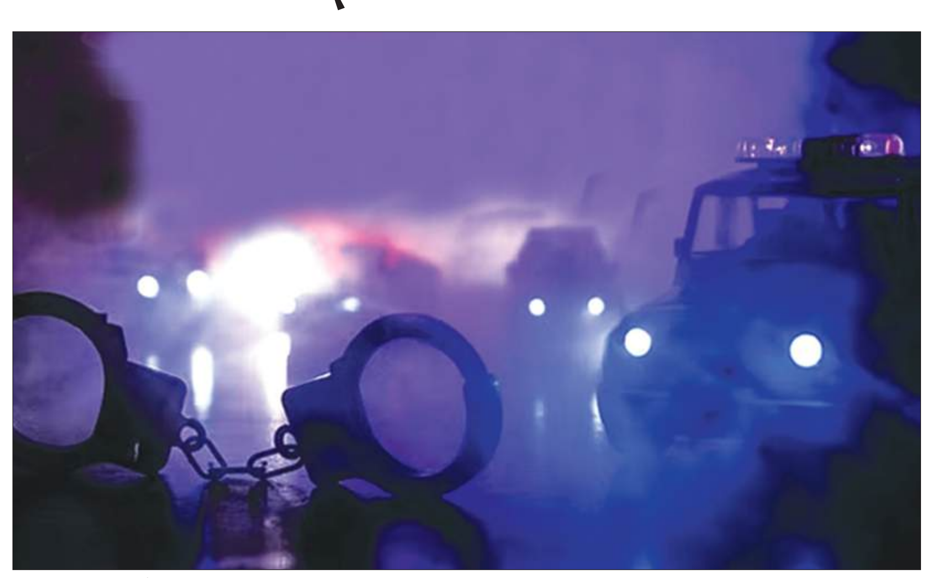

चालक व्यवसाई की गाड़ी के गेट खोलकर जांच करने लगे और सभी को उतार दिया। कुछ देर बाद गाड़ी को जाने दिया। जांच के बाद व्यवसायी आगे बढ़े, लेकिन छपरा पहुंचने से पहले बीच रास्ते में उन्हें कुछ शक हुआ तो अपनी गठरी की जांच करने लगे। जांच के दौरान उन्होंने पाया कि लगभग 35 लाख रुपये का बैग गायब था। आननफानन में स्वर्ण व्यवसायी ने इस घटना की शिकायत सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष से की। इसके बाद मढ़ौरा के डीएसपी को जांच का आदेश दिया गया।

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि मकेर थाने की पुलिस के चालक द्वारा 35 लाख रुपये से भरा बैग की चोरी की गई है।

हालांकि सारण के पुलिस अधीक्षक और मढ़ौरा के डीएसपी के दबाव में चालक ने चोरी की रकम को किसी अन्य द्वारा थाने भेज दिया। लेकिन, इस मामले में अब तक सारण के पुलिस अधिकारी खुल कर कुछ भी बोलने से परहेज करते नजर आ रहे हैं। अभी तक पुलिस ने इस मामले को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन जांच जारी है और जल्द ही इसकी सच्चाई सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने मकेर के थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार से पूछताछ कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com